फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 52 प्रभात जयपुर, मंगलवार 22 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

From Status To Identity

Recently, it has been suggested to use Tr. as a prefix to teacher's name. On the other hand, the legal profession has hesitated to use Lr.

The Story of Carthage Isn't Necessarily True

A new book by historian and archaeologist Eve MacDonald paints a more complete portrait of Carthage, the once-great African society destroyed by Rome

दिल्ली युनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव के रिज़ल्ट से राहुल बहुत चिंतित और परेशान हैं

इस बार, हर बार की तरह हार पर लीपापोती नहीं होगी, ऐसे संकेत मिल रहे हैं

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। राहुल गांधी दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस के सभी चार सीटों पर हार जाने से बेहद नाराज हैं। उसकी प्रतिद्वंदी एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) ने तीन सीटें जीत लीं, जबकि एक सीट उस निर्दलीय उम्मीदवार के खाते में गई, जो पहले कांग्रेस के साथ था।

राहुल गांधी ने के.सी. वेणुगोपाल से इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है कि टिकट कैसे दिए गए, इसके पीछे कौन था और वास्तव में जो कुछ हुआ, उसके लिए कौन जिम्मेदार है।

समझा जाता है कि चुनाव में गड़बड़ी करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसके कारण कांग्रेस को भारी किरकिरी का सामना करना पड़ा और राहुल गांधी का मनोबल भी प्रभावित हुआ।

- **क्योंकि राहुल गांधी जैन ज़ी में अपनी एक साख बना रहे हैं, उसमें सफलता भी मिलने लगी थी, लेकिन इस हार ने उस सफलता को पोंछ डाला है, अतः इस हार के लिए जिम्मेदार लोगों पर गाज अवश्य गिरेगी।**
- **इसमें एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ पर संकट आ सकता है, जाखड़ राजस्थान से हैं और वे चाहते थे कि कोई मीणा प्रत्याशी दिल्ली छात्र संघ अध्यक्ष पद का चुनाव लड़े, उन्होंने इस पद पर विजय शंकर मीणा को उतारा था।**
- **इसी प्रकार कन्हैया कुमार, जो एन एस यू आई के प्रभारी हैं, पर भी गाज गिर सकती है, उन्होंने दिल्ली के एक कांग्रेसी नेता के बेटे, मनीष चतरथ को टिकट दिलाने में अहम् भूमिका निभाई थी, समझा जाता है कि इसी फैसले के कारण सारे समीकरण बदल गए।**
- **यही वजह रही कि एबीवीपी, जिसे जीतने की कोई उम्मीद नहीं थी, शानदार तरीके से जीत गई।**

एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार हैं और समझा जाता है कि दिल्ली के एक नेता के बेटे मनीष चतरण्य को टिकट दिलाने में उनकी अहम भूमिका थी। माना जा रहा है कि इसी फैसले ने पूरे चुनाव का समीकरण बिगाड़ दिया और दूसरी सीटों पर भी इसका असर पड़ा।

मनीष ने उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने पर जोर दिया, जिसके कारण बेहद लोकप्रिय जाट नेता शोकीन को हटा दिया गया। इसके बाद शोकीन ने एनएसयूआई छोड़ दी और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ा तथा सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की।

एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़, जो राजस्थान से हैं, इस बात पर अड़े हुए थे कि अध्यक्ष पद के लिए एक मीणा उम्मीदवार को चुनाव लड़ाया जाए।

उन्होंने अपने निकटवर्ती निर्वाचन क्षेत्र से एक मीणा उम्मीदवार तलाश लिया, ताकि यह संदेश दिया जा सके कि राजस्थान का एक मीणा दिल्ली विश्वविद्यालय पर शासन कर सकता है।

झाखड़ मीणा को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाने पर इतने अधिक केंद्रित थे कि उन्होंने शोकीन को अध्यक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सैशन कोर्ट ने सोनिया गांधी पर मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश रद्द किया

नई दिल्ली, 21 सितंबर। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने सोमवार को मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ वोटर लिस्ट में कथित रुप से नाम जुड़वाने पर

- **मजिस्ट्रेट कोर्ट ने वोटर लिस्ट में कथित रूप से नाम जुड़वाने के मामले में सोनिया गांधी पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था।**

एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया गया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने मामला मजिस्ट्रेट को वापस भेजते हुए कहा कि इस पर दोबारा विचार करें और तर्कसंगत आदेश पारित करें।

सेशंस कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश तर्कसंगत नहीं है। सेशंस कोर्ट ने संबंधित मजिस्ट्रेट के समक्ष इस मामले पर 29 सितंबर को दोबारा सुनवाई करने का आदेश दिया। सेशंस कोर्ट ने 25 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को वकील विकास त्रिपाठी ने सेशंस कोर्ट में चुनौती दी थी। इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने याचिका खारिज कर दी थी।

भारत की पर्यटन क्रांति ने "एआई युग" में प्रवेश किया

अब एआई यह तय करने में मदद कर रहा है कि कहां जाना चाहिए और यात्रा का अधिकतम लाभ कैसे उठाया जाना चाहिए

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। भारत का पर्यटन अब एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है। महामारी के बाद पर्यटन में आई तेजी अब यात्रा के स्थायी विस्तार में बदल गई है। इसके पीछे बढ़ती आय, उपभोक्ताओं की बढ़ती आकांक्षाएं, बेहतर कनेक्टिविटी और अनुभवों पर खर्च करने की बढ़ती इच्छा जैसे कारण हैं। "वर्ल्ड ट्रैवल एण्ड टूरिज़्म काउंसिल" (डब्ल्यूटीटीसी) के ताजा अनुमानों में इस मौके के पैमाने को दिखाया गया है। वर्ष 2025 में यात्रा एवं पर्यटन ने भारत की अर्थव्यवस्था में 263.6 अरब डॉलर का योगदान दिया, 4.62 करोड़ नौकरियों को समर्थन दिया और 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। डब्ल्यूटीटीसी को उम्मीद है कि 2026 में यह क्षेत्र 8.5 प्रतिशत बढ़कर 286.1 अरब डॉलर का हो जाएगा और 4.81 करोड़ नौकरियों को समर्थन देगा। अनुमान है कि 2036 तक यह क्षेत्र 527 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा, यानी एक दशक में लगभग दोगुना हो जाएगा।

यह वृद्धि, पर्यटन को भारत की प्रमुख ग्रोथ इंडस्ट्रीज़ में मजबूती से स्थापित करती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि डब्ल्यूटीटीसी के आंकड़े बताते हैं कि यह मुख्य रूप से घरेलू खपत की कहानी है। वर्ष 2025 में घरेलू पर्यटकों का खर्च 203 अरब डॉलर रहा, जो यात्रा एवं पर्यटन पर हुए कुल खर्च का 86 प्रतिशत था। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 2025 में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या 429 करोड़ रही, जो 2024 की तुलना में 45.6 प्रतिशत अधिक है।

- **वर्ल्ड ट्रैवल एण्ड टूरिज़्म काउन्सिल के नवीनतम अनुमानों के अनुसार वर्ष 2025 में यात्रा एवं पर्यटन ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 263.6 अरब डॉलर का योगदान दिया था जो 2026 में 286.1 अरब डॉलर होने की उम्मीद है और वर्ष 2036 तक तो यह 527 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।**
- **इसमें सबसे बड़ा योगदान घरेलू पर्यटकों का है। वर्ष 2025 में घरेलू पर्यटकों का यात्रा खर्च 203 अरब डॉलर रहा जो कुल खर्च का 86 प्रतिशत था।**
- **भारतीय यात्री अब केवल टूरिज़्म मार्केट का हिस्सा नहीं, बल्कि इसका ग्रोथ इंजन बन गया है।**

इसलिए भारतीय यात्री अब केवल टूरिज़्म मार्केट में हिस्सा लेने वाला नहीं रह गया है। भारतीय यात्री अब इसका प्रमुख विकास इंजन बन रहा है।

यह बदलाव कंज़म्प्शन में बड़े बदलाव को दिखाता है। बढ़ती शहरी और मिडिल क्लास आबादी के लिए यात्रा अब केवल कभी-कभार किया जाने वाला महंगा शौक नहीं रह गई है, बल्कि जीवन शैली का हिस्सा बनती जा रही है। छोटी यात्राएं, लंबे सप्ताहांत की छुट्टियां, तीर्थयात्रा, स्वास्थ्य एवं कल्याण, रोमांच, वन्यजीव, विरासत, खान-पान और अनुभव आधारित यात्राएं, ये सभी बाज़ार को बढ़ा रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओवैसी ने सपा और कांग्रेस को "धर्म संकट" में डाला

असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश में कहा कि कोई भी पार्टी अकेले भाजपा को नहीं रोक सकती इसलिए समान विचारधारा वाले दलों को हाथ मिलाना चाहिए

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 सितंबर। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी गठबंधन के बारे में असदुद्दीन ओवैसी के नए प्रस्ताव ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को राजनीतिक दुविधा में डाल दिया है। कानपुर में बोलते हुए एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि कोई भी एक पार्टी भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से नहीं रोक सकती और उन्होंने "समान विचारधारा वाले" दलों को हाथ मिलाने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि सहयोगी दलों को लेकर फैसला 2 अक्टूबर तक होने की उम्मीद है।

- **सपा, जो काफी हद तक मुस्लिम वोट बैंक पर निर्भर है, को लगता है कि अगर ओवैसी की पार्टी से हाथ मिलाया गया तो इससे यूपी में ओवैसी की मुखर अल्पसंख्यक राजनीति को जगह और वैधता मिलेगी।**
- **कांग्रेस के सामने भी यही संकट है कि अगर ओवैसी को साथ नहीं लिया तो वे मुस्लिम वोट काटेंगे और साथ लिया तो कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष छवि को नुकसान होगा।**

सपा के लिए मुख्य समस्या चुनावी गणित और पहचान की है। दोनों दल प्रमुख क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं पर काफी हद तक निर्भर हैं। गठबंधन करने से ओवैसी की मुखर अल्पसंख्यक राजनीति को जगह और वैधता मिलने का खतरा है, जबकि प्रस्ताव को ठुकराने पर ए आई एम आई एम उन सीटों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोढेरा सूर्य मंदिर पर सौ रुपये का स्मारक सिक्का जारी होगा

मेहसाणा, 21 सितंबर। गुजरात की ऐतिहासिक धरोहर मोढ`रा सूर्य मंदिर की 1000 वर्ष पुरानी गौरवगाथा को स्मरणीय बनाने के लिए 100 रू. का स्मारक सिक्का जारी करने का निर्णय लिया गया है। यह स्मारक

- **गुजरात के इस मंदिर की 1000 वर्ष की गौरव यात्रा की स्मृति में सिक्का जारी होगा।**

सिक्का वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किया जाएगा। यह जानकारी राज्य सूचना विभाग ने दी।

मोढ`रा सूर्य मंदिर अपनी विशिष्ट स्थापत्य कला और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर से जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को स्मारक सिक्के के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जा रहा है। 100 रू. का यह स्मारक सिक्का मोढेरा सूर्य मंदिर की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप अब प्रैस को कंट्रोल करने की तैयारी में हैं

ट्रंप ने तीन प्रमुख समाचार संगठनों, सीएनएन, एमएस नाओ एंड पॉलिटिक्स को राष्ट्रपति और वाइट हाउस के कार्यक्रमों का कवरेज करने से रोका और उनके संवाददाताओं के कार्ड भी छीन लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक और जंग शुरू कर दी है-इस बार यह अमेरिकी प्रेस और अमेरिकी संविधान में दिए गए बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ एक अंदरुनी लड़ाई है।

किसी सरकार और बड़े न्यूज़ मीडिया के बीच टकराव कोई नई बात नहीं है और भारत में भी इस तरह की कई बड़ी लड़ाइयां लड़ी गई हैं। इसलिए इस देश में, डॉनल्ड ट्रंप और अमेरिका के स्वतंत्र मीडिया के बीच चल रहे टकराव में काफी रुचि है।

ट्रंप ने तीन प्रमुख समाचार संगठनों-सीएनएन, एमएस नाओ और पॉलिटिक्स को राष्ट्रपति के कार्यक्रमों और प्रेस कॉन्फ्रेंस की कवरेज करने से रोक दिया है। सोमवार सुबह, जब इन तीनों संगठनों के पत्रकार अपने नियमित काम के लिए वाइट हाउस पहुंचे, तो वाइट हाउस ने उनके प्रेस कार्ड भी जब्त कर लिए।

- **इसके जवाब में तीनों मीडिया संस्थानों ने ट्रंप के खिलाफ "फर्स्ट अमेंडमेंट" मुकदमा दायर कर दिया है और आरोप लगाया है कि वाइट हाउस ने संविधान का उल्लंघन किया है।**
- **ट्रंप द्वारा तीन समाचार संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के बाद राष्ट्रपति की गतिविधियों को कवर करने वाले पत्रकारों के पूल ने राष्ट्रपति कार्यक्रमों के कवरेज से दूर रहने का फैसला किया। एबीसी, सीबीएस, फॉक्स न्यूज़ और एनबीसी ने सीएनएन के साथ मिलकर एक संयुक्त बयान जारी कर ट्रंप के फैसले की निंदा की।**
- **ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा कि इन संगठनों ने सरकार व राष्ट्रपति के कामकाज पर नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है।**

इसके जवाब में, तीनों समाचार संस्थानों ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ प्रथम संशोधन (फर्स्ट अमेंडमेंट) के तहत मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि वाइट हाउस ने अमेरिकी संविधान का उल्लंघन किया है और संविधान में जनता को दिए गए अधिकार को सीमित किया है।

इन तीन समाचार संगठनों पर प्रतिबंध के बाद, राष्ट्रपति की गतिविधियों को कवर करने वाले वाइट हाउस के पत्रकारों के समूह ने राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की कवरेज से दूर रहने का फैसला किया है। वाइट हाउस के पत्रकारों में एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके तहत चुने हुए न्यूज़ आउटलैट्स बाकी सभी की तरफ से राष्ट्रपति से जुड़ी खबरें कवर करते हैं।

एबीसी, सीबीएस, फॉक्स न्यूज और एनबीसी ने सीएनएन का साथ दिया और इस हरकत की निंदा करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया, जो कि एक दुर्लभ घटना है। वाइट हाउस के टेलीविजन प्रेस पूल के सदस्यों के रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआईआर से लोकतांत्रिक अधिकार प्रभावित - खड़गे

नई दिल्ली, 21 सितंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को त्रुटिपूर्ण बताते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गई है,

- **उन्होंने कहा, दिल्ली में इस प्रक्रिया का प्रभाव स्पष्ट नजर आ रहा है।**

बल्कि इसके प्रभाव लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े सवाल खड़े कर रहे हैं।

खड़गे ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि कांग्रेस शुरू से ही एसआईआर प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण बताती रही है। अब जब यह प्रक्रिया दिल्ली में चल रही है, तो इसके प्रभाव अधिक स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पुलिस केकडी वॉर्ड सदस्य को गिरफ्तार कर चुनाव में वोट देने के अधिकार से वंचित न करे'

राजस्थान हाईकोर्ट ने कांग्रेस पार्टी की ओर से चयनित वॉर्ड सदस्य को पुलिस की किसी भी तरह की दण्डात्मक कार्रवाई से सुरक्षित किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केकड़ी नगर पालिका के पार्षद अनिल मित्तल को गिरफ्तारी से सुरक्षा देते हुए आदेश दिया और कहा कि राजस्थान पुलिस उनके खिलाफ किसी भी शिकायत को माध्यम बनाते हुए उन पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर सकती। अदालत ने कहा कि जो पुलिस अधिकारी अनिल मित्तल के घर पर तैनात हैं वह भी उन्हें बोर्ड अध्यक्ष के चुनाव में भाग लेने से वंचित करने का साहस ना करें। इसके साथ ही अदालत ने रिटर्निंग अधिकारी (स्थानीय एस.डी.एम.) को लंबित शिकायत पर विधि अनुसार कार्रवाई करने की छूट दी है। वहीं अदालत ने मामले की सुनवाई 7 अक्टूबर को तय करते हुए राज्य सरकार सहित अन्य पक्षकारों को जवाब पेश करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश अनिल मित्तल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **गौरतलब है कि केकड़ी विधानसभा क्षेत्र से जीत कर आये भाजपा के विधायक ने, 20 सितम्बर रात्रि 10.30 बजे, एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि भाजपा के वॉर्ड मेम्बर राजेन्द्र कुमार चौधरी ने रिटर्निंग ऑफिसर, अजमेर, से बोर्ड के अध्यक्ष का चुनाव स्थगित करने की गुहार की है और साथ ही कांग्रेस वॉर्ड सदस्य, अनिल मित्तल को अयोग्य घोषित करने की मांग की है।**
- **याचिकाकर्ता के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा, 21 सितम्बर की रात 12 बजे पुलिस वाले अनिल मित्तल के घर आये थे। आर. पी. सिंह का कहना था कि यह पुलिस अधिकारी संभवतः भाजपा के स्थानीय विधायक और वॉर्ड सदस्य की शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए अनिल मित्तल को गिरफ्तार करने आये थे। उन्होंने अदालत के समक्ष गुहार की थी उनके मुवक्किल को गिरफ्तारी से सुरक्षा मुहैया की जाये।**

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि राज्य सरकार के अधिवक्ता के अनुसार अभी तक याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, लेकिन उसके घर के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। जिससे संभावना है कि उसे गिरफ्तार कर लिया जाए और चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने से वंचित कर दिया जाए, इसलिए याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत के तौर पर उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगाना उचित है।

याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि याचिकाकर्ता को नगर पालिका, केकड़ी के बोर्ड का सदस्य चुना गया है। उन्होंने आगे बताया कि केकडी नगर पालिका में कुल 40 वार्ड सदस्यों का चुनाव होता है और कम से कम 21 वार्ड सदस्यों की मत से बोर्ड के अध्यक्ष का चुनाव तय किया जीता जाता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुए चुनाव के बाद केकड़ी में 20 वार्ड मेम्बर कांग्रेस पार्टी से जीत कर आये वहीं 18 भाजपा से और 2 आरएलपी से जीत कर आये। उन्होंने कहा कि 21 सितम्बर को सुबह 10 बजे से केकडी नगर पालिका के अध्यक्ष के चुनाव आयोजित किये गये है।

उन्होंने अदालत को इस तथ्य से भी अवगत कराया कि केकड़ी के भाजपा के विधायक ने, 20 सितम्बर (यानि बोर्ड अध्यक्ष के चुनाव के एक दिन पूर्व ही) रात्रि 10.30 बजे, एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि भाजपा के वार्ड मेम्बर राजेन्द्र कुमार चौधरी ने रिटर्निंग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा विधायकों ने कर्नाटक विधानसभा में पूरा वंदे मातरम गाया

बेंगलुरु, 21 सितंबर। कर्नाटक विधानसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विधानसभा में वंदे मातरम को केवल दो छंदों के बाद बंद कर दिया गया, जिसके बाद भाजपा के विधायकों ने इसे

- **अधिकारिक रूप से विधानसभा में दो छंदों के बाद रिकॉर्डिंग रोक दी गई।**

सीमित करने के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए गीत का पूरा संस्करण गाया।

भाजपा विधायक एसआर विश्वनाथ ने इस मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व को खुश करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

विश्वनाथ ने कहा कि आजादी से पहले भी कांग्रेस ने वंदे मातरम का विरोध किया था और अपनी बैठकों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दूसरों पर शक करना कभी-कभी गुनाह हो जाता है। –कुरान

ऐसे मना प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76वाँ जन्मदिन 17 सितंबर 2026 को पूरे देश में समारोह पूर्वक मनाया गया। इसके कुछ दिनों पूर्व, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने देशवासियों से अपील की थी कि देशवासी, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर ''आशीर्वाद का दीपक'' जलाएं। इस अपील के दो पक्ष हैं, एक तो यह कि देश के नागरिक अपनी स्वेच्छा से प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई देने के लिए और उनके दीर्घायु होने की कामना के लिए अपने-अपने घरों में दिया जलाएं। भाजपा अध्यक्ष की अपील ऐसे समय में आई है जब देश विभिन्न प्रकार की त्रासदियों से हाल ही में गुजरा है। इनमें से कुछ निम्न हैं:–

बिहार, असम में भयंकर बाढ़ आई, जिसने लाखों का जीवन संकट में डाल दिया।

* NEET पेपर लीक कर कारण 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली

जंतर मंतर पर आंदोलनरत छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा बर्बरता पूर्ण तरीके से बल चार्ज किया गया, यहां तक कि उन पर पेलेट गन का इस्तेमाल भी किया गया। दिल्ली में अस्पताल में आग लगने से कई लोग जलकर मर गए।

दिल्ली के पी जी हॉस्टल ''सत्य निकेतन'' के ध्वस्त होने से छात्रों की असमय दर्दनाक मौत हो गई।

आम नागरिक के काम आने वाली उपभोक्ता वस्तुओं के दाम बहुत बढ़े हुए हैं।

बेरोजगारी की स्थिति अत्यंत विकट है ।

इस वर्ष की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत जी डी पी वृद्धि के सरकारी दावे के बावजूद, वास्तविकता में देशवासियों में खुशी मनाने का कोई विशेष कारण नहीं दिखाई देता है। भारत सरकार के पूर्व वित्त सचिव सुभाष गर्ग ने महंगाई का समायोजन करने के बाद जी डी पी वृद्धि को शून्य बताया है। यह एक सामान्य बात है कि दीपक जलाने का मन तब ही करता है, जब परिवारों में खुशी का माहौल हो।

यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं कई बार सार्वजनिक रूप से यह घोषणा की थी कि वे अपना जन्मदिन मनाना बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद, प्रारंभ के कुछ वर्षों में उन्होंने देश की सीमा पर जवानों के साथ अलग-अलग स्थानों पर अपना जन्मदिन सादे तरीके से मनाया था।

जब नरेंद्र मोदी ने जून, 2014 में प्रधानमंत्री पद सम्हाला था तो, सबको सक्रिय राजनीति से 75 साल की आयु में संन्यास लेने की बात कही थी। इसी आधार पर लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा और अरुण शौरी जैसे दिग्गज भाजपा नेताओं को हाशिए पर धकेलते हुए इन लोगों को मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया गया था। यह अलग बात है कि सरकार को 'मार्ग दर्शन' देने के लिए इस मार्गदर्शक मंडल की एक भी बैठक गत 12 वर्षों में नहीं हुई।

जब प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर, 2025 को 75 वर्ष के होने वाले थे, उस समय ये अफवाहें जोर पकड़ने लगी थीं कि क्या वे अपने ही बनाए सिद्धांत पर चलते हुए प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देते हुए सक्रिय राजनीति से अलग हो जाएंगे? जैसी कि संभावना थी, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वे प्रधानमंत्री पद पर बने रहे और अब भी पूरी मजबूती से उस पद पर बने हुए हैं। हां, इस बीच अमित शाह और योगी आदित्यनाथ में से इनका उत्तराधिकारी कौन होगा, इस पर अनेक प्रकार के कयास लगते रहे।

खैर, भाजपा अध्यक्ष की अपील को एक तरह से आदेश मानते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने घरों, गांवों और शहरों में दीपक जलाकर प्रधानमंत्री मोदी को स्वस्थ और दीर्घायु होने का 'आशीर्वाद' दिया। देश के अनेक भागों, विशेषकर भाजपा शासित राज्यों में, करोड़ों दीपक जलाए गए। अगले दिन अनेक स्थानों पर दियों में बचे हुए तेल को गरीब बच्चों द्वारा बोतलों में इकट्ठा करने के अनेक दृश्य सामने आए, जिन्हें सोशल मीडिया पर बहुत चलाया गया। यह तेल उनके घरों में काम लेने के लिए ले जाया गया।

भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए नए नए तरीके अपनाए गए। कुछ कार्यकर्ताओं ने तो अलग दिखने की होड़ में, मोदी की तस्वीर पर माला चढ़ाकर, उस की आरती करना प्रारंभ कर दिया। ऐसा लग रहा था, जैसे वे जन्मदिन की बधाई के बजाए श्रद्धांजलि दे रहे हों। एक स्थान पर 125 करोड़ की लागत से मोदी का मंदिर बनाने की घोषणा की गई। इस मंदिर में नरेंद्र मोदी की मूर्ति स्थापित की जाएगी। यह समाचार, सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ।

जब नरेंद्र मोदी ने जून, 2014 में प्रधानमंत्री पद सम्हाला था तो, सबको सक्रिय राजनीति से 75 साल की आयु में संन्यास लेने की बात कही थी। इसी आधार पर लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा और अरुण शौरी जैसे दिग्गज भाजपा नेताओं को हाशिए पर धकेलते हुए इन लोगों को मार्गदर्शक मंडल में डाल दिया गया था। यह अलग बात है कि सरकार को 'मार्ग दर्शन' देने के लिए इस मार्गदर्शक मंडल की एक भी बैठक गत 12 वर्षों में नहीं हुई।

प्रधानमंत्री के जन्मस्थान, गुजरात के वडनगर से वाराणसी तक और वाराणसी से वडनगर तक ''सेवा संकल्प अभियान'' के अंतर्गत दो मेगा मोटर साइकिल रैलियां भी चल रही हैं। इनमें कुल 500 मोटर साइकिल पर 1000 लोग भाग ले रहे हैं। इनके पेट्रोल पर जो व्यय होगा वह शायद सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

यह विडंबना ही है कि एक ओर तो प्रधानमंत्री विदेश मुद्रा बचाने के लिए नागरिकों से तेल का उपयोग कम करने की अपील कर रहे हैं, वहीं लाखों लीटर तेल ''आशीर्वाद के दीपक'' जलाने में व्यर्थ हो गया।

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने तो प्रधानमंत्री के जन्मदिन को ''सेवा संकल्प अभियान'' के रूप में एक माहर तक मनाने के आदेश जारी कर दिए। असम के मुख्यमंत्री ने सभी राशन कार्ड धारियों के लिए दीपक जलाना अनिवार्य कर दिया। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने सी एम श्री योजना के अंतर्गत आने वाले 75 सरकारी विद्यालयों के बच्चों को शाम को 6 से 7 बजे तक दिए जलाने के लिए पाबंद किया। न केवल यह, उनके द्वारा जलाए गए दीपकों के फोटो और वीडियो बनाकर अपलोड करने के भी निर्देश जारी किए गए।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री तो इनसे एक कदम आगे निकल गए और उन्होंने सभी सरकारी कार्यालयों, यहां तक कि सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ियों में प्रधानमंत्री मोदी के लिए ''आशीर्वाद का दीपक'' जलाकर उसके वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आदेश जारी किए। इसी प्रकार के आदेश बिहार के मुख्यमंत्री ने भी जारी किए। इसी का लाभ उठाते हुए सी जे पी के अभिजीत दीपके भी दीपक जलाने हेतु एक गाँव के खंडहर नुमा सरकारी स्कूल पहुंच गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चला।

कहा जा सकता है कि इस प्रकार की कार्यवाही से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोई लेना देना नहीं है। यह तर्क गले से उतरने वाला नहीं है क्योंकि भाजपा में बिना प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा से कोई पत्ता भी नहीं खड़क सकता है। यदि प्रधानमंत्री इस बारे में पहले ही स्थिति स्पष्ट कर देते और अपनी नाराजगी व्यक्त कर देते कि वह अपने जन्मदिन पर इस प्रकार के किसी भी आयोजन के पक्षधर नहीं हैं, तो फिर संभव है किसी का इतना साहस नहीं होता कि इस प्रकार के आयोजन करता।

विडंबना तो यह है कि नरेंद्र मोदी के जन्मदिन का आयोजन सरकारी पैसे से किया गया। यह सर्व विदित है कि किसी के द्वारा सम्मान, अपने अच्छे कार्य व्यवहार से अर्जित किया जाता है न कि उसे पाने के लिए किसी को आदेशित किया जाता है (Respect is commanded and not demanded), जैसा कि इस बार सरकार ने आदेश जारी करके किया।

सरकारी आदेश जारी करने का अर्थ ही यह हुआ कि जो कोई इसकी पालना नहीं करेगा, वह दंड का भागी होगा। इस प्रकार का काम, उत्तरी कोरिया जैसे देश में तो संभव है, किंतु भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में नहीं। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा लिए गए इस चाटुकारिता पूर्ण कदम का क्या प्रभाव होगा, यह तो भविष्य में ही पता चलेगा।

भारतीय लोकतंत्र को व्यक्तिवाद से ऊपर उठना ही होगा। ऐसा नहीं है कि व्यक्ति पूजा का दौर नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही प्रारंभ हुआ है। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए इस पर अधिक चर्चा नहीं होती थी। कांग्रेस के शासन काल में जब इन्दिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, तब कॉन्ग्रेस अध्यक्ष देव कांत बरुआ ने बयान दिया था कि ''Indira is India and india is Indira'' जब व्यक्ति को देश से बड़ा बना दिया जाता है तो लोकतंत्र का पतन प्रारंभ हो जाता है। आजकल फिर वही हो रहा है, जब मोदी को भगवान राम के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, उनके मंदिर बनवाए जा रहे हैं और हनुमान चालीसा की तर्ज पर 'मोदी चालीसा' लिखी जा रही है।

आशा है, हमारे नेता इतिहास से सीख लेंगे और आत्म मुग्धता के मोह से बचेंगे। साथ ही, अपने अनुयायियों को भी ऐसा करने से रोकेंगे। आवश्यकता इस बात की है कि वे देश की मूल समस्याओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार पर पूरा ध्यान दें ताकि भारत 2047 तक विकसित देश बन सके। अन्यथा, देश का एक बहुत छोटा वर्ग तो अत्यंत अमीर हो जाएगा और शेष लोग, सरकारी राशन पर ही निर्भर रहेंगे और मूल भूत सुविधाओं से भी वंचित रहेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

किशाऊ बांध परियोजना-भजनलाल सरकार की एक और उपलब्धि

प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया

राजस्थान जैसे मरुस्थलीय और जल-संकट से जूझते राज्य के लिए पानी केवल विकास का साधन नहीं, बल्कि जीवन और भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ऐसे में यमुना जल समझौते के बाद किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना को लेकर छह राज्यों के बीच हुआ ऐतिहासिक समझौता राजस्थान के लिए विशेष महत्व रखता है। 15 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों ने किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल उपस्थित थे।

राजस्थान के लिए इस समझौते का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि किशाऊ परियोजना से124 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी प्राप्त होगा। यह पानी मुख्यतः शेखावाटी क्षेत्र के सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोगी होगा एवं अधिशेष पानी सिंचाई में काम आयेगा । राजस्थान सरकार के अनुसार इस पानी को हरियाणा के हांसी क्षेत्र से चूरू तक तीन भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से लाने की योजना है।

शेखावाटी लंबे समय से गंभीर जल संकट का सामना करता रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, गिरता जलस्तर और खारेपन की समस्या ने सीकर, चूरू और झुंझुनूं के अनेक क्षेत्रों में पेयजल को बड़ी चुनौती बना दिया है। इसलिए किशाऊ का पानी केवल कुछ करोड़ घन मीटर पानी का आंकड़ा नहीं है, बल्कि लाखों लोगों के लिए दीर्घकालीन जल सुरक्षा की उम्मीद है।

तीन दशक पुराने समझौते से किशाऊ तक -किशाऊ परियोजना को समझने के लिए 1994 के यमुना जल समझौते को समझना आवश्यक है। 12 मई 1994 को यमुना बेसिन के तत्कालीन संबंधित राज्यों के बीच यमुना के सतही जल के बंटवारे को लेकर समझौता हुआ था। ऊपरी यमुना क्षेत्र में पर्याप्त भंडारण क्षमता नहीं होने के कारण मानसून के अतिरिक्त पानी को संठाहित करने के लिए तीन प्रमुख भंडारण परियोजनाओं की परिकल्पना की गई-यमुना पर लखवार, गिरी नदी पर रेणुकाजी और टौंस नदी पर किशाऊ।

किशाऊ परियोजना यमुना की प्रमुख सहायक नदी टौंस पर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर प्रस्तावित है। वर्तमान समझौते के अनुसार यहां 232.6 मीटर ऊंचा कंक्रीट ग्रेविटी बांध बनाया जाएगा। परियोजना की जल भंडारण क्षमता लगभग 1,562 एमसीएम बताई गई है। इससे लगभग 97,000 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की सुविधा तथा लगभग 1,476 मिलियन यूनिट स्वच्छ जल विद्युत उत्पादन की संभावना है।

हालांकि परियोजना का स्वरूप और आंकड़े समय-समय पर संशोधित होते रहे हैं। पर्यावरणीय मूल्यांकन से जुड़े दस्तावेजों में 1,786 एमसीएम कुल भंडारण तथा 1,324 एमसीएम उपयोगी जल और 422 मेगावाट की वर्तमान परियोजना संरचना का उल्लेख मिलता है। इसलिए अंतिम स्वीकृत परियोजना के आंकड़ों को ही निर्माण के समय आधार माना जाना चाहिए।

आठ साल का गतिरोध कैसे टूटा?

किशाऊ परियोजना नई नहीं है। यह दशकों से कागजों और बैठकों में घूमती रही है। मुख्य समस्या लागत, पानी के बंटवारे, बिजली के लाभ तथा हिमाचल और उत्तराखंड में होने वाले विस्थापन और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर थी।

हिमाचल प्रदेश के सामने विशेष समस्या यह थी कि बांध उसके क्षेत्र में बनना है, भूमि डूबेगी, लोगों का विस्थापन होगा और पर्यावरणीय एवं पुनर्वास संबंधी लागत भी उठानी पड़ेगी, जबकि परियोजना के पानी का बड़ा लाभ नीचे के राज्यों को मिलेगा। परियोजना से जुड़े दस्तावेजों में लगभग 2,950 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता का उल्लेख है। वित्तीय विवाद को दूर करने में केंद्र सरकार की भूमिका निर्णायक रही। जून 2026 में सहमति बनी कि परियोजना के जल घटक की 90 प्रतिशत लागत केंद्र सरकार केंद्रीय सहायता के रूप में वहन करेगी, जबकि शेष 10 प्रतिशत छह भागीदार राज्यों द्वारा वहन किया जाएगा।

सबसे महत्वपूर्ण समाधान हिमाचल प्रदेश के विद्युत घटक को लेकर निकला। हिमाचल के हिस्से की बिजली लागत से संबंधित वित्तीय दायित्व को दिल्ली और राजस्थान द्वारा75:25 के अनुपात में वहन करने पर सहमति बनी। इसके बदले हिमाचल प्रदेश के आवंटित जल का 95 प्रतिशत दिल्ली और राजस्थान को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई, जबकि हिमाचल अपने लिए 5 प्रतिशत रखेगा। 95 प्रतिशत हिस्से में दिल्ली का हिस्सा 75 प्रतिशत और राजस्थान का 25 प्रतिशत होगा।

यही वह समझौता है जिसने वर्षों से अटकी परियोजना के सामने खड़ी सबसे बड़ी वित्तीय बाधाओं में से एक को दूर किया।

राजस्थान के लिए 124 एमसीएम का महत्व-राजस्थान को मिलने वाला 124 एमसीएम पानी मात्रा में भले ही पूरे राज्य की आवश्यकताओं की तुलना में छोटा दिखाई दे, लेकिन शेखावाटी के लिए इसका महत्व बहुत बड़ा है। चूरू, झुंझुनूं और सीकर जैसे जिलों में पेयजल की उपलब्धता को लेकर वर्षों से चिंता रही है। यदि निर्धारित पाइपलाइन परियोजना समयबद्ध ढंग से पूरी होती है, तो यह क्षेत्र भूजल पर निर्भरता कम करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि 1994 के यमुना जल समझौते में राजस्थान के हिस्से का पानी निर्धारित किया गया था, लेकिन आवश्यक जल-परिवहन ढांचे के अभाव में उसका पूरा उपयोग लंबे समय तक नहीं हो पाया। अब यमुना जल परियोजना और किशाऊ परियोजना को जोड़कर राजस्थान अपने हिस्से के पानी को शेखावाटी तक पहुंचाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राजस्थान के लिए यह केवल नई परियोजना नहीं, बल्कि पुराने जल-अधिकार को व्यवहारिक रूप से उपयोग में लाने की प्रक्रिया भी है।

भजन लाल सरकार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि - राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किशाऊ समझौते पर स्वयं हस्ताक्षर किए। इससे पहले जून 2026 में राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना के निर्माण एवं क्रियान्वयन को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौता हुआ था।

इस क्रम को देखा जाए तो राजस्थान में जल उपलब्धता के मोर्चे पर यमुना जल परियोजना और किशाऊ समझौते का विशेष महत्व है। राज्य के लिए रामजल सेतु लिंक तथा नर्मदा से संबंधित जल उपलब्धता के प्रयासों के साथ इन्हें जोड़कर देखा जा सकता है। हालांकि प्रत्येक परियोजना की प्रकृति, जल स्त्रोत, लाभार्थी क्षेत्र और कार्यान्वयन व्यवस्था अलग-अलग है, इसलिए इन्हें एक ही परियोजना का हिस्सा समझना उचित नहीं होगा। किशाऊ समझौते की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि राजस्थान ने शेखावाटी के लिए एक अतिरिक्त और अपेक्षाकृत स्थायी जल स्त्रोत की दिशा में ठोस कदम बढ़ाया है। लेकिन उपलब्धि का वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा जब पानी धरातल पर पहुंचेगा।

समझौते के बाद असली चुनौती -समझौते पर हस्ताक्षर होना महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन यह परियोजना का अंतिम चरण नहीं है। अब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, पर्यावरणीय एवं वन संबंधी स्वीकृतियां, पुनर्वास, भूमि संबंधी प्रक्रियाएं, वित्तीय व्यवस्था और अंततः निर्माण जैसे अनेक चरण पूरे करने होंगे। जून में केंद्र ने स्पष्ट किया था कि राज्यों की सहमति के बाद परियोजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल के अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

इसलिए सरकार को अब केवल समझौते का श्रेय लेने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। राजस्थान की जनता को यह जानने का अधिकार है कि 124 एमसीएम पानी वास्तव में कब तक शेखावाटी पहुंचेगा, तीन भूमिगत पाइपलाइनों का निर्माण कब शुरू होगा, उसकी लागत कितनी होगी और परियोजना की समयसीमा क्या होगी।

साथ ही, हिमालयी क्षेत्र में इतनी बड़ी परियोजना के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को भी गंभीरता से लेना होगा। जिन परिवारों की भूमि और गांव जलाशय क्षेत्र में आएंगे, उनका पुनर्वास सम्मानजनक और पारदर्शी तरीके से होना चाहिए। विकास का लाभ तभी टिकाऊ माना जाएगा जब उससे प्रभावित लोगों के हितों की भी पर्याप्त रक्षा हो।

किशाऊ परियोजना केवल एक बांध नहीं है। यह छह राज्यों के बीच सहयोग, जल-साझेदारी और लंबे समय से चले आ रहे विवादों को संवाद से सुलझाने का उदाहरण है। परियोजना पूरी होने पर इससे पेयजल, सिंचाई, जलविद्युत और यमुना के प्रवाह-चारों क्षेत्रों में लाभ मिलने की संभावना है। केंद्र सरकार के अनुसार इससे यमुना में अधिक नियंत्रित जल प्रवाह और नदी के पुनर्जीवन के प्रयासों को भी बल मिलेगा।

राजस्थान के लिए इसका सबसे महत्वपूर्ण संदेश स्पष्ट है-पानी के बिना विकास की कल्पना अधूरी है और शेखावाटी के लिए किशाऊ का 124 एमसीएम पानी भविष्य की जल सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की सरकार के लिए यह निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण जल उपलब्धि है, लेकिन इस उपलब्धि की अंतिम कसौटी समझौते पर हस्ताक्षर नहीं, बल्कि शेखावाटी के घरों तक समय पर पानी पहुंचना होगी।

–प्रो. (डॉ.) पी. सी. कंठालिया, मुख्य वैज्ञानिक, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर

पेड़ों की रक्षार्थ प्राणों की आहुति देने वाले 363 शहीदों की याद में खेजड़ली में मेला भरा

विश्नोई समाज के लोगों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने खेजड़ली के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

■ **शहीदों की याद में पर्यावरण प्रेमियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और हरियालो राजस्थान के तहत पौधारोपण गया गया**

जोधपुर, (कासं)। पेड़ों की रक्षार्थ 296 साल पहले जोधपुर से 28 किमी दूर खेजड़ली में प्राणोत्सर्ग करने वाले 363 शहीदों की स्मृति में सोमवार को मेले का आयोजन किया गया। मेले में देशभर से आए विश्नोई समाज के लोगों एवं पर्यावरण प्रेमियों ने 363 लोगों की याद में बने शहीदी स्मारक पर शीश नवाया व पर्यावरण संरक्षण के लिए हवन में आहुतियां प्रदान की।

खेजड़ली राष्ट्रीय पर्यावरण संस्थान के अध्यक्ष मलखान सिंह बिश्नोई ने बताया कि सुबह रुड़कली महंत शिवदास, खेजड़ली महंत एवं लालासर साथरी महंत कथावाचक स्वामी सच्चिदानन्द आचार्य सहित अन्य संतों के सानिध्य में गुरु जम्भेश्वर शब्दवाणी व वैदिक मंत्रोच्चार से हवन किया गया। घी, खोपरा व हवन सामग्री से मेले में पूरे दिन हजारों लोगों ने आहुतियां देकर अपने प्रकृति रक्षार्थ 363 अमर बलिदानियों को याद किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। यहां विश्नोई धर्मगुरुओं के सानिध्य में गुरु जम्भेश्वर की 120 शब्द की वाणी व वैदिक मंत्रोच्चार से हवन के बाद शहीदी स्थल पर ध्वजारोहण कर मेले की शुरुआत की गई। यहां पर्यावरण रक्षार्थ विष्णु हवन कुंड में आहुतियां व परिक्रमा कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। साथ ही खेजड़ली परिसर में नवनिर्मित जम्भेश्वर मंदिर में पर्यावरण प्रेमियों ने परिक्रमा देकर गुरु जंभेश्वर के बताए मार्ग व 29 नियमों की आचार संहिता पर चलने का संकल्प लिया। इसके साथ ही यहां पर्यावरण सभा का आयोजन किया गया जहां पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के साथ सामाजिक व शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय लोगों को सम्मानित भी किया गया।

बिश्नोई टाईगर्स वन्य एवं पर्यावरण संस्थान बिश्नोई टाईगर फोर्स के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल भवाद ने बताया कि हरे वृक्ष रक्षार्थ 363 अमर शहीदों की याद में पर्यावरण प्रेमियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें रक्तदान करके हरियालोराजस्थान के तहत पौधारोपण गया। शिविर के मंच पर सभी रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। मेले में दूर-दूर से पर्यावरणविद् सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और शहीदों के स्मारक पर सामूहिक पर्यावरण यज्ञ में आहुति देकर श्रद्धांजलि दी।

डॉ. सूरजसिंह नेगी और निहाल सिंह लांबा सम्मानित

जयपुर/चूरू। डॉ.ओ.पी. शर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट, चूरू की ओर से रविवार को दादू भवन चूरू में आयोजित सम्मान समारोह में जयपुर के साहित्यकार डॉ. सूरज सिंह नेगी को मनुज साहित्य-सम्मान और चूरू के पर्यावरणविद् निहाल सिंह लांबा को सावित्री देवी सेवा सम्मान अर्पित किया गया। सम्मान स्वरूप दोनों को माला, शाल, श्रीफल, सम्मान पत्र, स्मृति चिह्न एवं ग्यारह हजार रुपये भेंट किये गये।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए लोहिया महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मंजु शर्मा ने सदन का आव्हान किया कि हमें अपने स्वर्गीय अभिभावकों की स्मृति को सुरक्षित रखते हुए भारत के सांस्कृतिक मूल्यों का आदर करना चाहिए। उनका कहना था कि साहित्य और पर्यावरण में गहरा अन्तर्सम्बन्ध है। जिस व्यक्ति ने इस अन्तर्सम्बन्ध को समझ लिया, वह व्यक्ति निश्चित रूप से सामाजिक कल्याण के पथ पर ही आगे बढ़ेगा। सम्मानित साहित्यकार डॉ. सूरजसिंह नेगी ने अपने सम्मान के प्रत्युत्तर में कहा कि स्वार्थ की प्रवृत्ति के चलते आधुनिक भारतीय समाज में व्यक्ति केवल अपने तक सिमटता जा रहा है और इससे हमारे सनातन परिवार-तन्त्र को गहरी क्षति हुई है। यदि लेखक सावचेत होकर लिखे, तो समाज का परिदृश्य बदल भी सकता है। उन्होंने कहा कि चिट्ठी-पत्री का युग फिर लौटना चाहिए, ताकि संवादहीनता टूटे और लोगों में आपसी विश्वास कायम हो।

सम्मान समारोह में जयपुर के साहित्यकार डॉ. सूरज सिंह नेगी को मनुज साहित्य-सम्मान और चूरू के पर्यावरणविद् निहाल सिंह लांबा को सावित्री देवी सेवा सम्मान मिला।

सम्मानित पर्यावरण सेवक निहालसिंह लांबा का कहना था कि यदि इरादा पक्का हो, तो चूरू जैसे विपरीत जलवायु के क्षेत्र में भी हम न केवल लाखों पेड़ लगा सकते हैं, बल्कि उन्हें जिंदा भी रख सकते हैं।

उनका कहना था कि प्रकृति की सेवा करने के लिए धन की अधिक जरूरत नहीं होती, बल्कि इसके लिए मनुष्य को अपने मन में जिममेदारी का बोध जाग्रत करना पड़ता है। सम्मान्य द्वय के जीवन साथियों डॉ. मीना सिरोला और कुलदीप लांबा का भी अभिनंदन किया गया। साहित्यकार स्नेहलता शर्मा ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रबन्धन ट्रस्टी डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, कृष्ण कुमार ग्रोवर, एडवोकेट सुरेश शर्मा, प्रोफेसर सुरेन्द्र सोनी, मोहनलाल त्रिवेदी, सुधाकर सहल, श्यामसुंदर शर्मा, विनोद मेहता, जितेन्द्र मेहता, रवीन्द्र शर्मा, राजेन्द्र मुसाफ़िर, ओमप्रकाश तंवर, अजय शर्मा, जगदीश शर्मा, सज्जन कुमार लाटा आदि ने अतिथियों का स्वागत-अभिनन्दन किया। डॉ. प्रमोद बाजोरिया ने काव्य के माध्यम से विचार व्यक्त किये। उपस्थित समस्त का आभार ज्ञापित करते हुए डॉ. सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि समाज के रुचिशील व्यक्तियों के सहयोग से उत्साहवर्धन के साथ सफलता सुनिश्चित होती है।

मंच संचालन साहित्यकार और विचारक प्रोफेसर कमलसिंह कोठारी ने किया। संस्था के सचिव राजेन्द्र शर्मा मुसाफ़िर ने बताया कि इस अवसर पर ऊषा शर्मा, अनसुईया शर्मा, पुष्पा शर्मा, आनंदबाला, लाजवंती मुद्गल, बनवारीलाल खामोश, अनन्तराम सोनी, बाबूलाल शर्मा, गुरुदास भारती, हरिसिंह, बाबूलाल शर्मा, विजयकान्त, मेघराज ढाका, सोमेश शर्मा, सज्जन लाटा, इदरीस 'राज', प्रो. के.सी.सोनी, मोहनलाल अर्जुन, दीपक कामिल सहित अनेक लेखक, पत्रकार, कवि और प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 22 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत-2083, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र प्रातः 7:07 तक, अतिगंड योग सायं 4:29 तक, वणिज करण प्रातः 8:52 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग प्रातः 7:07 तक है। कुमार योग प्रातः 7:07 से रात्रि 9:44 तक है। भद्रा प्रातः 8:52 से रात्रि 9:44 तक है। आज सायन तुला में सूर्य प्रवेश बुधवार प्रातः 5:36 पर करेगा। आज पदमा एकादशी व्रत, जल झूलनी एकादशी व्रत, परिवर्तिनी एकादशी डोल ग्यारस पर्व है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 9:20 से 10:48 तक, लाभ अमृत 10:49 से 1:50 तक, शुभ 3:20 से 4:50 तक।

राहुकाल– 3:00 से 4:30 तक, सूर्योदय 6:19, सूर्यास्त 6:20

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा।

कर्क
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
मानसिक तनाव मनः स्थिति में सुधार होगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

निकाय चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत जनता के विश्वास की जीत : भजनलाल शर्मा

भाजपा की प्रचंड जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों को : मदन राठौड़

भारतीय जनता पार्टी ने निकाय में जीत का जश्न मनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, महामंत्री अजय कुमार एवं अनेक भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने नगर निकाय चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत पर का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों को दिया। राठौड़ ने कहा कि संगठन और सत्ता के बीच बेहतर तालमेल, समन्वय बनाने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय जाता है। अभी एक युद्ध हमने जीत लिया, अब

> ■ **शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर प्रदेश सरकार की योजनाओं और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है**

दूसरा युद्ध भी हमारे कार्यकर्ताओं की बदौलत जीतेंगे। कांग्रेसी गलत तरीके अपनाते थे, सदैव अफवाहें फैलाते थे जबकि भाजपा संगठन के बल पर जीत दर्ज करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा को नगर निगमों के साथ-साथ नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में भी जनता का व्यापक समर्थन मिला है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर राजस्थान की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत प्रदेश की आठ करोड़ जनता के आशीर्वाद, भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे विकास कार्यों पर जनता के विश्वास की जीत है। शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत कर प्रदेश सरकार की योजनाओं और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता विकास और जनता के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय जातिवाद और धर्म के आधार पर राजनीतिक समीकरण बैठाने का काम करते हैं। भाजपा जनता के सुख-दुख में भागीदारी निभाती है, जबकि कांग्रेस चुनाव के समय जनता को भ्रमित और बरगलाने का काम करती है। उन्होंने कांग्रेस के सरकार के दुरुपयोग के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि चुनाव शुरू होने से पहले ही कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाना शुरू कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को अपनी जमीन खिसकने का अहसास हो गया था, इसलिए वह पहले दिन से ही आरोप-प्रत्यारोप में जुट गई। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को आरोप लगाने के बजाय अपने शासनकाल और वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यों का हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लगातार झूठ, भ्रम और तुष्टिकरण की राजनीति के माध्यम से जनता को गुमराह करने का प्रयास करती रही है। उन्होंने राजस्थान की जनता से कांग्रेस के बहकावे में नहीं आने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों का आव्हान करते हुए कहा कि वे जनता की संवेदनाओं से जुड़ें और उनके सुख-दुख में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

नगरीय निकाय प्रमुखों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस का 9 जिलों में एक भी बोर्ड नहीं बन सका। बालोतरा, बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, डीग, डूंगरपुर, कोटा, फलोदी, पाली जिले कांग्रेस विहीन हो गए है। वहीं कांग्रेस अजमेर, बांसवाड़ा, जैसलमेर, जालोर, प्रतापगढ़ और सिरोही जिलों में केवल एक-एक बोर्ड ही बना सकी है। यह परिणाम सरकार के ढाई साल के काम पर जनता की मुहर है। इससे पहले मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हुए 7 उपचुनाव में से भाजपा ने 5 उपचुनाव में जीत दर्ज की। उल्लेखनीय है कि राजस्थान में इस बार सभी 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद सहित 252 नगर पालिकाओं सहित 309 नगरीय निकायों में चुनाव एक साथ हुए हैं।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, विधायक बाल मुकुंदाचार्य, महेंद्र पाल मीणा, प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह, पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष सुमन शर्मा, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, आईटी प्रभारी अविनाश जोशी सहित पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया और मुंह मिठा करवाया।

तिजारा नगर परिषद चेयरमैन के चुनाव में हाईकोर्ट का दखल से इनकार

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने तिजारा नगर परिषद के चेयरमैन पद के चुनाव में दखल से इनकार कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश राम अवतार सैनी की ओर से दायर याचिका का निस्तारण करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों से मुख्य निर्वाचन आयोग पहले ही अवगत है और उन्होंने एसडीएम, भिवाड़ी से जांच रिपोर्ट तलब की है। ऐसे में अदालत निर्वाचन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है।

> ■ **अदालत ने कहा कि लगाए गए आरोपों से मुख्य निर्वाचन आयोग पहले ही अवगत है और उन्होंने एसडीएम, भिवाड़ी से जांच रिपोर्ट तलब की है**

अधिवक्ता पुनीत सिंघवी की ओर से कहा गया कि तिजारा नगर परिषद के चेयरमैन पद के लिए निर्वाचन होना है। जिसमें वार्ड संख्या 33 से निर्वाचित याचिकाकर्ता भी उम्मीदवार है। तिजारा विधायक बाबा बालक नाथ और नगर परिषद के चेयरमैन पद के उम्मीदवार सुभाष सैनी के निर्देश पर पुलिस ने याचिकाकर्ता का समर्थन करने वाले कुछ पार्षदों को अवैध रूप से निरुद्ध कर लिया है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में तिजारा उपखंड अधिकारी को शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में याचिकाकर्ता सहित अन्य पार्षदों को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराई जाए और याचिकाकर्ता के समर्थक पार्षदों को मुक्त किए जाने तक चेयरमैन का चुनाव स्थगित किया जाए। जिसका विरोध करते हुए महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप में राज्य पुलिस शामिल नहीं है। याचिकाकर्ता ने समान शिकायत रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष दायर की थी। और उन्होंने इसकी जांच एसडीएम, भिवाड़ी के जरिए कराने का आदेश दिया है। एजी ने कहा कि परिषद के एक पार्षद के तथाकथित वीडियो में निर्वाचित पार्षदों को पंचकूला में प्रतिबंधित बताया गया है, ऐसे में यदि यह अवैध हिरासत का मामला भी है तो याचिकाकर्ता के पास पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करने का विकल्प मौजूद है।

'आपराधिक केस के तथ्य छिपाकर विवाह करना मानसिक क्रूरता'

जयपुर । जयपुर मेट्रो-प्रथम की पारिवारिक न्यायालय मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 ने एक फैसले में कहा कि क्रिमिनल केस की तथ्यों की जानकारी छिपाकर विवाह करना मानसिक क्रूरता है। ऐसा करना भरोसे की नींव को नष्ट करने वाला है और मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। शादी के एक-दो दिन बाद ही पुलिस अप्रार्थी पति को गिरफ्तार कर ले गई, ऐसे में शादी के समय पत्नी को भ्रमित किया गया।

> ■ **प्रार्थिया ने पति के खिलाफ तलाक की अर्जी दायर कर कहा कि शादी से पहले ससुराल पक्ष ने अप्रार्थी के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस दर्ज होने व उसके चरित्र की जानकारी नहीं दी**

पीठासीन अधिकारी आरती भारद्वाज ने यह आदेश पत्नी की ओर से दायर तलाक याचिका को मंजूर करते हुए दिए। प्रार्थिया की शादी 30 अप्रैल, 2021 को जयपुर में हिन्दू रीति-रिवाज से अप्रार्थी के साथ हुई थी। विवाह के दो दिन बाद ही 2 मई को पुलिस उसके पति को किसी मामले में गिरफ्तार कर ले गई। जिस पर प्रार्थिया ने पति के खिलाफ तलाक की अर्जी दायर कर कहा कि शादी से पहले ससुराल पक्ष ने अप्रार्थी के खिलाफ दर्ज क्रिमिनल केस दर्ज होने व उसके चरित्र की जानकारी नहीं दी। शादी के बाद उसे पता चला कि अप्रार्थी पति के खिलाफ ठगी व धोखाधड़ी के क्रिमिनल केस दर्ज हैं। कई केसों में चालान पेश हो चुका है और शादी से पहले व बाद में गिरफ्तार हुआ है। इस शादी से वह खुद ठगा महसूस करती है। प्रार्थिया ससुराल में केवल एक ही दिन रही और इसके बाद पक्षकारों के बीच कोई वैवाहिक संबंध स्थापित नहीं हुए हैं।

शिव एन्क्लेव के क्षेत्र में सब-स्टेशन बनाने को लेकर यथास्थिति के आदेश

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने वंदे मातरम रोड स्थित शिव एन्क्लेव स्कीम के सुविधा क्षेत्र में विद्युत सब-स्टेशन के लिए भूमि देने पर यथास्थिति के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव, जेडीए, जेवीवीएनएल और जेडीए के स्थानीय जोन उपायुक्त से जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह आदेश शिव एन्क्लेव विकास समिति की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता गोविंद उपाध्याय ने अदालत को बताया कि कॉलोनी में 2436 वर्गमीटर भूमि सुविधा क्षेत्र के लिए आरक्षित रखी गई थी। इसमें से अब करीब 1892 वर्गमीटर जमीन को 132 केवी विद्युत सब-स्टेशन बनाने के लिए दिया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि यहां विद्युत सब-स्टेशन बनने से स्थानीय निवासियों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। ऐसे में इस कार्रवाई को रद्द किया जाए।

6.80 करोड़ के बॉस स्कैम में 11वां आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। प्रदेश में 6.80 करोड़ रुपए के बॉस स्कैम साइबर ठगी मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने 11वें आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित खारवेल नगर से एसएसजीसी इंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विवजीत टी को पकड़ा। जांच में सामने आया कि आरोपी के नियंत्रण वाले आईसीआईसीआई बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे। खाते में रकम आने के बाद उसे दूसरे बैंक खातों में आगे भेजा गया।

> ■ **पुलिस ने ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित खारवेल नगर से एसएसजीसी इंजिनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विवजीत टी को पकड़ा। जांच में सामने आया कि आरोपी के नियंत्रण वाले आईसीआईसीआई बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम में से करीब 2 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे**

एडीजी साइबर क्राइम वीके सिंह ने बताया कि बैंकिंग ट्रेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की साइबर ठगी नेटवर्क में भूमिका संदिग्ध मिली। उसे भुवनेश्वर से डिटेन कर ट्रांजिट रिमांड पर जयपुर लाया गया है।

जांच और आरोपियों से पूछताछ में ठगी की रकम को एक खाते से दूसरे खाते में पहुंचाने और छिपाने का नेटवर्क सामने आया है। गिरोह म्यूल बैंक खातों के साथ एटीएम, चेक, यूपीआई, क्यूआर कोड, डिजिटल वॉलेट और क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करता था। फर्जी और म्यूल बैंक खाते, एटीएम, सिम और पासबुक उपलब्ध कराने के लिए टेलीग्राम ग्रुप का इस्तेमाल किया जाता था।

ठगी की रकम खाते में आते ही एटीएम या चेक से नकद निकाली जाती अथवा यूपीआई, क्यूआर कोड, सीडीएम और दूसरे खातों में ट्रांसफर की जाती। इसके बाद कई खातों में रकम घुमाकर लेयरिंग की जाती और क्रिप्टोकरेंसी में बदल दी जाती थी। पुलिस के अनुसार टेलीग्राम पर उपलब्ध क्यूआर कोड क्रिप्टो प्लेटफॉर्म के जरिए रकम नेटवर्क के आगे के सदस्यों तक पहुंचाई जाती थी। पुलिस के अनुसार साइबर ठगी से जुड़े लोगों ने सब्सिडी, टैक्स छूट और एमएसएमई लोन दिलाने के बहाने आरोपी की कंपनी से संबंधित दस्तावेज हासिल किए थे। इसके बाद आरोपी ने संबंधित लोगों के कहने पर भुवनेश्वर के चंद्रशेखरपुर स्थित बैंक में खाता खुलवाया।

पुलिस के मुताबिक 21 अगस्त को आरोपी दीघा, पश्चिम बंगाल गया था। वहां उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई। आरोपी ने बैंक खाते से लिंक मोबाइल सिम और इंटरनेट बैंकिंग की आईडी-पासवर्ड उसे उपलब्ध कराए थे। आरोपी को बताया गया था कि उसके कंपनी खाते में रकम आएगी और उसे दूसरे खातों में ट्रांसफर करने के बदले कमीशन मिलेगा।

पुलिस के अनुसार कंपनी खाते में साइबर ठगी की रकम आने के बाद उसे अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। अब आरोपी के मोबाइल फोन, सीडीआर, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल संपर्कों के साथ बैंकिंग लेन-देन का विश्लेषण किया जा रहा है।

पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने बैंक खाता, सिम और इंटरनेट बैंकिंग का एक्सेस किस स्तर की जानकारी और सहमति से उपलब्ध कराया। संभावित कमीशन या आर्थिक लाभ की भूमिका की भी जांच की जा रही है। रकम किन-किन खातों में पहुंची और नेटवर्क में और कौन लोग जुड़े हैं, इसका पता लगाया जा रहा है।

साइबर पुलिस ने लोगों से अपना बैंक खाता, एटीएम, सिम या डिजिटल वॉलेट किसी अन्य व्यक्ति को इस्तेमाल के लिए नहीं देने की अपील की है। खाते में आई किसी संदिग्ध रकम को बिना सत्यापन के दूसरे खाते में ट्रांसफर करने या नकद निकालकर किसी को देने से भी बचने को कहा है।

टेलीग्राम पर गेम में मुनाफे का झांसा देकर युवक से 1.75 लाख ठगे

जयपुर। राजधानी के भट्टाबस्ती थाना इलाके में टेलीग्राम पर पार्ट टाइम काम और गेम में मुनाफे का झांसा देकर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने पहले प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ रुपए कमाने का लालच दिया। इसके बाद गेम में रुपए जमा कराने पर मुनाफा देने की बात कहकर टास्क पर टास्क दिए और रकम जमा कराते रहे। फंसी रकम वापस निकालने के लालच में पीड़ित करीब 1.75 लाख रुपए गंवा बैठा। पुलिस शिकायत करने की बात कहने पर ठगों ने उसे ब्लॉक कर दिया। मामले में भट्टाबस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है। एसएचओ भट्टाबस्ती सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि शास्त्री नगर के विजय नगर निवासी इमरान खान (36) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के अनुसार 29 अगस्त को टेलीग्राम पर पार्ट टाइम काम का मैसेज आया। इसमें प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ कमाने की बात कही गई थी। मैसेज में दिए लिंक पर क्लिक करने पर उसे एक ग्रुप से जोड़ दिया गया। ग्रुप में बताए गेम में कहा गया कि 2 हजार रुपए जमा करने पर 2500 रुपए मिलेंगे। पीड़ित ने रकम जमा कर दी, लेकिन टास्क पूरा नहीं हुआ। इसके बाद उसे मैसेज भेजकर टास्क पूरा करने के लिए 26,995 रुपए जमा कराने को कहा गया।

> ■ **ठगों ने पहले प्रतिदिन दो सौ से पांच सौ रुपए कमाने का लालच दिया। इसके बाद गेम में रुपए जमा कराने पर मुनाफा देने की बात कहकर टास्क पर टास्क दिए और रकम जमा कराते रहे**

इसके बाद ठगों ने अलग-अलग टास्क के नाम पर रकम जमा कराने का सिलसिला शुरू कर दिया। पीड़ित से 58,600 रुपए और जमा कराने को कहा गया। रुपए नहीं होने पर ठगों ने किसी से व्यवस्था करने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि 10 मिनट में टास्क पूरा होते ही 1,06,550 रुपए मिल जाएंगे।

पीड़ित ने झांसे में आकर रकम जमा करा दी। इसके बाद उसे एक और टास्क देकर 85,600 रुपए जमा कराने को कहा गया। मना करने पर ठगों ने बताया कि टास्क पूरा होते ही उसके खाते में 2.06 लाख रुपए आएंगे। फंसी रकम वापस पाने के लालच में पीड़ित ने यह रकम भी जमा करा दी।

लगातार रकम जमा कराने के बाद भी पैसे वापस नहीं मिले। ठग नए टास्क देकर भुगतान करने का दबाव बनाते रहे। परेशान होकर पीड़ित ने गेम खेलना बंद कर दिया। 15 सितंबर को सुबह उसे टास्क पूरा करने के लिए कॉल आया। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत करने की बात कही तो आरोपियों ने उसे ब्लॉक कर दिया। इसके बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने भट्टाबस्ती थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर टेलीग्राम ग्रुप, मोबाइल नंबर और लेन-देन से जुड़े विवरण के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के लिए 4 अभ्यर्थी वैध रूप से नामांकित

जयपुर । नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए नामांकन-पत्रों की संवीक्षा के बाद चार अभ्यर्थी विधिमान्य रूप से नामांकित पाए गए हैं।

> ■ **नामांकन-पत्रों की संवीक्षा के बाद चार अभ्यर्थी विधिमान्य रूप से नामांकित**

लोक सूचना में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जारी विधिमान्य नामनिर्देशित अभ्यर्थियों की सूची के अनुसार चारों अभ्यर्थियों का विवरण इस प्रकार है।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी आशीष कुमार ने बताया कि विधिमान्य रूप से नामांकित अभ्यर्थियों में सुनीता गुप्ता मावर (इंडियन नेशनल कांग्रेस), सुनील (भारतीय जनता पार्टी), दशरथ अटल (निर्दलीय) तथा सुनीता (निर्दलीय) शामिल हैं। इनमें सुनीता गुप्ता मावर अन्य पिछड़ा वर्ग, सुनील सामान्य, दशरथ अटल अनुसूचित जाति तथा सुनीता सामान्य वर्ग से हैं।

थार ने स्कूटी को मारी टक्कर, डेयरी संचालक की मौत

जयपुर। सांगानेर थाना इलाके में शनिवार सुबह तेज रफ्तार थार की टक्कर से स्कूटी सवार डेयरी संचालक की मौत हो गई। हादसे के बाद थार चालक मौके से फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोमवार को सामने आया है, जिसमें ब्लैक कलर की थार पीछे से स्कूटी को टक्कर मारती नजर आ रही है। पुलिस ने हिट एंड रन मामले में फरार आरोपी की तलाश के लिए दो टीमें गठित की हैं।

> ■ **हादसे के बाद थार चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया**

सांगानेर हरवेन्द्र सिंह ने बताया कि हादसे में सांगानेर के बुद्धिसंहपुरा निवासी नवल शर्मा (57) की मौत हो गई। नवल शर्मा शनिवार सुबह करीब 6 बजे स्कूटी से अपनी दूध डेयरी पर काम के लिए घर से निकले थे। वे चीलगाड़ी रेस्टोरेंट से कुछ दूरी पर स्थित हनुमान मंदिर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई थार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नवल शर्मा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद थार चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल नवल शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें एसएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में ब्लैक कलर की थार पीछे से स्कूटी को टक्कर मारती दिखाई दे रही है। पुलिस के अनुसार थार बिना नंबर की बताई जा रही है। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में रविवार दोपहर पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। हिट एंड रन मामले में फरार आरोपी चालक की तलाश के लिए पुलिस की दो टीमें लगाई गई हैं। बिना नंबर की थार की तलाश में पुलिस रूट चार्ट तैयार कर रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे कैमरों से थार के आने-जाने का रूट पता लगाने के साथ आरोपी चालक की पहचान के प्रयास कर रही है।

पंडित दीनदयाल की जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक शोध संगोष्ठी का शुभारंभ

संगोष्ठी में "दीनदयाल उपाध्याय विचारितम् एकात्म मानवदर्शनम्" पुस्तक का विमोचन किया।

जयपुर । पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक शोध संगोष्ठी 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवदर्शन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' का सोमवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नूतन सभागार में शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी का आयोजन ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विद्वान, शिक्षक, शोधार्थी एवं शिक्षाविद् सहभागिता कर रहे हैं।

उद्घाटन सत्र में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी मुख्य अतिथि तथा प्रज्ञा प्रवाह के राष्ट्रीय संगठन मंत्री जे. नंदकुमार मुख्य वक्ता रहे। सिडनी संस्कृत स्कूल, ऑस्ट्रेलिया की संस्थापक प्राचार्य एवं पीआरओ डॉ. मीनाक्षी श्रीनिवासन ऑनलाइन माध्यम से विशिष्ट अतिथि के रूप में जुड़ीं। इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति, जयपुर के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र भी मंचासीन रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान अर्जित करने की परंपरा नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, समाज, प्रकृति और समस्त सृष्टि के बीच संतुलित एवं समन्वित संबंध स्थापित करने की दृष्टि प्रदान करती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन इसी भारतीय चिंतन परंपरा को आधुनिक संदर्भों में समझने और समाज के समग्र विकास की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और शोध के माध्यम से भारतीय चिंतन की प्रासंगिकता को वैश्विक स्तर पर सामने लाने की आवश्यकता है।

मुख्य वक्ता जे. नंदकुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन एवं एकात्म मानवदर्शन के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का चिंतन भारतीय जीवन-दृष्टि की गहरी समझ पर आधारित था।

> ■ **संगोष्ठी का आयोजन ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों से किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विद्वान, शिक्षक, शोधार्थी एवं शिक्षाविद् सहभागिता कर रहे हैं**

ऑस्ट्रेलिया से ऑनलाइन जुड़ीं डॉ. मीनाक्षी श्रीनिवासन ने भारतीय ज्ञान परंपरा के वैश्विक संदर्भ पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत एवं भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है।

इस अवसर पर जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्व विद्यालय के कुलगुरु प्रो. मदन मोहन झा, पूर्व निदेशक प्रो. वाई. एस. रमेश, सह निदेशक प्रो. विष्णुकांत पाण्डेय, प्रो. शीशराम, डॉ. रानी दाधीच, डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. सच्चिदानंद स्नेही सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्राच्यविद्या सम्मेलन की तैयारियों को लेकर बैठक

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय में आगामी 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। सम्मेलन का आयोजन 29 से 31 अक्टूबर 2026 तक पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार में किया जाएगा। सम्मेलन का प्रमुख विषय योग, आयुर्वेद एवं अन्य प्राचीन चिकित्सा पद्धितयां" है। सम्मेलन में योग, आयुर्वेद, भारतीय चिकित्सा पद्धित, आध्यात्मिक आयाम, वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था, योग मनोविज्ञान तथा समेकित चिकित्सा जैसे विषयों पर विद्वानों एवं शोधार्थियों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। विभिन्न समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का परीक्षण करते हुए नई समितियों का गठन, कार्यों का पुनर्वितरण तथा नई जिम्मेदारियों का निर्धारण किया। इस अवसर पर प्रति-कुलपति पूज्या साध्वी देवप्रिया, क्रय समिति अध्यक्षा बहन अंशुल, संप्रेषण विभाग प्रमुख बहन पारूल, वित्त अधिकारी सी.ए. ऋचा भगत, संकायाध्यक्ष प्रो. मयंक अग्रवाल, कुलसचिव, शिक्षकगण, विद्यार्थी समन्वयक एवं कक्षा प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निकायों की सत्ता में भाजपा का दबदबा, 301 में 197 अध्यक्ष पद पर कब्जा

कांग्रेस 94 निकायों तक सीमित; निर्दलीयों ने कई जगह बदले समीकरण

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में पार्षदों के नतीजों के बाद सोमवार को अध्यक्ष, सभापति और महापौर के चुनाव के साथ प्रदेश की शहरी राजनीति की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई। वार्ड चुनाव में जहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला कई शहरों में कांटे का रहा, वहीं अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने बड़ी संख्या में निकायों की कमान अपने हाथ में लेने में सफलता हासिल की। उपलब्ध परिणामों के अनुसार 301 घोषित निकायों में भाजपा के 197 अध्यक्ष चुने गए हैं, जबकि कांग्रेस 94 निकायों में अध्यक्ष पद हासिल कर सकी। निर्दलीय प्रत्याशी सात निकायों में अध्यक्ष बने हैं। आम आदमी पार्टी, माकपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को भी एक-एक निकाय में अध्यक्ष पद मिला है।

अध्यक्ष पद के ये आंकड़े इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वार्ड चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के बीच अंतर बहुत बड़ा नहीं था। भाजपा ने 4179 वार्ड जीते थे, जबकि कांग्रेस के खाते में 3613 वार्ड आए। निर्दलीयों ने भी 2273 वार्ड जीतकर दोनों प्रमुख दलों के बाद अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। ऐसे में अध्यक्ष और महापौर के चुनाव के लिए पार्षदों के बीच समर्थन जुटाना राजनीतिक दलों के लिए अगली बड़ी चुनौती बन गया था।

अजमेर में कांग्रेस नगर निगम में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आई, लेकिन महापौर के चुनाव में भाजपा की अनामिका शर्मा 43 वोट लेकर विजयी रहीं। भाजपा के पास 32 पार्षद थे, जबकि उसे 11 निर्दलीय पार्षदों का समर्थन मिला। कांग्रेस प्रत्याशी को 37 वोट मिले। यानी वार्डों का शुरुआती गणित महापौर के चुनाव में बदल गया।

पाली में भी महापौर चुनाव के दौरान अलग तस्वीर सामने आई। यहां कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी रही, लेकिन महापौर चुनाव में भाजपा की नमिता बुबकिया ने जीत दर्ज की।

वार्ड चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। अध्यक्ष पद के परिणामों ने इस बढ़त को और विस्तार दिया है। 301 घोषित अध्यक्ष पदों में भाजपा के 197 और कांग्रेस के 94 अध्यक्ष चुने गए हैं। यानी घोषित परिणामों में भाजपा के अध्यक्ष पदों की संख्या कांग्रेस की तुलना में दो गुने से भी अधिक है।

उदयपुर में भाजपा के पारस सिंघवी ने 55 वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी को 25 वोट मिले। बीकानेर में कांग्रेस ने महापौर पद हासिल किया।

अध्यक्ष पद के चुनाव में आम आदमी पार्टी, माकपा और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के खाते में एक-एक अध्यक्ष पद आया। बारां में आम आदमी पार्टी की शीतल राठौड़ अध्यक्ष चुनी गईं, जिससे राजस्थान के शहरी निकायों में पार्टी का पहला बोर्ड बनने की बात सामने आई।

अजमेर में भाजपा का 36 साल का रिकॉर्ड कायम, अनामिका शर्मा बनीं महापौर

भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गढ़वाल को हराया

अजमेर, (निसं)। अजमेर नगर निगम में पिछले 36 वर्षों से चले आ रहे भाजपा के दबदबे को बरकरार रखते हुए भाजपा ने एक बार फिर अपना बोर्ड बना लिया। सोमवार को नगर निगम महापौर पद के लिए हुए मतदान में भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गढ़वाल को हराकर महापौर पद हासिल किया। अनामिका शर्मा को 43 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी किरण गढ़वाल के पक्ष में 37 पार्षदों ने मतदान किया।

भाजपा की अनामिका शर्मा का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

- **निर्दलीयों के समर्थन से बहुमत का आंकड़ा पार, भाजपा को 43 और कांग्रेस को 37 वोट मिले**

नगर निगम चुनाव के परिणाम में कांग्रेस के 37, भाजपा के 32 और 11 निर्दलीय पार्षद निर्वाचित हुए थे। महापौर चुनाव में बहुमत के लिए 41 पार्षदों के समर्थन की जरूरत थी। ऐसे में चुनाव परिणाम के बाद से ही दोनों प्रमुख दल निर्दलीय पार्षदों और अपने-अपने खेमे के असंतुष्ट पार्षदों को साधने में जुटे हुए थे। मतदान के बाद भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर अपना बोर्ड बनाने में सफलता हासिल की।

नगर निगम में भाजपा के पास अपने 32 पार्षद थे, जबकि कांग्रेस के 37 पार्षद थे। 11 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महापौर चुनाव में निर्णायक मानी जा रही थी। भाजपा को महापौर चुनाव में 43 वोट मिले। परिणाम से स्पष्ट हुआ कि भाजपा ने बहुमत के लिए जरूरी 41 के आंकड़े से दो वोट अधिक हासिल किए। वहीं कांग्रेस अपने 37 पार्षदों के आंकड़े से आगे नहीं बढ़ सकी। कांग्रेस की ओर से किरण गढ़वाल को महापौर पद का उम्मीदवार बनाया गया था।

महापौर चुनाव को लेकर सोमवार सुबह से ही नगर निगम परिसर में राजनीतिक सरगर्मी तेज रही। मतदान से पहले कांग्रेस प्रत्याशी किरण गढ़वाल की कार को बैरिकेडिंग के अंदर प्रवेश देने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध जताया। इसे लेकर मौके पर काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। दूसरी ओर, कांग्रेस के पार्षद जब मतदान के लिए निगम पहुंचे तो पुलिस ने उनकी बस को रोक दिया। बैरिकेडिंग के अंदर प्रवेश नहीं दिए जाने को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जताते हुए हंगामा किया। पुलिस ने बस की तलाशी भी ली। इसके चलते कुछ समय के लिए निगम परिसर के बाहर माहौल तनावपूर्ण हो गया। महापौर चुनाव को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अजमेर नगर निगम के नए भवन में मतदान प्रक्रिया के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। मतदान और मतगणना के दौरान दोनों दलों के समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस पार्षदों के वोटिंग के बाद मतगणना के दौरान ही समर्थकों में जीत को लेकर उत्साह नजर आया और ढोल बजाकर खुशी मनाई जाने लगी। हालांकि, परिणाम घोषित होते ही तस्वीर बदल गई। भाजपा की अनामिका शर्मा के विजयी घोषित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जमकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने नाच कर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई।

अजमेर की निकाय राजनीति में भाजपा का दबदबा पिछले करीब साढ़े तीन दशक से बना हुआ है। वर्ष1990 में तत्कालीन नगर परिषद में भाजपा के रतनलाल यादव सभापति बने थे। इसके बाद वर्ष1995 में वीर कुमार, 2000 में अनिता भदेल और 2005 में धर्मेंद्र गहलोत सभापति बने।

वर्ष 2010 में कांग्रेस के कमल बाकोलिया सीधे निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मेयर बने थे। हालांकि उस समय भी नगर निगम बोर्ड में भाजपा का बहुमत था। इसके बाद वर्ष 2015 में धर्मेंद्र गहलोत मेयर बने, जबकि 2021 में भाजपा की ब्रजलता हाड़ा अजमेर नगर निगम की पहली महिला महापौर बनीं। अब वर्ष 2026 में भाजपा की अनामिका शर्मा के महापौर बनने के साथ ही अजमेर नगर निगम में भाजपा ने अपना बोर्ड बरकरार रखा है।

मूण्डवा में भाजपा प्रत्याशी गीता को एक वोट भी नहीं मिला

अध्यक्ष पद के चुनाव में आरएलपी की अलका कंदोई दूसरी बार पालिका अध्यक्ष बनीं

- **अलका कंदोई को 13 वोट मिले, जबकि भाजपा से बागी होकर निर्दलीय मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 मत प्राप्त हुए**
- **नागौर नगर परिषद के सभापति चुनाव में भाजपा की संतोष टाक की जीत, कांग्रेस उम्मीदवार दीपक सैनी को महज 5 मत मिले**

नागौर, (निसं)। मूण्डवा नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में आरएलपी ने बाजी मार ली। आरएलपी की अलका कंदोई लगातार दूसरी बार पालिकाध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। चुनाव में अलका कंदोई को 13 वोट मिले, जबकि भाजपा से बागी होकर निर्दलीय मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 मत प्राप्त हुए। इस चुनाव में सबसे चौंकाने वाली बात भाजपा प्रत्याशी गीता का खाता भी नहीं खुला। गीता को एक भी वोट नहीं मिला। यहां तक कि उन्हें खुद का वोट भी नहीं मिला।

मूण्डवा में पार्षदों के चुनाव में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरी थी। भाजपा के 10 पार्षद निर्वाचित हुए, जबकि उसके समर्थित चार निर्दलीय पार्षद भी जीतकर आए। इस लिहाज से भाजपा समर्थित खेमे के पास कुल 14 पार्षदों का समर्थन था, जो 20 सदस्यीय सदन में बहुमत के लिए जरूरी 11 के आंकड़े से अधिक था। इसके बावजूद अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी गीता को एक भी मत नहीं मिला। वहीं पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 वोट मिले

भाजपा ने गीता को बनाया प्रत्याशी :- अध्यक्ष पद के लिए टिकट वितरण के दौरान भाजपा ने घनश्याम सदावत और रमाकांत शर्मा को दरकिनार करते हुए पहली बार पार्षद चुनी गईं गीता को प्रत्याशी बनाया। टिकट नहीं मिलने के बाद घनश्याम सदावत ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का फैसला किया। वहीं दूसरी ओर रालोपा के सात और कांठोस के तीन पार्षद चुनाव जीतकर आए थे। भाजपा के एक बागी पार्षद का समर्थन भी रालोपा-कांठोस खेमे को मिला। इस तरह इस गठबंधन के पास 11 पार्षद हो गए थे, जबकि जीत के लिए 11 का आंकड़ा जरूरी था।

मूण्डवा नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में अलका कंदोई ने 13 वोट हासिल किए। वहीं भाजपा से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे घनश्याम सदावत को 12 वोट मिले। इस तरह अलका कंदोई ने महज एक वोट के अंतर से जीत दर्ज की। अलका कंदोई की यह लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भी वह मूण्डवा नगर पालिका की अध्यक्ष रह चुकी हैं। अब एक बार फिर आरएलपी के समर्थन से उन्होंने पालिकाध्यक्ष की कुर्सी हासिल की है। वहीं भाजपा प्रत्याशी गीता को एक भी वोट नहीं मिलने से पार्टी के लिए यह परिणाम चर्चा में है।

नागौर नगर परिषद के सभापति चुनाव में भाजपा की संतोष टाक ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 60 में से 55 मत हासिल किए। कांग्रेस के सभापति पद के उम्मीदवार दीपक सैनी को महज 5 मत मिले। चुनाव से पहले भाजपा की ओर से संतोष टाक के पक्ष में मजबूत रणनीति बनाई गई। निर्दलीय पार्षदों के साथ कांग्रेस के कई पार्षदों को भी अपने खेमे में शामिल करने में भाजपा सफल रही। इसका सीधा असर सभापति चुनाव के परिणाम में दिखाई दिया। दूसरी ओर कांग्रेस अपने पार्षदों को एकजुट रखने में सफल नहीं रही। कांग्रेस के कई पार्षद भाजपा खेमे में चले गए। ऐसे समय में युवा और दूसरी बार पार्षद चुने गए दीपक सैनी ने मैदान में उतरकर कांग्रेस की ओर से सभापति पद की चुनौती पेश की।

नागौर में भाजपा की 55 मतों की जीत ने स्थानीय राजनीति में बड़ा संदेश दिया है। वहीं कांग्रेस के लिए महज 5 मतों का आंकड़ा पार्टी के भीतर संगठन और पार्षदों की एकजुटता को लेकर सवाल खड़े करता है। मूंडवा में भाजपा का उलटा प्रदर्शन वहीं दूसरी ओर मूंडवा नगर पालिका के सभापति चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर बिल्कुल उलटी तस्वीर सामने आई। यहां भाजपा को शून्य मत मिलने की बात सामने आई है। यदि अंतिम आधिकारिक परिणाम भी यही है, तो नागौर में 55 मतों की ऐतिहासिक जीत और मूंडवा में शून्य मत-एक ही क्षेत्र में भाजपा के दो बिल्कुल अलग परिणाम राजनीतिक चर्चा का विषय बन गए हैं।

17 साल बाद भाजपा ने बाडमेर में बोर्ड बनाया, गौतम बॉबी सभापति बने

सभापति के लिए हुए मतदान में कांग्रेस का एक वोट क्रॉस हुआ है, जिसका सीधा फायदा भाजपा प्रत्याशी गौतम बॉबी को मिला

बाडमेर, (निसं)। नगर परिषद के सभापति पद के लिए सोमवार को हुए मतदान में भाजपा प्रत्याशी गौतम बॉबी ने कांग्रेस प्रत्याशी जयमल सिंह को शिकस्त देते हुए जीत हासिल की है। सभापति के लिए हुए मतदान में कांग्रेस का एक वोट क्रॉस हुआ है, जिसका सीधा फायदा भाजपा प्रत्याशी गौतम बॉबी को मिला। चुनाव परिणाम में गौतम बॉबी को 35 वोट और जयमल सिंह को केवल 20 वोट मिले। 17 साल बाद बाडमेर नगर परिषद में भाजपा बोर्ड बनाने में कामयाब हुई है। सभापति के लिए हुए चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और आतिशबाजी कर खुशी जाहिर की। सभापति पद के लिए चुनाव के दौरान राज्यमंत्री के. के. विश्नोई खुद नगर परिषद कार्यालय के आगे मौजूद रहे। इसके अलावा चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, बाडमेर विधायक डॉ, प्रियंका चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष अनंतराम विश्नोई, पूर्व जिलाध्यक्ष स्वरूप सिंह खारा, जिला उपाध्यक्ष रमेशसिंह इंदा समेत कई भाजपा के नेता मौजूद रहे। सभापति पद के चुनाव के बाद रिटर्निंग अधिकारी विरमाराम में भाजपा के गौतम बॉबी को सभापति निर्वाचन का प्रमाण पत्र सौपा। इसके बाद भाजपा के नेताओं ने गौतम बॉबी का फूल मलाई पहन कर स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। नव निर्वाचित सभापति गौतम बॉबी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बाडमेर शहर का विकास करवाना पहली प्राथमिकता रहेगी और जो काम अधूरे हैं उन्हें भी पूरा करवाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है ऐसे में ऐतिहासिक कामकाज कर बाडमेर शहर की कायाकल्प करेंगे।

सभापति पद के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी जयमल सिंह ने कहा कि पार्टी के साथ रहकर इस तरह से क्रॉस वोटिंग की है, इसको लेकर पार्टी को सोचना चाहिए। जयमल सिंह ने कहा कि कांग्रेस के 21 वोट में से 20 वोट मिले हैं। ऐसे में एक वोट क्रॉस हुआ है इसको लेकर पार्टी स्तर पर मंथन किया जाएगा। बाडमेर नगर परिषद की 55 सीटों में 29 पर भाजपा ओर 5 निर्दलीय ने जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस में 21 सीटे पर विजयी हुई। निकाय चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला और इसके साथ ही पांच निर्दलीयों का भी समर्थन मिला। ऐसे में भाजपा के पास 34 वोट और कांग्रेस के पास 21 वोट थे और इसमें भी कांग्रेस का एक वोट क्रॉस होकर भाजपा के खाते में गया, जिसके चलते 35 वोटों के साथ भाजपा ने नगर परिषद में बोर्ड बनाया।

नाले में मिले शव की पहचान हुई

जोधपुर, (कासं)। शहर के लूणी पंचायत समिति पाल रोड पर रविवार की सुबह नाले में मिले शव की पुलिस ने पहचान कर ली है। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द किया गया। मृतक के भतीजे ने पहचान की। आरंभिक जांच में बताया कि मृतक शराब के नशे में नाले में गिरा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजन को सुपुर्द किया।

देवनगर पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह लूणी पंचायत समिति के सामने नाले में एक व्यक्ति का दो-तीन दिन पुराना शव बरामद हुआ था। इसकी पहचान बाद में पाली जिले के रोहिट थानान्तर्गत कसाईयों का बास इंद्रों की ढाणी हाल भीलों की ढाणी पाल निवासी भूंडाराम उर्फ राजू पुत्र सोमाराम के रूप में की गई। उसके भतीजे तकेश ने पहचान की। पुलिस के अनुसार वह संभवत: शराब के नशे में नाले में गिरा था। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया।

भीलवाड़ा में आठ निकायों पर खिला कमल

कांग्रेस को 3 निकायों में ही संतोष करना पड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले में निकाय चुनाव के नतीजों की आधिकारिक घोषणा के साथ ही स्थिति पूरी तरह साफ हो गई है। जिला नियंत्रण कक्ष की ओर से जारी अंतिम सूची के अनुसार, जिले की 11 निकायों में से 8 पर भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की है, जबकि कांग्रेस को 3 निकायों में ही संतोष करना पड़ा है।

नगर निगम भीलवाड़ा में भाजपा की जसवन्त कंवर ने जीत दर्ज कर मेयर/अध्यक्ष पद पर अपना कब्ज़ा जमाया है। परिणाम घोषित होते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में भारी उत्साह देखा गया। भाजपा ने आसींद, गुलाबपुरा, बनेड़ा, जहाजपुर, बिगोद, मांडलगढ़ और बिजौलिया जैसी प्रमुख पालिकाओं में अपनी बढ़त बनाए रखी। वहीं कांग्रेस ने गंगापुर, हमीरगढ़ और शाहपुरा में जीत दर्ज कर अपना खाता खोला। जीत की घोषणा के बाद नव-निर्वाचित अध्यक्षों का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया।

मादक पदार्थ सहित महिला गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी भगतासनी पुलिस ने सेक्टर 8 में एक महिला को गिरफ्तार कर एमडी ड्रग बरामद की। महिला से दो ग्राम एमडी जब्त की गई है। यह एमडी ड्रग पॉलिथीन थैली में थी। महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई की गई। वहहीं पुलिस मामले को लेकर आगे की जांच कर रही है।

थानाधिकारी लेखराज सिहाग को मुखबिरी सूचना मिली कि सेक्टर 8 में रहने वाली गुड्डी देवी मादक पदार्थ का बेचती है। इस पर पुलिस ने वहां दबिश दी और गुड्डी देवी के पास से दो ग्राम एमडी ड्रग को जब्त किया। वह मूल रूप से रावर गांव की रहने वाली है। उससे एमडी ड्रग को लेकर जांच जारी है।

सीमावर्ती इलाकों से मानसून की विदाई शुरु

बीकानेर, (निसं)। यहां सीमावर्ती उपखंडों जैसे पूगल, खाजूवाला और कोलायत क्षेत्र से मानसून की विदाई की प्रक्रिया शुरू हो गई। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के सक्रिय होने से यह प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है और सोमवार शाम तक मानसून बीकानेर की सीमाओं को पूरी तरह छोड़ देगा। मानसून के पीछे हटने के बाद वायुमंडल के ऊपरी स्तर पर नमी में भारी कमी दर्ज की जाएगी। नमी के कम होने और बादलों के छटने से सीधी धूप जमीन पर पड़ेगी, जिसके परिणामस्वरूप आगामी दिनों में दिन के तापमान में दो से तीन डिग्री तक की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम की इस स्थिति को पोस्ट मानसून कहा जाता है।

यह पोस्ट मानसून काल आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों के लिए भी बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि पोस्ट मानसून का यह दौर लगभग एक महीने तक बना रह सकता है। अक्टूबर के मध्य से जिले में रबी की फसलों की बिजाई का मुख्य सीजन शुरू होता है। अचानक बढ़ने वाली इस गर्मी और धूप के कारण जमीन तेजी से तपेगी। कृषि जानकारों का कहना है कि यदि तापमान अधिक रहा तो खेतों में हाल ही में डाले गए बीज और उगने वाली नई कोपलें (सीडलिंग्स) झुलस सकती हैं। बीजों के अंकुरण पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे किसानों को फसलें खराब होंगी। क्षेत्र के किसानों को सलाह दी जा रही है कि वे बदलते मौसम और तापमान के इस मिजाज को ध्यान में रखते हुए ही रबी की बुजाई की योजना बनाएं।

अलवर नगर निगम की महापौर बनीं सुमनलता अग्रवाल

- **अलवर नगर निगम एवं नगर पालिका क्षेत्रों में भाजपा ने नगर निगम सहित दस सीटों पर कब्जा किया**

अलवर, (निसं)। अलवर नगर निगम एवं नगर पालिका क्षेत्रों में सोमवार को हुए मतदान में भाजपा ने नगर निगम सहित दस सीटों पर कब्जा किया। वहीं कांग्रेस को तीन सीटों पर सफलता हासिल हो सकी है।

अलवर नगर निगम से चौकाने वाले रिजल्ट सामने आये जनता की मांग पर सुमन लता अग्रवाल को 65 में से 42 मत मिले, जबकि कांग्रेस को अपने 23 प्रत्याशियों के ही वोट मिले हैं। यहां सुबह जब कांग्रेस के वार्ड पार्षद जब नगर निगम में वोटिंग करने पहुंचे तो उनकी संख्या 25 थी लेकिन मतदान होने के बाद कांग्रेस के 2 वोट घट गए, यानि की जो दो निर्दलीय कांग्रेस के साथ बाडेबंदी में थे उन्होंने भी कांग्रेस के विरूद्व वोट डाल कर भाजपा का दामन थाम लिया है। सुमनलता अग्रवाल पूर्व नगर परिषद चेयरमैन अजय अग्रवाल की पत्नी है।

मसूरिया स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं ने मन्नत मांगी

- **51 ज्योत से महाआरती की, दस दिवसीय बाबा रामदेवजी मेले का समापन हुआ**
- **देश के विभिन्न राज्यों से आए जातरूओं ने बाबा रामदेवजी के गुरु बालीनाथ की समाधि के दर्शन किए**

जोधपुर, (कासं)। लोक देवता बाबा रामदेवजी का पुण्य समाधि दिवस दशमी सोमवार को शहर के सभी रामदेव मंदिरों में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मसूरिया स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। सुबह 51 ज्योत से महाआरती की गई। पंचामृत से अभिषेक किया गया। साथ ही आज महाप्रसादी वितरण के साथ मसूरिया मेला भी सम्पन्न हो गया।

दशमी पर सुबह से ही मसूरिया स्थित बाबा रामदेव मंदिर में जातरूओं का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न भागों से आए जातरूओं ने बाबा रामदेवजी के गुरु बालीनाथ की समाधि के दर्शन किए। मसूरिया पहाड़ी स्थित बाबा रामदेव मंदिर में उनके गुरु बालीनाथ की समाधि पर सुबह 51 ज्योत से महाआरती की गई। समाधि स्थल पर सुबह पंचामृत से बाबा का अभिषेक किया गया। मसूरिया बाबा रामदेव के गुरु बालीनाथ के समाधि मंदिर का प्रबंधन करने वाले पीपा क्षित्रय समस्त न्याति सभा ट्रस्ट अध्यक्ष नरेंद्र चौहान ने बताया कि मन्दिर पर फूल मण्डली भी सजाई गई। बाबा रामदेव के पुण्य दिवस पर दशमी तिथि गुरु बालीनाथ के समाधि मंदिर सहित शहर के सभी प्रमुख रामदेव मंदिरों में सुबह अभिषेक, फूल मंडली, महाआरती की गई। भदवासिया क्षेत्र में 80 फीट रोड पर गांधीनगर स्थित बाबा रामदेव मंदिर में बाबा की दशमी पर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम रही। नागौरी गेट के अंदर जालोरिया का बास स्थित प्राचीन अधरशिला बाबा रामदेव मन्दिर में महाआरती और प्रसादी का आयोजन किया गया।

गाजे-बाजे के साथ निकली शोभायात्रा :- सरदारपुरा 11वीं सी रोड पर संत शिरोमणि भाऊ रामचंद्र मार्ग स्थित बाबा रामापीर मंदिर में भादवा मेला हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मेले के दूसरे दिन सोमवार को बाबा की दशमी धूमधाम से मनाई गई। मंदिर सेवादार प्रकाश और पवन फुलवानी ने बताया कि सुबह नित्य आरती के बाद गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर से होते हुए सिवांची गेट स्थित संत लीला शाह सिंधी स्वर्गाश्रम पहुंची, जहां संत शिरोमणि भाऊ रामचंद्र की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान देश के विभिन्न शहरों के साथ-साथ विदेश से आए श्रद्धालुओं ने भी बाबा के दर्शन कर मेले में भाग लिया।

अखंड ज्योत के साथ निकली पैदल ध्वजा यात्रा :-सुभाष चौक रातानाडा स्थित घांची समाज बाबा रामदेव मंदिर में घांची समाज विकास समिति, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में अखंड ज्योत के साथ पैदल ध्वजा यात्रा निकाली गई। नवयुवक मंडल सचिव अर्जुन भाटी व मुकेश बोराणा ने बताया कि मंदिर के पुजारी रामेश्वरदास वैष्णव एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बाबा रामदेव की महाआरती हुई। साथ ही इसके बाद अखंड ज्योत के साथ पैदल ध्वजा यात्रा रवाना हुई। ढोल-नगाड़ों और बाबा के जयकारों के बीच महिलाएं व युवतियां भजनों पर झूमती हुई मसूरिया बाबा रामदेव मंदिर पहुंच कर ध्वजा व चूरमे के लड्डुओं का भोग लगाया गया।

इस अवसर पर अशोक भाटी, सन्नी बोराणा, आकाश बोराणा, कैलाश भाटी, कुशल, शुभम, राज, रमेश बोराणा, पंकज भाटी, विजय भाटी, अरुण, मोहित भाटी, नंद किशोर भाटी, धर्मेंद्र, प्रकाश भाटी, मनोहर भाटी, हितेश, राहुल पंवार, हेमंत सहित महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रहीं।

पाली में भाजपा की नमिता बुबकिया की जीत, कांग्रेस की सुमित्रा जैन को तीन मत मिले

कांग्रेस प्रत्याशी सुमित्रा जैन को 29 में से 3 मत ही प्राप्त हुए

पाली, (निसं)। नगर निगम आम चुनाव-2026 के तहत सोमवार को महापौर पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा एवं पुख्ता शांति व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से करवाई गई। मतगणना के बाद नमिता बुबकिया को महापौर पद के लिए निर्वाचित घोषित किया गया।

नवनिर्वाचित महापौर नमिता बुबकिया को जीत का प्रमाण पत्र दिया।

रिटर्निंग अधिकारी नगर निगम शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि महापौर पद के लिए सोमवार को निर्धारित प्रक्रिया के तहत मतदान करवाया गया। मतदान के बाद मतों की गणना की गई, जिसमें भाजपा की नमिता बुबकिया को 33 मत, कांग्रेस की बागी राजबाला हिंगड़ को 29 मत तथा कांग्रेस प्रत्याशी सुमित्रा जैन को 29 में से 3 मत ही प्राप्त हुए। इस प्रकार नमिता बुबकिया ने सर्वाधिक मत प्राप्त कर महापौर पद पर जीत दर्ज की। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निगम कार्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों ने आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाया। महापौर चुनाव संपन्न होने के साथ ही अब उपमहापौर पद के निर्वाचन को लेकर भी निर्वाचन विभाग की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी पाली विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि सोमवार तक उपमहापौर पद के लिए कुल 6 नाम निर्देशन पत्र वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इनमें मेहबूब एवं रशीदा बानो को दो-दो तथा कान्तिलाल एवं जोगेन्द्र सिंह को एक-एक नाम निर्देशन पत्र वितरित किया गया है। उपमहापौर पद के लिए नाम निर्देशन, संवीक्षा, नाम वापसी एवं मतदान सहित निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर आवश्यक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इस अवसर पर विशेषाधिकारी निर्वाचन पाली चौधरी बिरजू गोपाल, उप पंजीयक प्रथम शिवजीराम बावरी, तहसीलदार सुनील कुमार, तहसीलदार निर्वाचन नेहा चौधरी, सुरेश कुमार व्यास, मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, अभिषेक चतुर्वेदी, गजेन्द्र दवे, तुलसीराम चौहान, ताराचंद सेजू, युजवेन्द्र खेमलानी, रामलाल मानपुरा सहित निर्वाचन से जुड़े अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

भरतपुर में ट्रेलर की चपेट से स्कूटी सवार बुजुर्ग की मौत

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सारस चौराहे के पास सड़क पार करते समय एक स्कूटी सवार बुजुर्ग ट्रेलर की चपेट में आ गए। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार भरतपुर के मथुरा गेट थाना क्षेत्र में जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर सारस चौराहे बत्ती के पास सोमवार सुबह करीब 7:30 से 8 बजे के बीच हादसा हुआ। हादसे में स्कूटी सवार ओमप्रकाश (70) पुत्र लालाराम की मौत हो गई। मथुरा गेट थाना प्रभारी हरलाल मीणा के अनुसार, ओमप्रकाश सुबह अपनी स्कूटी से घर से मुखर्जी नगर स्थित दुकान पर जा रहे थे। इसी दौरान सारस चौराहे बत्ती के पास सड़क क्रॉस करते समय ट्रेलर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर को गति देने के लिए ट्रांसमिशन परियोजनाओं की समीक्षा

इंटर स्टेट एवं इंट्रा स्टेट परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दें : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने पावर ग्रिड तथा प्रदेश के ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंटर स्टेट एवं इंट्रा स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

- उन्होंने प्रदेश में इन परियोजनाओं में मार्गाधिकार की बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने पावर ग्रिड तथा प्रदेश के ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोमवार को शासन सचिवालय में इंटर स्टेट एवं इंट्रा स्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान प्रदेश में इन परियोजनाओं में मार्गाधिकार (राइट ऑफ वे) की बाधाओं को जल्द से जल्द दूर करने के भी निर्देश दिए ताकि प्रदेश को ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर का लाभ मिल सके। इस दौरान ऊर्जा विभाग की ओर से बताया गया कि रास्ते की बाधाओं को दूर करने के लिए जिला कलक्टर तथा पुलिस अधीक्षकों को उचित सहयोग प्रदान करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान सौर ऊर्जा उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। ऐसे में प्रदेश में स्थापित अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से उत्पादित बिजली की सुगम एवं निर्बाध निकासी के लिए इंटरस्टेट एवं इन्ट्रास्टेट ट्रांसमिशन परियोजनाओं के माध्यम से विद्युत तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं उच्च क्षमता वाले ट्रांसमिशन ग्रिड का निर्माण न केवल प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा बल्कि देश की प्रगति में भी योगदान देगा, ऐसे में इन परियोजनाओं का समय पर पूर्ण होना आवश्यक है।

मुख्य सचिव ने पावर ग्रिड के अधिकारियों से लंबित परियोजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में भी जानकारी ली। पावर ग्रिड की ओर से आश्वस्त किया गया कि राज्य सरकार के सहयोग से सभी ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स को शीघ्र ही पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जा रहा है। बैठक में पावर ग्रिड ने सोलर पार्कों से उत्पादित बिजली को बिना ट्रिपिंग के अन्य राज्यों में भेजने के लिए अधिक प्रसारण क्षमता वाली हाई वोल्टेज डीसी (एचवीडीसी) लाइनों के लिए भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस पर मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में पावर ग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वीआर मोहन बुर्रा, शासन सचिव ऊर्जा आरती डोगरा, अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित गुप्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

जयपुर देहात दक्षिण के जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने जन्मदिन मनाया

जयपुर। भाजपा जयपुर देहात दक्षिण के जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने सोमवार को अपना जन्मदिन सादगी और मानव सेवा के साथ मनाया। जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और आमजन उनके पास पहुंचे, उन्हें गुलदस्ता और माल्यार्पण करके बधाई दी तथा सेवा कार्यों में भाग लिया।

सोशल मीडिया पर जन्मदिन की झलक सुबह से ही दिखाई दी और दिनभर शुभकामना संदेशों का तांता लगा रहा। एक्स (ट्विटर) प्लेटफॉर्म पर सुबह 9 बजे से ही - हैशटैग पूरे इंडिया में पहले नंबर पर ट्रेंड करने लगा। जिले, मंडलों एवं बूथ केंद्रों तक उनकी मजबूत सोशल मीडिया एवं आईटी टीम ने भी इसमें अहम भागीदारी निभाई, जिसकी बदौलत जिलाध्यक्ष का जन्मदिवस भारतवर्ष में लगभग 7 घंटे ट्रेंड पर रहा। इस दौरान उन्हें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, मंत्री भागीरथ चौधरी, राज्यवर्धन राठौड़, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, विधायक रामवतार बैरवा, डॉ कैलाश वर्मा, निर्मल कुमावत, कन्हैया लाल मीणा सहित अनेक भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों ने उन्हें कॉल, मुलाकात एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

सार-समाचार

रामजी लाल स्वर्णकार की 23वीं पुण्य तिथि पर 'समुद्र मंथन' का मंचन

जयपुर। रामजी लाल स्वर्णकार की 23वीं पुण्य तिथि के अवसर पर रविवार को महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर के आर.एल. स्वर्णकार ऑडिटोरियम में विशेष स्मृति समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा की रेपर्टरी कंपनी द्वारा प्रसिद्ध हिन्दी नाटक 'समुद्र मंथन' का भावपूर्ण और प्रभावशाली मंचन किया गया। समारोह की शुरुआत रामजी लाल स्वर्णकार एवं गोमती देवी स्वर्णकार के चित्रों पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इस अवसर पर परिवारजनों, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, वरिष्ठ अधिकारियों, चिकित्सकों, न्यायिक एवं प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े अतिथियों तथा कला जगत की हस्तियों ने उनकी स्मृतियों को साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। महात्मा गांधी मेडिकल यूनिवर्सिटी के संस्थापक चेयरमैन डॉ एम एल स्वर्णकार ने कहा कि माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार नई पीढ़ी के आचरण का हिस्सा बन जाये यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होती है। उन्होंने कहा कि रामजी लाल स्वर्णकार की 23वीं पुण्य स्मृति पर कला और संस्कृति को समर्पित यह विशेष प्रस्तुति उनके मूल्यों और विरासत को स्मरण करने का माध्यम है।

गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मारी

जयपुर। आमेर थाना इलाके में रविवार रात गलत दिशा से आ रही तेज रफ्तार कार ने पहले बाइक सवार परिवार को टक्कर मारी। इसके बाद चालक ने कार पीछे लेकर बाइक को दोबारा टक्कर मार दी। बच्ची को बचाने के प्रयास में उसके पिता घायल हो गए। हादसे के बाद चालक भागने लगा और रास्ते में एक कार सहित आधा दर्जन से अधिक वाहनों को टक्कर मार दी। लोगों ने पीछा किया तो चालक कार को सुनसान जगह छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार रविवार रात कुंडा के पास एक कार गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। टक्कर से बाइक सवार सड़क पर गिर गए। चालक ने कार रोकने के बजाय उसे पीछे लिया और बाइक को फिर से टक्कर मार दी। बाइक पर सवार बच्ची को बचाने के प्रयास में उसके पिता वेद प्रकाश सैनी घायल हो गए। उनके हाथ और पैर में चोटें आई हैं। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से भागने लगा। इसी दौरान कार ने एक अन्य कार को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चालक ने कार नहीं रोकी और रास्ते में कई अन्य वाहनों को भी टक्कर मारते हुए आगे बढ़ता रहा। कार का अगला हिस्सा टक्कर के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार को लगातार टक्कर मारते हुए भागता देख कुछ बाइक सवारों ने उसका पीछा शुरू कर दिया। लोगों को पीछे आता देखकर चालक ने कार एक सुनसान जगह पर छोड़ दी और पैदल भाग निकला।

उपभोक्ता आंदोलनकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन 25-26 को

जयपुर। देशभर के उपभोक्ता संगठनों का राष्ट्रीय सम्मेलन 25 और 26 सितंबर को जयपुर में आयोजित होगा। सम्मेलन में देश में उपभोक्ता संरक्षण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा के साथ उपभोक्ता आंदोलन की भावी कार्ययोजना पर मंथन किया जाएगा। आयोजन उपभोक्ता संगठनों के राष्ट्रीय परिसंघ कंज्यूमर कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) की ओर से अग्रणी उपभोक्ता संस्था कन्स के स्थानीय संयोजन में होगा। सम्मेलन की अध्यक्षता सीसीआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष गुजरात की प्रीती पण्ड्या करेंगी। कंज्यूमर मैन ऑफ इंडिया डॉ. अनन्त शर्मा मुख्य वक्ता होंगे। सम्मेलन में आयोजित तकनीकी सत्रों में उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनों और नियामक प्रावधानों पर चर्चा की जाएगी। नई दिल्ली के डॉ. अरुण कुमार, तमिलनाडु के एम. सेल्वराज, उत्तरप्रदेश के भूपसिंह पाल, आंध्रप्रदेश के सीएच. हरिबाबू और महाराष्ट्र के देवेन्द्र तिवारी विशिष्ट वक्ता होंगे। सम्मेलन में 25 से अधिक राज्यों के करीब 400 उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। सम्मेलन के समन्वयक एवं कन्स के उपाध्यक्ष संजय खण्डेलवाल ने बताया कि सम्मेलन के दौरान सीसीआई की नई राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल का चुनाव भी होगा। इस अवसर पर 21 हजार किलोमीटर लंबी उपभोक्ता जागरूकता भारत यात्रा पूरी करने के लिए डॉ. अनन्त शर्मा का अभिनंदन किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सभागार में किया जाएगा।

ग्रीनफिट मैराथन 27 सितंबर को

जयपुर। फिटनेस, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आधार प्राइम ग्रीनफिट हाफ मैराथन-सीजन 3 का आयोजन 27 सितंबर को विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स से किया जाएगा। ग्रीनफिट फाउंडेशन के संस्थापक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस साल ग्रीनफिट फाउंडेशन द्वारा आयोजित आधार प्राइम ग्रीनफिट हाफ मैराथन पावर्ड बाय खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट एंड को-पावर्ड बाय जीसीएलड्रीम्स में जयपुर नगर निगम की एक अहम सहभागिता है। 'रन फॉर ग्रीनर अर्थ' के थीम पर आयोजित इस मैराथन में अब तक 8,500 से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं और 10 हजार से अधिक रनर्स के शामिल होने की संभावना है। मैराथन में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री, दीया कुमारी मैराथन मुख्य अतिथि और जयपुर सांसद मंजू शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी कमान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पी.एस. शेखावत; मेंटॉर, अजय अग्रवाल; रेस डायरेक्टर - सेवानिवृत्त, लेफ्टिनेंट कर्नल, विजयपाल सिंह और फेस ऑफ द इवेंट, राजेश चौधरी भी आयोजन में शामिल होंगे। प्रतिभागियों के लिए 21 किमी टाइम्ड हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी टाइम्ड रन तथा 3 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गई हैं। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के लिए 2.55 लाख से अधिक की पुरस्कार राशि निर्धारित किए गए हैं। मैराथन का रिपोर्टिंग और फ्लैग ऑफ 27 सितंबर को सुबह 5:30 बजे होगा। आयोजन में प्रोफेशनल रनर्स के अलावा सेना के जवान, कॉर्पोरेट टीम, स्टूडेंट्स, वुमन, चिल्ड्रन, सीनियर सिटीजन और रनिंग कम्युनिटी की भागीदारी रहेगी। व्यवस्थाओं के लिए 400 से अधिक वॉलंटियर्स के साथ मेडिकल टीम, फिजियोथेरेपिस्ट, रूट मार्शल और हाइड्रेशन टीम तैनात की जाएगी।

आम आदमी पार्टी पूरे राजस्थान में लड़ेगी पंचायती राज चुनाव

जयपुर। आम आदमी पार्टी राजस्थान आगामी पंचायती राज चुनाव में प्रदेशभर में चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राज्य संगठन महासचिव विश्वेंद्र सिंह ने इसकी घोषणा की। उन्होंने बताया कि बारां नगर परिषद में पार्टी की हालिया जीत के बाद कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से चुनाव लड़ने के इच्छुक लोगों द्वारा पार्टी से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवारों के आवेदन के लिए पार्टी की ओर से क्यूआर कोड जारी किया गया है, जिसके माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। प्रेस वार्ता में राज्य सचिव जुगल किशोर शर्मा भी मौजूद रहे। पार्टी के अनुसार बारां की जीत के बाद आम आदमी पार्टी से जुड़ने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है और युवाओं में भी राजनीतिक भागीदारी को लेकर रुचि बढ़ी है। पार्टी अधिक से अधिक युवाओं को आगामी पंचायती राज चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

अवकाश के दिन हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को बाबा रामदेव जयंती के मौके पर अवकाश रहा। हालांकि तिजारा नगर परिषद के चेयरमैन और केकड़ी नगर पालिका अध्यक्ष के चुनावों को लेकर बीते रात दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई के लिए जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ का गठन किया गया। एकलपीठ ने अवकाश के दिन दोनों मामलों पर सुनवाई की।

'पब्लिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-इंडियन स्टेट्स' प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत

- पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सार्वजनिक निवेश के बेहतर प्रबंधन पर होगा मंथन

जयपुर। सार्वजनिक निवेश का बेहतर प्रबंधन, परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और निवेश से अधिकतम परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता केंद्र (एसएआरटीटीएसी) द्वारा जयपुर में 'पब्लिक इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट-इंडियन स्टेट्स' विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की सोमवार को शुरुआत हुई।

उद्घाटन सत्र में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि देश में सार्वजनिक परियोजनाओं में बड़े स्तर पर निवेश हो रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए निवेश का अधिकतम लाभ आमजन और अर्थव्यवस्था को मिले।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक निवेश का असर केवल बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित नहीं रहा है। जल एवं परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं में लगातार निवेश से दूर-दराज के क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बेहतर हुई है और लोगों को बाजारों और सार्वजनिक सेवाओं से जोड़ने में मदद मिली है।

मुख्य सचिव ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते हुए हैं, जिनमें से करीब 9 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में तेजी से उभर रहा है। राइजिंग राजस्थान के तहत भी इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने भड़ला सौर पार्क का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी परियोजनाएं बताती हैं कि सही दिशा में किया गया रणनीतिक निवेश आर्थिक विकास को गति देने के साथ ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

रीको द्वारा 8 नए औद्योगिक क्षेत्र आवंटन के लिए शीघ्र खोले जायेंगे

- इन नवीन औद्योगिक क्षेत्रों के ले-आउट प्लान अनुमोदित किए जा चुके हैं

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक विकास को गति देने एवं निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में रीको द्वारा औद्योगिक क्षेत्रों के विस्तार का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में 8 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर आगामी कुछ माह में उद्यमियों के लिए आवंटन हेतु खोले जाएंगे।

रीको द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 12 तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 21 नवीन औद्योगिक क्षेत्र खोले गए हैं। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष 8 नए औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु शीघ्र खोले जा रहे हैं। इन नवीन औद्योगिक क्षेत्रों के ले-आउट प्लान अनुमोदित किए जा चुके हैं तथा इनके लिए आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां तथा तकनीकी स्वीकृतियां भी जारी की जा चुकी हैं। इन क्षेत्रों में आधारभूत विकास कार्यों के लिए निविदाएं जारी कर कार्यादेश जारी किये जा रहे हैं तत्पश्चात इन औद्योगिक क्षेत्रों को उद्यमियों के लिए आवंटन हेतु खोला जाएगा। रीको द्वारा आवंटन हेतु खोले जाने वाले नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में भीलवाड़ा में औद्योगिक क्षेत्र खांखला, नागौर में औद्योगिक क्षेत्र खींवसर, दौसा में औद्योगिक क्षेत्र समलेटी एवं औद्योगिक क्षेत्र स्टोन मंडी (रेटा डब्बी), फलौदी में औद्योगिक क्षेत्र हाजी सागर, ब्यावर में औद्योगिक क्षेत्र लाटोटी (जैतारण) एवं अजमेर में स्टोन मंडी (मोडी बदनौर) तथा चित्तौड़गढ़ में औद्योगिक क्षेत्र सांकरिया शामिल हैं।

क्षेत्रों के विकसित होने से संबंधित क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ-साथ उद्यमियों के लिए नए निवेश अवसर उपलब्ध होंगे। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में नवीन औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना एवं विकास कार्यों के लिए 1100 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं। इससे प्रदेश में औद्योगिक आधारभूत संरचना को और सुदृढ़ करने तथा उद्यमियों के लिए विकसित औद्योगिक भूखण्ड उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी।

रीको द्वारा गत वित्तीय वर्ष में औद्योगिक क्षेत्रों को आवंटन हेतु खोलने तथा भूखण्ड आवंटन की प्रक्रिया में उल्लेखनीय गति दर्ज की गई। इस दौरान औसतन हर 17 दिन में एक औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोला गया जबकि प्रतिदिन औसतन 6 औद्योगिक भूखण्डों का आवंटन किया गया। इस प्रकार से रीको द्वारा नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और मौजूदा औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के माध्यम से प्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने व विस्तार की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

शहर में गणेश विसर्जन का दौर शुरू

जयपुर। गणेश चतुर्थी पर घर-घर और देवालयों में विराजमान हुए सिद्धि विनायक गणपति बप्पा को जलाशय में विसर्जन करने का सिलसिला भक्तिभाव के साथ शुरू हो गया है। इसी क्रम में श्रीमन नारायण प्रन्यास मंडल की ओर से सीकर रोड, ढहर के बालाजी स्थित श्रीमन् नारायण धाम में स्थापित गणपति प्रतिमा का अजमेर रोड स्थित जलाशय में ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच विसर्जन किया गया।

गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ... के उद्घोष से संपूर्ण वातावरण गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने नम आंखों से विघ्नहर्ता को अगले वर्ष पुन: पधारने का निमंत्रण देते हुए भावपूर्ण विदाई दी। विसर्जन से पूर्व श्रीमन् नारायण धाम में पंडित तरुण भारती एवं मेदांत शर्मा के सान्निध्य में गणपति बप्पा की विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती की गई। इस अवसर पर गणेश जी महाराज को हल्दी और मेहंदी लगाने की पारंपरिक रस्म भी भक्तिमय माहौल में निभाई गई। श्रद्धालुओं ने भजनों और भक्ति गीतों की प्रस्तुतियों से वातावरण को धर्ममय बना दिया तथा परिवार व समाज में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

पदयात्रा रवाना

जयपुर। पानीपेच, बस्सी सीतारामपुरा स्थित जय महाबली दरबार ट्रस्ट के सौजन्य से सामोद के वीर हनुमान जी के पावन दर्शन हेतु 13वीं भव्य पदयात्रा सोमवार को भक्तिभाव के साथ रवाना हुई।

सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने विधिवत ध्वज वंदन कर पदयात्रा का शुभारंभ किया और सभी पदयात्रियों को मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष निखिल वर्मा, आशीष बागड़ा, रामकिशन पंडित, माल सिंह और हेमलता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पदयात्रा के दौरान सबसे आगे हनुमान जी महाराज का भव्य रूप से सजा रथ चल रहा था। रथ के पीछे हाथों में लाल ध्वज थामे जयकारे लगाते सैकड़ों श्रद्धालु चल रहे थे, जिससे संपूर्ण मार्ग भक्तिमय हो गया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर पदयात्रियों का भावभीना स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जलवायु परिवर्तन से निपटने में जनभागीदारी अहम : मुर्मु

एनजीटी का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सत्र का समापन हुआ।

- राष्ट्रपति ने कमजोर वर्गों की जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता पर जोर दिया

नई दिल्ली/जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि जलवायु परिवर्तन मानव जीवन के अनेक स्तरों पर असंतुलन पैदा कर रहा है। जैव विविधता का ह्रास, जल संकट और भूमि क्षरण जैसी समस्याएं जलवायु परिवर्तन से गहराई से जुड़ी हैं। इसके प्रभाव खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका पर भी दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सरकारों के साथ समाज और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। राष्ट्रपति को नई दिल्ली में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की ओर से 'पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन का भविष्य' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन जैसी जटिल चुनौती से निपटने के लिए नीतियों और कार्रवाई का एक सुगठित ढांचा आवश्यक है। इसमें केवल सरकार और कानूनी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि वे समुदाय भी सक्रिय भागीदार हों, जो जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं।

राष्ट्रपति ने एनजीटी की ओर से आयोजित सम्मेलन की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विभिन्न देशों के विशेषज्ञों, न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं और पर्यावरण से जुड़े प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाया गया।

नौ हजार स्मार्ट क्लास एवं सात हजार आईसीटी लैब होंगी स्थापित

- सरकारी स्कूलों में 3 वर्ष में 12 हजार 500 करोड़ रुपए से मजबूत होगा एजुकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सभी 41 जिलों में सरकारी विद्यालयों के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 3 वर्ष में लगभग 12 हजार 500 करोड़ रुपये का व्यय किया जाएगा। ढाई वर्ष के कार्यकाल में विद्यालय भवन एवं अतिरिक्त कक्षा कक्षों के निर्माण में 2 हजार 723 करोड़ रुपये से अधिक की राशि व्यय की जा चुकी है, जबकि गत सरकार द्वारा अपने 5 साल के कार्यकाल में कुल 2 हजार 287 करोड़ रुपये ही व्यय किए गए थे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को शिक्षा के आधारभूत ढांचे के विकास को लेकर तैयार रोडमैप के सुचारू क्रियान्वयन को लेकर निर्देश दिए। तकनीकी सर्वे के आधार पर तैयार रोडमैप के अनुसार स्कूलों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए 3 हजार 587 नए विद्यालय भवनों पर लगभग 2 हजार 487 करोड़ रुपये, 83 हजार 783 नवीन कक्षा-कक्षों पर लगभग 8 हजार 378 करोड़ रुपये से अधिक तथा 22 हजार 589 विद्यालयों में मेजर रिपेयर पर लगभग 1 हजार 129 करोड़ रुपये से अधिक तथा 13,616 नए शौचालय परिसरों पर लगभग 340 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य करवाए जाएंगे। डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 107 करोड़ रुपये की लागत से 9 हजार स्मार्ट क्लास तथा 880 करोड़ रुपये की लागत से 7 हजार आईसीटी लैब स्थापित की जाएंगी। साथ ही, लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से 80 हजार टैबलेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

'हम भारत के लोग' के संदेश के साथ जयपुर में लोकमंथन यात्रा निकली

लोकमंथन में नागरिकों, प्रबुद्धजनों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

- 5000 से अधिक लोगों की उपस्थिति व 3500 से अधिक महाविद्यालयीन विद्यार्थियों ने भाग लिया

जयपुर। लोकमंथन-2026 के अंतर्गत 'लोकमंथन यात्रा-जयपुर महानगर' का शुभारंभ आज गोविंद देव जी मंदिर में दर्शन के पश्चात जलेबी चौक से हुआ। लोकमंथन-2026 आयोजन समिति की अध्यक्ष एवं राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने यात्रा रथ को रवाना किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिकों, प्रबुद्धजनों, युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

यात्रा में शाही लवाजमे, लोक वाद्य, पारंपरिक परिधान, अखाड़ों के खिलाड़ी, क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तथा विभिन्न लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। यात्रा मार्ग में रंगोलियां सजाई गई तथा अनेक स्थानों पर प्रमुख मंडलों और समाजजनों द्वारा पुष्पवर्षा की गई। क्रीड़ा भारती के खिलाड़ियों ने चलते मार्ग में साइकिलिंग, स्केटिंग, फुटबॉल, कबड्डी, सतोलिया आदि खेल गतिविधियों के माध्यम से लोकमंथन के संदेश को जीवंत बनाया। पूरे यात्रा में 1500 खिलाड़ी व नागरिक सहभागी हुए। यात्रा हवामहल, बड़ी चौपड़ और अल्बर्ट हॉल होते हुए महारानी कॉलेज पहुँची। महारानी कॉलेज में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 5000 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। इनमें 3500 से अधिक महाविद्यालयीन विद्यार्थी शामिल रहे। विशेष रूप से बड़ी संख्या में छात्राओं और युवा पीढ़ी की सहभागिता ने आयोजन को व्यापक सामाजिक स्वरूप प्रदान किया।

महारानी कॉलेज परिसर में लोकमंथन के विभिन्न आयामों को अलग-अलग मंचों और प्रदर्शनी स्थलों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। मुख्य सभागार में 'धरती धोरा री' नृत्य, चरी नृत्य, मांड गायन, भवई, कच्छी घोड़ी, कठपुतली नृत्य, कालबेलिया नृत्य, मलखम्ब प्रदर्शन, संस्कृत लोकगीत एवं लोकनृत्य सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। 'लोक में भारत' तथा 'लोक साहित्य और संस्कृति' जैसे विषयों पर व्याख्यान हुए। साथ ही 'स्वतंत्रता समर में राजस्थान के लोक नायक' विषय पर नृत्य नाटिका भी प्रस्तुत की गई।

लोक आस्था और लोक चेतना को दर्शाने के लिए बाबा रामदेव जी एवं वीर तेजाजी से संबंधित झांकियां और मंदिर परंपरा की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। इनके माध्यम से राजस्थान की लोक आस्था, लोक नायकों और समाज जीवन में उनकी भूमिका को सामने रखा गया।

कार्यक्रम में लोक जीवन के विविध पक्षों पर संवाद की श्रृंखला भी आयोजित की गई। सेमिनार हॉल में जयपुर की लोक कला एवं संस्कृति पर प्रश्नोत्तरी, 'लोक परम्पराएँ' विषय पर लोक संवाद तथा 'हम भारत के लोग-हमारी भाषा हमारी पहचान' विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई।

राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केन्द्र का निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को राजस्थान संपर्क 181 हेल्पलाइन केन्द्र का निरीक्षण कर सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न जिलों के परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान संपर्क पोर्टल के तहत एक अभिनव पहल की गई है। इसके माध्यम से प्रशासनिक सचिव प्रतिदिन वीडियो कॉल के जरिए आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं तथा उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नवाचार से सरकार को आमजन की समस्याओं के स्वरूप और उनकी वास्तविक कठिनाइयों को सीधे समझने में भी मदद मिल रही है।

ARBiT it happens here...

Protecting Giants, Preserving Balance

World Rhino Day, observed on September 22, shines a spotlight on the urgent need to protect one of Earth's most iconic yet endangered animals, the rhinoceros. With five species of rhinos facing threats from poaching, habitat loss, and illegal wildlife trade, the day calls for global awareness and collective action. Conservation groups, governments, and communities unite to highlight success stories in rhino protection while emphasizing the challenges that remain. From anti-poaching patrols to community-led eco-tourism, efforts aim to secure a safer future for rhinos. World Rhino Day reminds us that safeguarding biodiversity is crucial for ecological balance.

#FABRICATIONS

The Story of Carthage Isn't Necessarily True

A new book by historian and archaeologist Eve MacDonald paints a more complete portrait of Carthage, the once-great African society destroyed by Rome

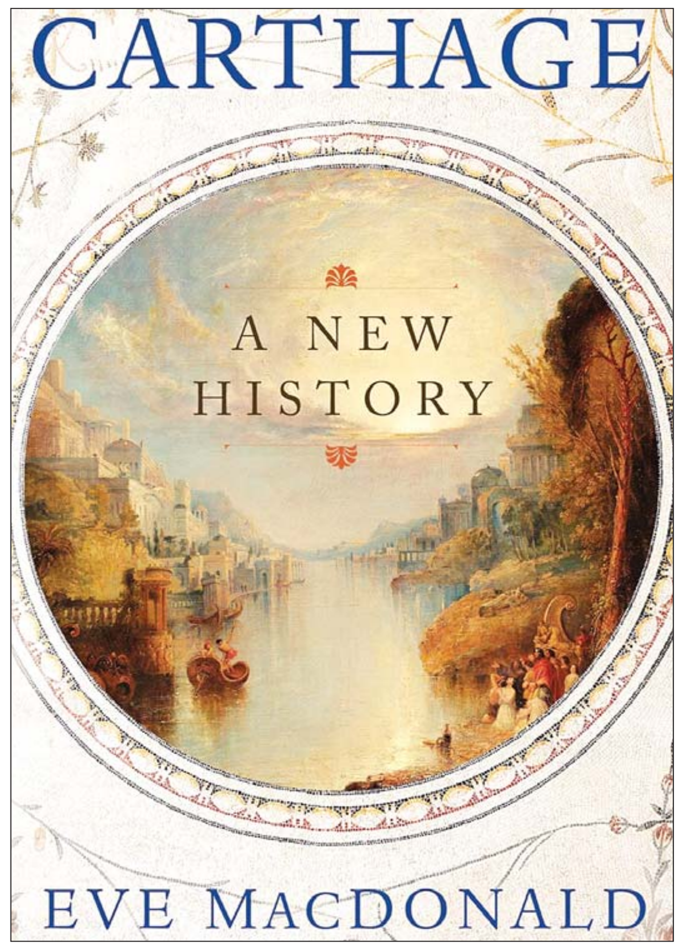

Around 310 B.C.E., Carthage was under siege by Agathocles of Syracuse and his army. According to the ancient historian Diodorus, Carthaginians began to despair that their gods had forsaken them and became so desperate to reclaim their favour that they sacrificed 200 children. Yet, to date, no physical evidence of such violence has been found. In fact, the Canadian British historian and archaeologist Eve MacDonald argues provocatively in her new book that this brutal episode was "an imagined scene by a hostile ancient source."

That source, of course, was Rome, which annihilated Carthage in the Third Punic War from 149 to 146 B.C.E. Rome's leaders never wanted anyone to "see Carthage or its citizens as real people," MacDonald writes, but rather as a savage foe, its name useful in boosting Roman morale. Now, in *Carthage: A New History of an Ancient Empire*, MacDonald surveys archaeological work from the past 20 years, including her own, to paint a richer portrait of the city and its people than we've ever seen. (A star in classicist circles, MacDonald, published her first book, a biography of the general Hannibal, in 2015.)

Perhaps, the most famous Carthaginian in history was Dido, founder of the city. In her lifetime, she was probably known as Elissa. Elissa came to Africa from Tyre, in modern Lebanon, probably in the late ninth century B.C.E. In some sources, she is the sister of Pygmalion, King of Tyre. The name Dido was given retroactively, by Greek historians, and cemented in history in Virgil's Aeneid.

MacDonald takes us from the Phoenicians who founded the city in the ninth century B.C.E., through the myths, and possible truths, about a canny political dissident from Tyre who came to be known as the queen Dido; we learn of the rise of Carthage as a formidable naval power, and, yes, of its eventual sacking. But we also learn about the first century afterward, when the Punic language of the city's institutions permeated North Africa. "It is believed that Africa was never so Punic as it was after Carthage was destroyed," MacDonald writes, as surviving Carthaginians "created a kind of Punic diaspora."

"New archaeology and old literature present a different Carthage in the postwar years," she writes. Recent isotopic analysis has revealed, among other things, that Carthage could rely on its own significant resources from lead-silver mining when it was faced with trade barriers during war.

MacDonald's book is an engrossing and ambitious effort, as concerned with the histories of sailors and soldiers as with the lives of generals and aristocrats. "The Roman memories only ever told one side of the story," she writes. "The complexity of this once-great, sophisticated and multicultural African city with a history of innovative technologies, brave warriors and deep religious beliefs was gone."

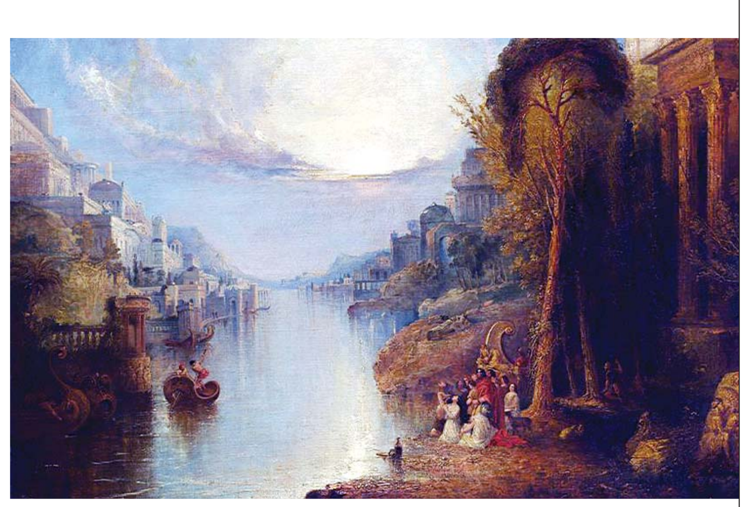

A vision of ancient Carthage, attributed to the painter William Linton, c. 1830.

From Status To Identity

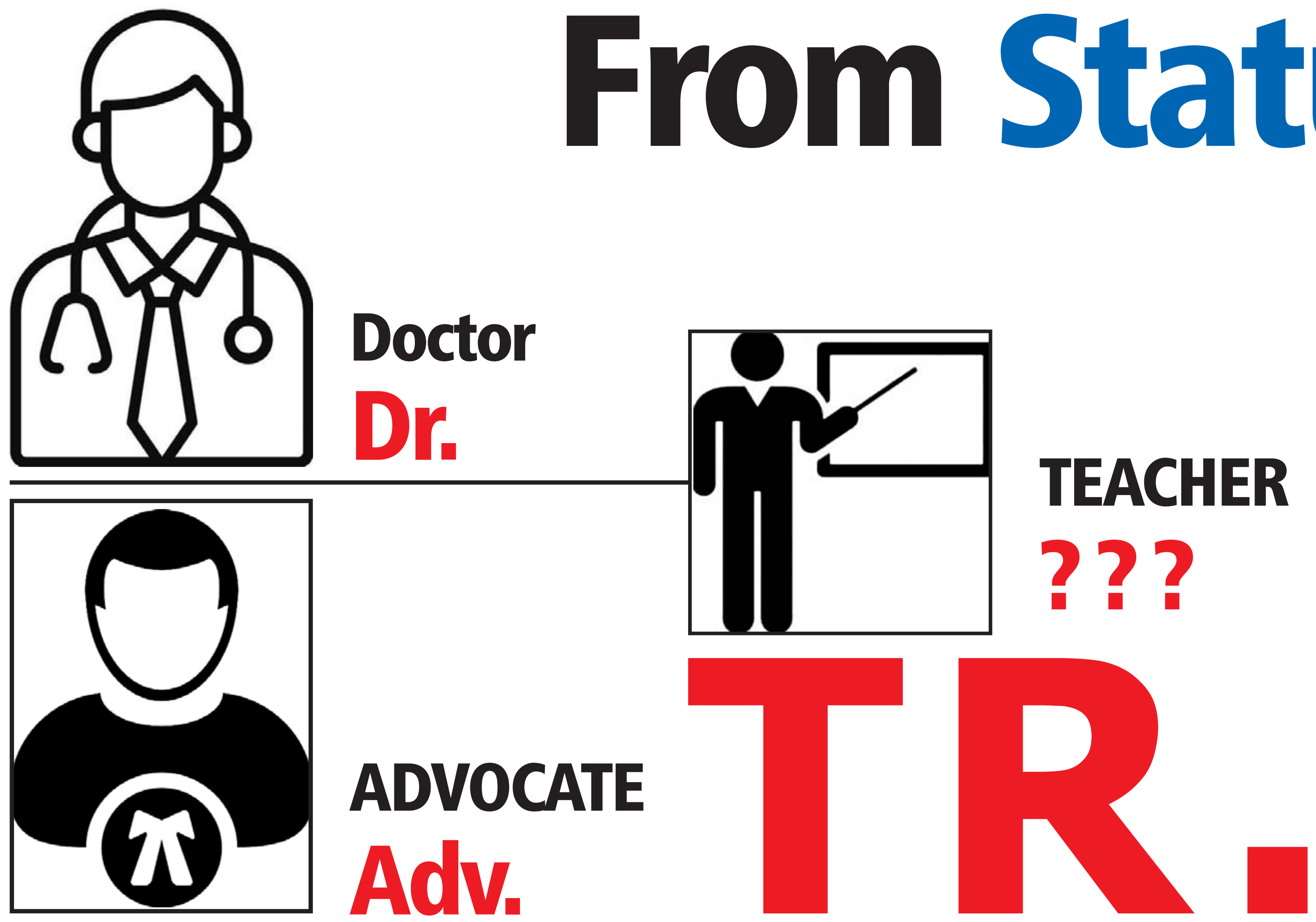

The legal profession provides an amusing contrast. The proposed Tr. for teachers may be acceptable to some, but the legal profession has shown hesitation about adopting Lr. as a prefix for lawyers. There are several reasons for this reluctance. Lawyers are already associated with a large collection of professional designations, such as advocate, barrister and solicitor, depending on the jurisdiction. Adding another abbreviation before every lawyer's name may not add much useful information.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

Prefix to a name has been a custom which probably arose to distinguish the nobility from the masses. Later, it was developed to show different professions. Now, there is an attempt to create prefixes which are odd and sometimes funny.

Recently, it has been suggested to use Tr. as a prefix to teacher's name. On the other hand, the legal profession has hesitated to use Lr. (L**r) for obvious reasons.

Dr. was exclusive for the medical profession but is now indiscriminately used by people like physiotherapist, psychologist and even masseurs.

The use of a prefix before a person's name may appear to be a small matter of grammar or etiquette, but it has a surprisingly long and interesting history. A prefix such as Mr., Mrs., Dr., Sir, or Prof. is more than a few letters placed before a name. It can indicate social status, profession, qualification, marital status or simply the manner in which society wishes to address a person. Over the centuries, these prefixes have changed with society. Some have disappeared, some have acquired new meanings and some have become so widely used in their new incarnation that their original purpose has almost been forgotten.

Prefixing a title to a person's name probably arises from the human desire to distinguish one person from another and more importantly, to establish where that person stood in the social hierarchy. In earlier societies, names alone were often not sufficient. A person's position, rank, occupation or relationship with authority mattered greatly. Thus, titles became a convenient way of announcing social identity even before a word had been spoken.

The most obvious examples came from the world of royalty and nobility. Kings, queens, princes, lords and other members of the aristocracy were addressed by titles that immediately placed them above the common man. His/Her Majesty, His/Her Highness, Lord and Lady were not merely polite forms of address; they reflected an established social order. A title could tell a person how much respect, obedience or deference was expected from others.

In time, titles became less exclusively associated with birth and began to be connected with occupation and learning. The prefix Dr., for example, originally had a much broader association with scholarship. It had arisen from Latin doctor, meaning a learned person or teacher. The title subsequently became strongly associated with the medical profession. Today, however, the situation is considerably more complicated. Oddly enough in the United Kingdom, a surgeon is still addressed as Mr. being originally a part of the Barbers Guild.

The history of Mr. provides an interesting example of how a title can become ordinary through widespread use. Mr. developed from Master, a form of address that once carried distinctions of age and social position. Over time, Mr. became the standard respectful form of addressing a man without necessarily indicating any particular profession, education or social rank. Similarly, Mrs., Miss and later Ms. evolved as ways of identifying women according to social conventions. For a long time, a woman's title was connected not merely with her sex but also with her marital status. Mrs. indicated a married woman, while Miss was traditionally used for an unmarried woman. Ms. emerged as a more neutral alternative, particularly because it avoided making marital status a matter of public identification.

This raises an important question: what is the purpose of a prefix in the modern world?

A prefix can convey respect, identify expertise, make communication more convenient and sometimes establish professional responsibility. If a letter is addressed to Dr. Sharma, the recipient immediately understands that the person has a particular academic or professional identity.

If a person is introduced as Professor Mehta, the audience knows that the person belongs to the academic world. A title can therefore function as a kind of shorthand.

At the same time, the usefulness of prefixes depends upon their accuracy. A title becomes less meaningful when it is used indiscriminately. This is particularly evident in the case of Dr. For many people, Dr. has become almost synonymous with "medical doctor." A patient entering a clinic expects the person wearing a doctor's coat and carrying the title Dr. to be medically qualified. But in the present era, some professionals in healthcare, who are not medical doctors, may use Dr. in particular circumstances, depending on their qualifications and professional rules.

This can create confusion. A physiotherapist or other healthcare professional may also possess a qualification that permits or encourages the use of a title in certain contexts. The difficulty arises when the public cannot easily tell what the title actually signifies.

The problem, therefore, is not necessarily the existence of the prefix but the absence of clarity about what it represents. A title should ideally inform rather than confuse.

The same issue has now arisen in the teaching profession. There has been a suggestion that Tr. should be used as a prefix for teachers. At first sight, this may appear harmless, even attractive. Teachers occupy an important position in society and undoubtedly deserve recognition. A special prefix could theoretically give the profession greater visibility and dignity.

> In time, titles became less exclusively associated with birth and began to be connected with occupation and learning. The prefix Dr., for example, originally had a much broader association with scholarship. It had arisen from Latin doctor, meaning a learned person or teacher. The title subsequently became strongly associated with the medical profession. Today, however, the situation is considerably more complicated. Oddly enough in the United Kingdom, a surgeon is still addressed as Mr. being originally a part of the Barbers Guild.

But the proposal also raises a humorous question: why should every profession require its own two-letter identity card?

If doctors are Dr., professors are Prof., engineers are Er. in some traditions and teachers become Tr., where does the process stop? Will accountants, architects, lawyers, nurses, journalists, bankers and civil servants eventually demand their own prefixes? Will a person's visiting card eventually require more space for titles than for the person's actual name? The legal profession provides an amusing contrast. The proposed Tr. for teachers may be acceptable to some, but the legal profession has shown hesitation about adopting Lr. as a prefix for lawyers. There are several reasons for this reluctance. Lawyers are already associated with a large collection of professional designations, such as advocate, barrister and solicitor, depending on the jurisdiction. Adding another abbreviation before every lawyer's name may not add much useful information. Earlier, titles were largely about status. Today, they are increasingly about identity.

A person wants a title to indicate what he or she has studied, achieved or does for a living. In a society where professional identity has become an important part of personal identity, this is understandable.

There is also an element of competition. If one profession has a prestigious title, another may feel that it too deserves a visible symbol of recognition. The prefix then becomes a badge of professional pride. In some cases, it may even become a form of social branding.

But there is a danger in excessive titling. If everyone is surrounded by abbreviations, the name itself can disappear behind the credentials. Imagine a visiting card carrying a person's name followed by several degrees, fellowships, memberships, professional registrations and titles. Instead of telling us who the person is, it may look like a Curriculum Vitae.

Prefixes are particularly useful in situations where expertise matters. A patient should know whether the person treating him is a medical doctor, dentist, physiotherapist, psychologist or another healthcare professional. A student should know whether the person teaching a course is a professor, lecturer or teacher. A client should know the professional status of someone giving legal advice.

Thus, the real utility of a prefix is identification. Its secondary function is respect. When identification and respect conflict, identification should probably take priority.

The practice of attaching a title to a name is certainly not a modern Western invention. Indian society has traditionally used honorifics extensively. Words such as Shri, Smt., Kumari, Pandit, Acharya, Swami, Sardar, Nawab, Raja and Maharaja have, in different periods and contexts, conveyed respect, social position, learning, religious standing or political authority. Some were hereditary, some were bestowed, and some were associated with particular occupations or traditions.

#PREFIXES

> The distinction is important. In a democracy, hereditary privilege is difficult to justify, whereas recognition of professional achievement is generally acceptable. A professional prefix can therefore be seen as a democratic successor to some of the older status titles: the source of distinction has shifted from birth to achievement. The difficulty arises when the public cannot immediately determine what the title means. This is particularly significant in healthcare. The issue is not whether one profession is inherently more respectable than another.

The Indian tradition therefore had its own system of distinguishing people through forms of address long before the modern professional prefixes became common. A Pandit could indicate learning; an Acharya could suggest a teacher or spiritual scholar; a Swami could indicate religious status. In royal and aristocratic India, titles such as Raja, Maharaja, Nawab and Sardar could signify political authority or social rank. Sometimes, this process would go overboard, especially in addressing a ruler. Thus, Akbar became 'Huzoor-e-wala, Zill-e-Ilahi, Shahenshah-e-hind, Jala-ud-din Mohd Akbar.'

After Independence, many hereditary titles lost their official significance. Yet, the Indian appetite for honorifics did not disappear. If anything, it found new forms. Shri and Smt. became standard forms of respectful address in public and official life, while professional titles such as Dr., Prof. and, in some contexts, Er. became increasingly prominent. There is also a cultural dimension to all this. Titles vary enormously between countries and societies. A form of address that sounds prestigious in one culture may sound strange in another. Some societies retain elaborate titles, while others have moved strongly towards first-name usage. The movement of people, professions and qualifications across borders makes universal understanding of titles increasingly difficult.

Perhaps, the best rule is a simple one: a title should clarify a person's identity, not decorate it.

Indeed, the most useful title may sometimes be the one that requires no abbreviation at all. "Teacher," "doctor," "lawyer," "engineer" or "scientist" tells us what a person does. The name tells us who the person is. The prefix should merely help to bridge the two.

Perhaps, then, we should be cautious about entering a new age of professional prefix inflation. After all, when the title becomes longer than the introduction, something has gone wrong.

This brings us to the most interesting question: why do people want prefixes?

One reason is undoubtedly respect. In India, respect for age, learning, office and professional achievement is deeply embedded in social behaviour. Another reason is social status. Titles have always had the capacity to establish distinctions between people. The older titles of nobility made social hierarchy visible; modern professional titles can perform a somewhat similar function, although in a supposedly meritocratic form. The message is no longer necessarily "I was born into a particular class" but "I have acquired a qualification or occupy a recognised professional position."

The distinction is important. In a democracy, hereditary privilege is difficult to justify, whereas recognition of professional achievement is generally acceptable. A professional prefix can therefore be seen as a democratic successor to some of the older status titles: the source of distinction has shifted from birth to achievement.

The difficulty arises when the public cannot immediately determine what the title means.

This is particularly significant in healthcare. The issue is not whether one profession is inherently more respectable than another. The issue is clarity of professional identity. If Dr. is used so broadly that an ordinary patient cannot tell whether someone is a medical doctor, the prefix may actually reduce clarity rather than increase it. In such circumstances, adding the profession, Dr. X, MBBS, Dr. Y, Physiotherapist, or another accurate professional description, can be more informative than relying on the prefix alone.

This is where the recent suggestion of Tr. for teachers becomes interesting. Teachers are among the most important professionals in society. They educate doctors, lawyers, engineers, scientists, civil servants and politicians. If any profession deserves social respect, teaching certainly does.

But does a teacher need Tr. before the name to obtain that respect?

The proposal raises an amusing possibility. If teachers become Tr., lawyers Lr., engineers Er., doctors Dr., professors Prof., and other professions follow suit, the Indian nameplate could become a small dictionary of abbreviations. A person might spend more time explaining the letters before the name than explaining what he or she actually does. There is a more serious issue beneath the humour. A prefix has value only when society understands it. A newly created abbreviation such as Tr. may be officially proposed, socially encouraged or professionally fashionable, but that does not automatically make it useful.

There is also the question of professional dignity. In India, where government jobs, professional degrees and social status have historically been closely connected, titles can become objects of considerable prestige. A professional may feel that the absence of a prefix diminishes the recognition attached to years of education and training.

This is understandable, but there is a danger of confusing recognition with nomenclature.

Indeed, India has a particularly strong reason to be cautious. Titles can easily become status symbols. A society already accustomed to respecting people according to caste, wealth, office, education and occupation should be careful not to turn every professional designation into another marker of social hierarchy. At the same time, prefixes should not be dismissed as useless vanity. They have genuine practical value in certain circumstances. In a hospital, university, courtroom, government office or formal conference, a title can quickly establish a person's role. It can save words and provide useful information.

The modern workplace therefore contains two competing tendencies: the traditional Indian preference for respectful titles and a newer preference for informality and equality.

The future will probably contain both. Ultimately, prefixes are social inventions. They survive because society agrees to attach meaning to them. Shri carries a different cultural history from Mr.; Pandit is different from Prof. The challenge is to ensure that these distinctions remain meaningful.

Perhaps, the sensible Indian approach is not to oppose new titles automatically, but to ask three simple questions before adopting them:

What does the prefix tell us? Is it widely understood? And does it serve a genuine practical purpose?

If the answer to all three is yes, a prefix can be useful. If it merely adds prestige to a visiting card, it is little more than decoration.

The wisest approach may be to let professional titles identify people, while allowing their work to distinguish them.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

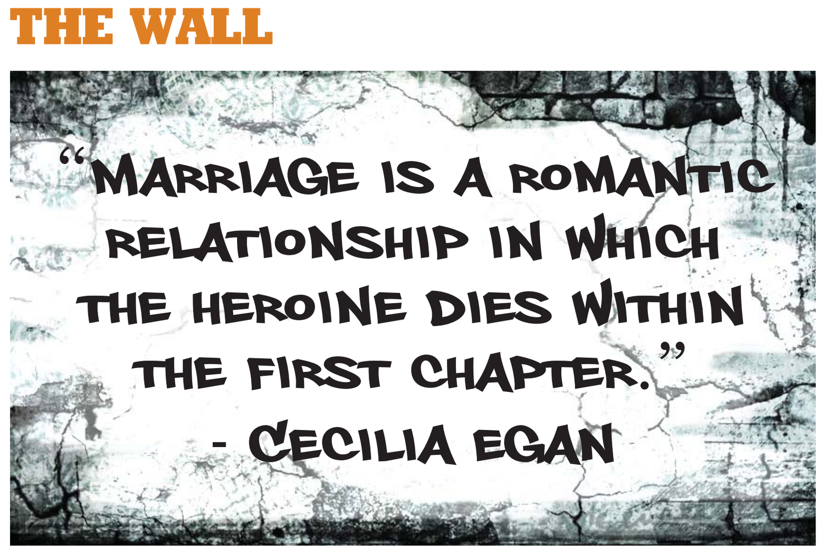

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

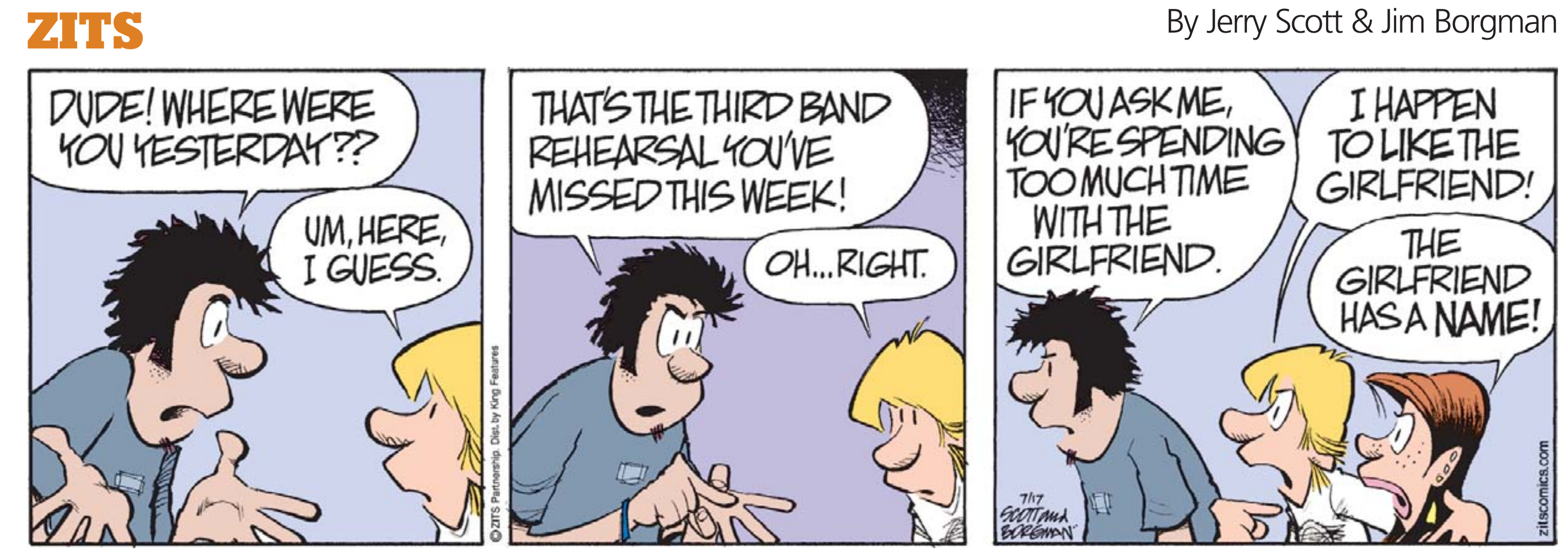

दौसा नगर परिषद पर कांग्रेस का कब्जा, सचिन पायलट के जयघोष से गूंजा शहर

कांग्रेस प्रत्याशी रेखा गुर्जर ने भाजपा की कविता गुर्जर को 7 मतों से पराजित किया

दौसा, (निसं.)। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को नगर परिषद दौसा के सभापति के लिए चुनाव हुए, जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी रेखा गुर्जर ने भाजपा की कविता गुर्जर को 7 मतों से पराजित कर कांग्रेस का परचम लगराया। नगर परिषद के 55 पार्षदों में से 31 ने कांग्रेस की रेखा गुर्जर के पक्ष में तथा 24 पार्षदों ने भाजपा की कविता गुर्जर के पक्ष में मतदान किया। मतदान के तुरन्त बाद मतों की गणना कर परिणाम घोषित किया गया। उधर भाजपा के पार्षदों ने जिला एवं पुलिस प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। वहीं दूसरी ओर रेखा गुर्जर के निर्वाचित होने के साथ ही पूरा शहर सचिन पायलट के जयघोष से गुंजायमान हो गया।

नगर परिषद दौसा के सभापति के चुनाव के बाद पार्षदों ने जीत की खुशी मनाई।

उल्लेखनीय है कि रिटर्निंग अधिकारी संजू मीणा की देखरेख प्रात: 10 बजते मतदान शुरू हुआ। मतदान शुरू होने के साथ ही भाजपा के 24 पार्षद बाड़ेबंदी से बस में सवार होकर नगर परिषद पहुंचे। भाजपा की ओर से पहला मतदान पार्षद बबिता वाल्मीकि ने किया। इस दौरान भाजपा के पार्षद रितेश पारीक ने जिला एवं पुलिस प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रत्याशी मतदान केंद्र के अन्दर पार्षदों के मत को देख रही है, प्रशासन उनका सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी को मतदान केंद्र के अंदर रहने का अधिकार ही नहीं है। पार्षद रितेश पारीक के साथ तकरीबन आधा दर्जन पार्षद वहीं धरने पर बैठ गए तथा मतदान केंद्र से कांग्रेस प्रत्याशी को बाहर करने की मांग करने लगे। इधर हंगामे के चलते पुलिस अधिकारियों के हाथ पांव फूल गए तथा काफी समझाईश के बाद मतदान शुरू हुआ। इस बीच भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। वहीं दूसरी ओर दोपहर 12 बजे बाद दौसा विधायक डीसी बैरवा के नेतृत्व में कांग्रेस खेमे के 30 पार्षद बस में सवार होकर मतदान के लिए पहुंचे। कांग्रेसी पार्षदों की बस आते ही कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बस को चारों तरफ से घेर ली तथा चैन बनाकर कांग्रेसी पार्षदों को गेट तक लेकर गए। इस दौरान भाजपा नेता जगमोहन मीणा, चुनाव प्रभारी पूजा कपिल, प्रणवेंद्र शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रेला, पूर्व सभापति राजकुमार जायसवाल भी पहुंच गए। जैसे कांग्रेस पार्षदों से बात करने लगे तो विधायक डीसी बैरवा ने विरोध किया, विरोध करते ही कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा खड़ा कर दिया। इस दौरान भाजपा व कांग्रेस कार्यकर्ता आमने सामने हो गए। मौके पर तैनात पुलिसबल ने स्थिति को संभाला। मामला शांत होने के बाद कांग्रेस की ओर से पहला मतदान पार्षद कमलेश मीणा ने किया, हंगामे के बाद कांग्रेस के एक एक पार्षद को मतदान के लिए अंदर भेजा गया।

कांग्रेस पार्षदों के मतदान के बाद आखिर में निर्दलीय पार्षद एडवोकेट शिवेंद्र तिवाडी ने मतदान किया। मतदान के बाद मतगणना की गई। मतगणना के बाद रिर्टनिंग अधिकारी संजू मीणा ने परिणाम घोषित किया। मतगणना के बाद 55 में से कांग्रेस प्रत्याशी रेखा गुर्जर को 31 मत, भाजपा की कविता गुर्जर को 24 मत मिले। नगर परिषद में कांग्रेस के 24, भाजपा के 17 व 14 निर्दलीय पार्षद चुनाव जीतकर आये थे। जिसमें से 14 निर्दलीय पार्षदों में से 7 ने कांग्रेस व 7 ने भाजपा के पक्ष में मतदान किया।

कांग्रेसी की रेखा गुर्जर के निर्वाचित होने के साथ ही कार्यकर्ताओं ने पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, सांसद मुरारीलाल मीणा एवं दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा के पक्ष में जमकर नारेबाजी की। बताया जाता है कि रेखा गुर्जर का टिकिट पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट की सिफारिश पर तय किया गया था, जिसके चलते शहर के कार्यकर्ता कांग्रेस की जीत पर काफी उत्साहित नजर आये।

मांडल में रंजिश और लड़की भगाने के संदेह में परिवार पर हमला

- दंपती सहित तीन जनों को मंदिर में बांधकर पीटा, मामला दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के रावों का खेड़ा गांव में पुरानी रंजिश और लड़की भगाने के संदेह को लेकर एक ही परिवार पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, हथियारों से लैस दर्जनभर लोगों ने एक मकान में घुसकर मारपीट की और बाद में पीड़ितों को सार्वजनिक स्थान पर बांधकर प्रताड़ित किया। मांडल थाना पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता शांति देवी (56) पत्नी नंदलाल राव की ओर से दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, घटना 18 सितंबर दोपहर करीब 1 बजे की है। नामजद आरोपियों चैन सिंह, लाडू देवी, हिम्मत सिंह, माया, सांबर देवी, झागुड़ी, गिरराज, महावीर,लक्ष्मी लाल, दिलखुश, रणजीत सहित 10-12 अन्य लोग लाठी, सरिए और लकड़ियां लेकर जबरन घर में घुस आए। आरोपियों ने जगदीश नामक युवक को जमीन पर पटककर गंभीर रूप से चोटिल कर दिया। बीच-बचाव करने आए उसके माता-पिता के साथ भी मारपीट की गई।

रिपोर्ट में उल्लेख है कि आरोपी हिम्मत सिंह और गिरराज ने घर की बहू के साथ अभद्रता करते हुए उसे गाड़ी में डालकर ले जाने का प्रयास किया। इस दौरान आरोपी महिलाओं ने पीड़िता के गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। घटना के बाद आरोपी पीड़ितों को घसीटते हुए गांव के चारभुजा नाथ मंदिर ले गए, जहां तीनों पीड़ितों को खंभे से बांध दिया गया। आरोपियों ने ग्रामीणों को चेतावनी दी कि यदि किसी ने वीडियो बनाया या पुलिस में गवाही दी तो नतीजे गंभीर होंगे। पीड़ितों को दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक बिना पानी दिए धूप में बांधकर रखने का आरोप है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने पीड़ित नंद लाल के साथ अमानवीय कृत्य करने का प्रयास किया। साथ ही जमीन के दस्तावेज नाम करने अथवा 9 लाख रुपये की रंगदारी देने का दबाव बनाया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना से दो-तीन दिन पूर्व आरोपियों ने गांव में परिवार का सामाजिक बहिष्कार करवाते हुए राशन व अन्य सामान मिलने पर रोक लगा दी थी। मांडल थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और छीने गए आभूषणों की बरामदगी की मांग की है।

भरतपुर की सुजान गंगा नहर में युवक ने छलांग लगाई

भरतपुर, (निसं)। सुजान गंगा नहर में सोमवार दोपहर एक अज्ञात युवक के छलांग लगाने की सूचना से हड़कंप मच गया। युवक को नहर में छलांग लगाते देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही चौबुर्जा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। इसके बाद सिविल डिफेंस टीम को मौके पर बुलाया गया।

चौबुर्जा चौकी इंचार्ज राकेश मान ने बताया कि दोपहर सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति नहर में कूद गया है। सूचना मिलते ही चौकी का जाब्ता मौके पर पहुंचा और पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी गई। इसके बाद सिविल डिफेंस एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नहर में रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस का अतिरिक्त जाब्ता भी मौके पर मौजूद है।

युवती की मौत

रामगंजमंडी, (निसं)। सीमेंट रोड पर बापना पेट्रोल पंप के सामने सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 25 वर्षीय युवती की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार मीनाक्षी मालवीय पत्नी सोनू मालवीय अपने दो मासूम बच्चों के साथ स्कूटी से खैराबाद तेजाजी के मेले में जा रही थी। इसी दौरान बापना पेट्रोल पंप के सामने एक ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मीनाक्षी गंभीर रूप से घायल हो गई।

सीकर नगर परिषद में सभापति के पद पर कांग्रेस की खतीजा बानो विजयी

सीकर, (निसं)। सीकर नगर परिषद में सभापति के पद पर खतीजा बानो जीत गई हैं। खतीजा बानो को 41 वोट मिले और भाजपा की सभापति पद की प्रत्याशी कंचन खड़ोलिया को 24 वोट मिले। इसके साथ ही कांग्रेस की खतीजा ने भाजपा की कंचन को 17 वोटों से हरा दिया। खतीजा बानो पूर्व सभापति जीवण खां की पत्नी हैं।

सभापति पद की वोटिंग के बाद कांग्रेसी पार्षदों को उपसभापति के चुनाव के लिए दोबारा बाड़ाबंदी में भेज दिया है। 22 सितंबर को सभी पार्षद उपसभापति का वोट डालने आएंगे और इसके बाद सभी को घर भेजा जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी सुभाष चंद्र ने सभापति खतीजा बानो को निर्वाचन प्रमाण पत्र दिया। इसके बाद खतीजा बानो ने विधायक राजेंद्र पारीक, कांग्रेसी पार्षदों और परिवार के साथ विक्ट्री साइन बनाकर ग्रुप फोटो खिंचवाया।

सीकर में पत्नी खतीजा बानो की जीत के बाद पूर्व सभापति जीवण खां भावुक हो गए। इस दौरान उन्होंने विधायक राजेंद्र पारीक का आशीर्वाद भी लिया। सभापति खतीजा बानो के पति पूर्व सभापति जीवण खां ने कहा कि पत्नी ही घर की अन्नदाता होती है। पहले खतीजा ने वार्ड से चुनाव लड़कर मुझे सौंपा, इसके बाद सभापति का उपचुनाव हार गई। इसके बाद 10 साल तक मैं सभापति रहा और अब पत्नी को जिम्मेदारी मिली है।

करंट लगने से अधेड़ की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया स्थित भैसेर कोतवाली में पानी की मोटर चालू करते करंट लगने से एक अधेड़ की मौत हो गई। उसके पुत्र की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

मथानिया पुलिस ने बताया कि वार्ड नंबर एक गवारिया बस्ती निवासी देवाराम भैसेर कोतवाली में पानी की मोटर चालू कर रहा था, तब उसे करंट लग गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। उसके पुत्र भोमाराम की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई।

चूरू में भाजपा के विनय गोयनका को सभापति का ताज

भाजपा को 34 वोट, कांग्रेस के संजय भाटी को 26 वोट मिले

चूरू, (निसं)। चूरू नगर परिषद में कमल खिला है। यहां भाजपा के विनय उर्फ शेरू गोयनका भाजपा के नए सभापति निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ ही चूरू नगरपरिषद में भाजपा ने कब्जा कर लिया है। गोयनका के सभापति बनने के बाद सोमवार को भाजपा समर्थकों ने आतिशबाजी कर और मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई।

भाजपा समर्थकों ने राजेन्द्र राठौड़ व भाजपा जिन्दाबाद के नारे भी लगाए। नवनिर्वाचित सभापति गोयनका ने इस जीत को पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, भाजपा जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा व पार्टी के कार्यकर्ताओं की जीत बताई। इससे पहले सोमवार सुबह 10 बजे नगर परिषद में मतदान हुआ। करीब सवा 11 बजे मतदान पूर्ण हो गया। इसके बाद मतगणना शुरू हुई। जिसमें भाजपा के विनय गोयनका को 34 वोट और कांग्रेस के संजय भाटी को 26 वोट मिले। रिटर्निंग अधिकारी श्वेता कोचर ने मतगणना पूरी होने के बाद सभापति पद के लिए विजयी हुए विनय गोयनका को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई और विजेता प्रमाण-पत्र दिया। सभापति बनने के बाद विनय गोयनका ने कहा कि शहर में बारिश के बाद एकत्रित होने वाले गंदे पानी की निकासी करवाना, शहर को साफ व स्वच्छ रखने के लिए सफाई व्यवस्था बनाये रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि वह बिना भेदभाव के शहर का विकास करवायेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सभापति बनने के बाद विनय गोयनका व पार्षदों ने जीत की विक्ट्री दिखाई।

डीडवाना नगर परिषद सभापति चुनाव में भाजपा की सात साल बाद वापसी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना नगर परिषद के सभापति के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने सात साल बाद वापसी कर ली है। भाजपा और यूनुस खान गठबंधन के उम्मीदवार भंवरलाल पंवार डीडवाना के नए सभापति चुने गए हैं। भंवरलाल पंवार ने कांग्रेस के बाबू खान बेगाना को 16 के मुकाबले 24 मतों से शिकस्त दी है। भंवरलाल पंवार को कुल 24 वोट मिले हैं, जबकि बाबू खान बेगाना को 16 वोट ही मिल सके।

भंवरललाल पंवार की जीत की जैसी ही घोषणा हुई, वैसे ही यूनुस खान खेमे और भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और उन्होंने जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद के बाहर जमकर नारेबाजी की, साथ ही आतिशबाजी कर और मिठाइयां खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। 40 सदस्यीय डीडवाना नगर परिषद में इस बार किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था। भाजपा को 9, कांग्रेस को 16 और आरएलपी को एक सीट मिली थी। जबकि 14 सीटें निर्दलीयों ने जीती थी। निर्दलीयों में से बड़ा धड़ा यूनुस खान खेमे का था। इसके बाद विधायक यूनुस खान और भाजपा के बीच समझौता हुआ और यूनुस खान के खेमे के निर्दलीय पार्षद भंवरलाल पंवार को भाजपा ने अपना अधिकृत प्रत्याशी घोषित कर दिया, वहीं कांग्रेस ने पूर्व पालिका अध्यक्ष रहे बाबू खान बेगाना को अपना उम्मीदवार बनाया।

इसके बाद आज हुए चुनाव में सभी पार्षद मतदान करने पहुंचे। जिसमें भंवरलाल पंवार 24 और बाबू खान बेगाना को 16 मत मिले। विधायक यूनुस खान ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ ही भाजपा आलाकमान का आभार जताया। वहीं भंवरलाल पंवार ने कहा कि विधायक यूनुस खान और भाजपा ने उन पर जो भरोसा जताया है उस पर वे पूरा खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

सभापति भंवरलाल पंवार का लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

धरना जारी

लूणकरणसर, (निसं)। मलकीसर रेलवे फाटक को बंद कर अंडरब्रिज बनाने की बात का विरोध करते हुए ग्रामीणों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। दो दर्जन गावों के ग्रामीण रेलवे फाटक पर जमे हुए हैं। ग्रामीणों ने ओवरब्रिज बनाने की मांग को लेकर विरोध जारी रखने का फैसला किया है।

खेतड़ी में स्वामी विवेकानंद-राजा अजीतसिंह की अमर मित्रता को नया स्मारक मिला

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत को सोमवार को एक नई सौगात मिली। रामकृष्ण मिशन आश्रम में "राजा अजीत सिंह स्मृति भक्त निवास" का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ के उपाध्यक्ष स्वामी सुहितानंद महाराज मुख्य अतिथि रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता रामकृष्ण मिशन खेतड़ी के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने की। कार्यक्रम के दौरान स्वामी सुहितानंद महाराज एवं स्वामी सर्वलोकानंद महाराज ने फीता काटकर अजीत सिंह स्मृति भक्त निवास का उद्घाटन किया।

- रामकृष्ण मिशन आश्रम में "राजा अजीत सिंह स्मृति भक्त निवास" का उद्घाटन
- 'यह भवन केवल ईंट और पत्थरों से नहीं, बल्कि आपकी श्रद्धा और विश्वास से बना है'

वहीं हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतड़ी कॉपर कॉम्प्लेक्स की ओर से सीएसआर योजना के तहत भक्त निवास में स्थापित किए गए 40 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर पावर प्लांट का भी उद्घाटन किया गया। सोलर प्लांट का लोकार्पण स्वामी सुहितानंद महाराज एवं केसीसी के कार्यकारी निदेशक पुरूषोत्तम दास बोहरा ने किया। मुख्य अतिथि स्वामी सुहितानंद महाराज ने कहा कि यह भक्त निवास दूर-दराज से खेतड़ी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवास की उत्तम सुविधा उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि इससे खेतड़ी की आध्यात्मिक विरासत को आगे बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने खेतड़ी नरेश राजा अजीत सिंह और स्वामी विवेकानंद की ऐतिहासिक मित्रता को याद करते हुए कहा कि दोनों का संबंध पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद को शिकागो भेजने में राजा अजीत सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। राजा अजीत सिंह ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिभा को पहचाना और उनके कार्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। खेतड़ी और रामकृष्ण मिशन के इतिहास में यह संबंध आज भी विशेष महत्व रखता है।

खेतड़ी के रामकृष्ण मिशन आश्रम में राजा अजीत सिंह स्मृति भक्त निवास का रामकृष्ण मिशन बेलूर मठ के उपाध्यक्ष स्वामी सुहितानंद महाराज एवं अन्य संतों ने उद्घाटन किया।

रामकृष्ण मिशन खेतड़ी के सचिव स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने भक्त निवास के निर्माण में सहयोग देने वाले सभी भामाशाहों, दानदाताओं, सहयोगियों और श्रमिकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि अनेक लोगों के तन, मन और धन के सहयोग से यह भव्य भवन आकार ले सका है। उन्होंने कहा, यह भवन केवल ईंट और पत्थरों से नहीं, बल्कि आपकी श्रद्धा और विश्वास से बना है।

स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने कहा कि खेतड़ी का संबंध केवल एक नगर से नहीं, बल्कि देश के गौरवशाली इतिहास से है। राजा अजीत सिंह ने स्वामी विवेकानंद को पहचाना, उन्हें शिकागो जाने के लिए सहयोग दिया और विश्व पटल पर भारत का नाम ऊंचा करने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी स्मृति में निर्मित यह भक्त निवास उसी ऐतिहासिक विरासत को नमन है।

इस अवसर पर स्वामी आत्मनिष्ठानंद महाराज ने हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, एसएमएस लिमिटेड, मोदी फाउंडेशन, नीता बसु, अमिताभ भट्टाचार्य, बख्शीराम एवं कालीचरण सहित भक्त निवास के निर्माण में सहयोग करने वाले भामाशाहों को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वामी योगयुक्तानंद, स्वामी सुभंगानंद, स्वामी प्रशांतानंद, स्वामी हरिहरानंद, स्वामी सर्वलोकानंद, स्वामी शांतिधनानंद, स्वामी जगदीशानंद, स्वामी त्यागमयानंद, स्वामी गुरु कृपानंद, स्वामी भित्तिहरानंद, मुरारीसानंद, ब्रह्मचारी ब्रह्मचैतन्य, डॉ. सतीश तंवर, बक्शी राम सोनगरा, पवन पालीवाल, त्रिलोक जोधपुरिया, ग्यारसी लाल, रोशन लाल सैनी, कृष्ण कुमार, बजरंग लाल वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जालोर में कांग्रेस का दस सल बाद बोर्ड, बंशीलाल सभापति बने

जालोर नगरपरिषद में कांग्रेस सांचोर, भीनमाल, सायला व आहोर में भाजपा बोर्ड बनाने में सफल हुई

जालोर, (कासं)। जालोर नगरपरिषद में सभापति के चुनाव सोमवार को सम्पन्न हुए। कांग्रेस के बंशीलाल माली जालोर नगरपरिषद के सभापति निर्वाचित हुए। कांग्रेस करीब दस साल के बाद जालोर नगरपरिषद में बोर्ड बनाने में सफल हुई। उपसभापति के चुनाव 22 सितम्बर को संपन्न होंगे।

- कांग्रेस के बंशीलाल माली को 23 मत व भाजपा के जयसिंह को 17 मत प्राप्त हुए, इस प्रकार कांग्रेस के बंशीलाल माली जालोर नगरपरिषद के सभापति निर्वाचित हुए

जालोर नगरपरिषद के सभापति चुनाव में कांग्रेस के बंशीलाल माली निर्वाचित हुए।

जालोर जिले के पांच निकाय में सभापति व अध्यक्ष के चुनाव में जालोर नगरपरिषद में कांग्रेस, सांचोर, भीनमाल, सायला व आहोर में भाजपा बोर्ड बनाने में सफल हुई। जालोर नगरपरिषद के चालीस वार्डों के पार्षदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान प्रात: 10 बजे शुरु हुआ, सबसे पहले निर्दलीय पार्षद कैलाश कुमार ने मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान किया, इसके बाद निर्दलीय पार्षद पपूदेवी व मनीष कुमार कुमावत ने मतदान किया, करीब प्रात: 11 बजे निर्दलीय पार्षद सागर मेहर ने मतदान केन्द्र आकर मतदान किया।

सभी निर्दलीय पार्षद वाहनों के माध्यम से मतदान केन्द्र पहुंचे। वही करीब साढे ग्यारह बजे एक बस से पुरी सुरक्षा के बीच करीब उन्नीस कांग्रेसी पार्षद, तीन निर्दलीय पार्षद के साथ मतदान केन्द्र पहुंचे। निर्दलीय पार्षद बंसती देवी, नर्मदा देवी व हुकमीचंद सोलंकी ने कांग्रेस के पार्षदों के साथ मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया। कांग्रेस की बस आने पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर पार्षदों का हौसला बढ़ाया। भाजपा के संगठन प्रभारी महेन्द्र कुमार के साथ भाजपा के चौदह पार्षदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के बाद निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार ने चुनाव परिणाम घोषित करते हुए बताया कि कांग्रेस के बंशीलाल माली को 23 मत व भाजपा के जयसिंह को 17 मत प्राप्त हुए, इस प्रकार कांग्रेस के बंशीलाल माली जालोर नगरपरिषद के सभापति निर्वाचित हुए। इसके बाद निर्वाचन अधिकारी ने नवनिर्वाचित सभापति बंशीलाल को शपथ दिलाई।

सभापति बंशीलाल ने निर्वाचन के बाद कहा कि यह जीत आम जालोर की जनता की जीत है, उनकी पहली प्राथमिकता सफाई, सुन्देलाव तालाब का सौन्दर्यकरण, सड़क, रोड लाईट सहित शहर के विकास में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ी जायेगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 26 नवंबर 2009 को नगरपालिका अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस की इंदू परिहार निर्वाचित हुई थीं। बाद में 30 अप्रैल 2012 को उन्हें सभापति के रूप में उल्लेखित किया गया। इसके बाद कांग्रेस संगठन लगातार दो बार बोर्ड बनाने में सफल नहीं हो सका। इस बार बंशीलाल माली की जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल रहा। नवनिर्वाचित सभापति बंशीलाल माली ने कहा कि शहरी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था, सुंदेलाव तालाब के सौंदर्यीकरण और गंदे पानी की आवक को रोकने के लिए विशेष प्रोजेक्ट पर काम किया जाएगा।

सार-समाचार

राजगढ़ में भाजपा की रेखा देवी ने निर्दलीय राजकुमार सैनी को हराया

राजगढ़ । नगर पालिका अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा की रेखा देवी ने निर्दलीय प्रत्याशी राजकुमार सैनी को 18 मतों से हराया। 40 वार्ड पार्षदों की नगरपालिका में भाजपा प्रत्याशी रेखा देवी को 29, निर्दलीय राजकुमार सैनी को 11 मत प्राप्त हुए।विजेता प्रत्याशी रेखा देवी को रिटर्निंग अधिकारी सीमा मीणा ने शपथ दिलाई एवं प्रमाण पत्र सौपा। इससे पूर्व भाजपा समर्थित प्रत्याशियों एवं निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थकों ने दोपहर 12 बजे तक मतदान कर अपना पक्ष रखा। विजेता भाजपा प्रत्याशी रेखा देवी को रिटर्निंग अधिकारी सीमा मीणा ने शपथ दिलाई एवं विजेता का प्रमाण पत्र सोपा। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि अध्यक्ष पद का चुनाव में मतदान शांतिपूर्ण एवं पारदर्शिता पूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इससे पूर्व पुलिस उप अधीक्षक देशराज कुलदीप के नेतृत्व में राजगढ़,टहला, रेणी एवं अन्य थानों की पुलिस के साथ आर ए सी के जवान तैनात किए गए। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस ने दो स्तरीय बेरीकेटिंग की। इसके बाद मतदाताओं को अंदर प्रवेश दिया गया। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी सीमा मीणा,सहायक रिटर्निंग अधिकारी रतनलाल बंसीवाल, अधिशासी अधिकारी विक्रांत शर्मा, एवं पुलिस बल मौजूद रहा। भाजपा की रेखा देवी निर्वाचित होने की सूचना के बाद परिजनों एवं समर्थक्रो ने विजय जुलूस निकाला। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी समर्थकों एवं परिजनों ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर खुशी का इजहार किया ।

संयम ही कर्मों को रोकने का एकमात्र मार्ग है : सुन्दर सागर महाराज

निवाई। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर एवं श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के सानिध्य में पर्युषण दशलक्षण पर्व के छटवें दिन संगीतमय उत्तम संयम धर्म की विशेष पूजा अर्चना कर अनुष्ठान किया गया। रविवार को बड़ा जैन मंदिर में वार्षिक कलशाभिषेक किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर माला पहनने का सौभाग्य प्रकाशचन्द बडेरा को मिला। दशलक्षण महापर्व के तहत सन्मति सुन्दर श्रावक संस्कार शिविर में सोमवार को उत्तम संयम धर्म की विशेष पूजा अर्चना की गई, जिसमें त्यागी तपस्वियों सहित 200 शिविरार्थियों ने अनुष्ठान में भाग लेकर उत्तम संयम धर्म की आराधना की। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी सुनिल भाणजा व विमल पाटनी ने बताया कि दशलक्षण धर्म कार्यक्रम से पूर्व मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी के समक्ष मंदिर अध्यक्ष सुशील जैन, दिगम्बर जैन अठावाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा, नेमीचंद सिरस एवं महेश मोटूका ने दीप प्रज्वलित किया। शिविर से पूर्व आचार्य सुन्दर सागर महाराज, मुनि श्रुंताश सागर महाराज, एवं आर्यिका सुलक्ष्य मति माताजी के विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ जी का अभिषेक एवं शांतिधारा की। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता हितेश छाबड़ा एवं रोनक बोहरा ने बताया कि धार्मिक शिविर में ध्यान क्रिया एवं योगा क्रिया की गई, उसके बाद सेंकडों श्रद्धालुओं ने नव देवता पूजा, देव शास्त्र गुरु पूजन, आचार्य आदि सागर महाराज अंकलीकर पूजा, आचार्य महावीर कीर्ति महाराज, आचार्य विमल सागर महाराज, आचार्य सन्मति सागर महाराज एवं आचार्य सुन्दर सागर महाराज की संगीतमय पूजन किया। इसके पश्चात आचार्य सुन्दर सागर महाराज के पांच दिन के उपवास के बाद छटे दिन महापारणा हुआ।

चौमूं नगरपरिषद में आशीष दुसाद सभापति बने

उर्मिला कुमावत कालाडेरा नगरपालिका की पहली अध्यक्ष बनी ।

- आशीष दुसाद को कुल 33 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी रजनी सैनी के खाते में 12 वोट आए रिटर्निंग अधिकारी ने नवनिर्वाचित सभापति आशीष दुसाद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

चौमूं / कालाडेरा । चौमूं नगरपरिषद व कालाडेरा नगर पालिका में भाजपा ने बोर्ड बना लिया है। चौमूं नगर परिषद के सभापति पद के चुनाव में बीजेपी के आशीष दुसाद ने जीत दर्ज करते हुए सभापति की कुर्सी पर कब्जा जमाया है। चौमूं नगर परिषद के रिटर्निंग अधिकारी चौमूं उपखण्ड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ ने चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों के पार्षदों के मतदान करने के बाद परिणाम घोषित किया। आशीष दुसाद को कुल 33 वोट मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी रजनी सैनी के खाते में 12 वोट आए रिटर्निंग अधिकारी ने नवनिर्वाचित सभापति आशीष दुसाद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं कालाडेरा नगर पालिका के अध्यक्ष के चुनाव में बीजेपी की उर्मिला कुमावत ने जीत दर्ज करते हुए अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा जमाया है। नगर पालिका कालाडेरा की रिटर्निंग अधिकारी मुक्ता राव ने कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डो के पार्षदों के मतदान करने के बाद परिणाम घोषित किया। उर्मिला कुमावत को कुल 13 वोट मिले, जबकि कांठोस प्रत्याशी बबीता कुमावत के खाते में 7 वोट आए। रिटर्निंग अधिकारी मुक्ता राव ने नगर पालिका कालाडेरा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष उर्मिला कुमावत को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। चौमूं नगरपरिषद में कुल 45 वार्ड हैं। इनमें भाजपा के 30 पार्षद, कांठोस के 12 पार्षद और 3 निर्दलीय पार्षद हैं। सभापति चुनाव के दौरान तीनों निर्दलीय पार्षदों के भाजपा के समर्थन में आने से चुनाव का गणित पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में चला गया और आशीष दुसाद ने 33 मत हासिल कर 21 वोटों से जीत दर्ज की। उन्होंने कांठोस की रजनी सैनी को 21 वोटों से हराया है। वहीं कालाडेरा नगर पालिका के कुल 20 वार्ड है। इनमें भाजपा के 12 पार्षद, कांठोस के 7 पार्षद और 1 निर्दलीय पार्षद हैं। अध्यक्ष के चुनाव के दौरान 1 निर्दलीय पार्षद के भाजपा के समर्थन में आनें से चुनाव का गणित पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में चला गया और उर्मिला कुमावत ने 13 मत हासिल कर 6 वोटों से जीत दर्ज की। उर्मिला कुमावत ने कांठोस की बबीता कुमावत को 6 वोटों से हराया है। चुनाव परिणाम सामने आते ही भाजपा खेमे में उत्साह का माहौल नजर आया। समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया और चौमूं नगर परिषद के नवनिर्वाचित सभापति आशीष दुसाद व कालाडेरा नगर पालिका की अध्यक्ष उर्मिला कुमावत का स्वागत किया। सभापति चुने जाने के बाद आशीष दुसाद ने कहा कि चौमूं के विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। शहर की मूलभूत सुविधाओं, विकास और जनहित से जुडे कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की बात उन्होंने कही। खास बात यह है कि आशीष दुसाद इससे पहले भी वर्ष 2010 से 2015 तक चौमूं नगरपालिका के चेयरमैन रह चुके है। अब एक बार फिर उन्हें शहर की स्थानीय सरकार की जिम्मेदारी मिली है। सभापति चुनाव के नतीजों के साथ चौमूं नगरपरिषद में भाजपा का बोर्ड बनना स्थानीय राजनीति में अहम माना जा रहा है। कालाडेरा नगर पालिका की अध्यक्ष उर्मिला कुमावत ने बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। कस्बे की मूलभूत सुविधाओं, विकास और जनहित से जुडे कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढाने के साथ ही कस्बे वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने की बात कही। इस दौरान गोविन्दगढ डिप्टी शिवा शर्मा कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनियां, सहित पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर मौजूद रहे।

सार-समाचार

रामदेव जयंती पर भजनों और जयकारों से गूंजा करीरी

मनोहरपुर । ग्राम करीरी स्थित रामदेव मंदिर में सोमवार को रामदेवजी महाराज की जयंती श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। जयंती समारोह को लेकर मंदिर परिसर को फूलों, आकर्षक सजावट और मनमोहक झांकियों से सजाया गया। सुबह से ही मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। उपसरपंच प्रतिनिधि संग्राम सिंह शेखावत के नेतृत्व में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बडी संख्या में ग्रामीणों एवं आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने रामदेव बाबा के दर्शन किए। जयंती के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। रामदेव बाबा को विधिवत भोग लगाकर आरती की गई और क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। मंदिर पुजारी बाबूलाल सबल ने बताया कि पूजा-अर्चना एवं आरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसर में सजाई गई आकर्षक झांकियां भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। समारोह के दौरान आयोजित भजन संध्या में नवरत्न शर्मा एंड पार्टी करीरी के कलाकारों ने रामदेव बाबा की महिमा और भक्ति से जुडे भजनों की प्रस्तुतियां दीं। भजनों और जयकारों से पूरा गांव भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु देर रात तक भजनों पर झूमते रहे और रामदेव बाबा के जयकारे लगाते रहे। ग्रामीणों की ओर से मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। उपसरपंच प्रतिनिधि संठााम सिंह शेखावत ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से गांव में आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सद्भाव मजबूत होता है। कार्यक्रम में हनुमान सहाय मीणा, मोहन पटवारी, चंदन शेखावत, बाबूलाल सबल, बंशीधर सबल, प्रहलाद वर्मा, मनोज मीणा, दिनेश वर्मा, गजानंद मीणा, उमेश मीणा, रोहिताश मीणा, पपन कुमावत, रामजी लाल पारीक सहित अनेक ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

लालसोट में 'कपिल सरकार' का आगाज, 7 वोट से भाजपा को पटका

लालसोट। नगर परिषद लालसोट की सभापति कुर्सी को लेकर चल रही सियासी जंग का सोमवार को जोरदार पटाक्षेप हुआ। कांग्रेस के कपिल पुरोहित ने 7 मतों के अंतर से भाजपा की पिंकी चतुर्वेदी को शिकस्त देकर सभापति की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। 35 पार्षदों ने मतदान किया और मतगणना में कपिल पुरोहित को 21 वोट, जबकि पिंकी चतुर्वेदी को 14 वोट मिल । कपिल की जीत के साथ ही नगर परिषद की राजनीति में नया अध्याय शुरू हो गया है। परिणाम सामने आते ही समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। नवनिर्वाचित सभापति कपिल पुरोहित ने राष्ट्रदूत संवाददाता से बातचीत में स्पष्ट शब्दों में कहा कि 21 सितंबर से नगर परिषद कार्यालय में भ्रष्टाचार खत्म करने की दिशा में काम शुरू होगा।

चोरी प्रकरण में फरार आरोपी गिरफ्तार, साथ ही मोटरसाइकिल जब्त

टोंक । जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना द्वारा चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ विशेष अभियान के वृताधिकारी निवाई रवि प्रकाश के सुपरविजन एवं निवाई थानाधिकारी घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अभियान में कार्यवाही करते हुए क्षैत्र में गस्त के दौरान तकनीकी साक्ष्यो व मुखबिर की सुचना पर आरोपी सुनील कुमार पुत्र ओमप्रकाश प्रजापत उम्र 32 साल निवासी श्रीरामपुरा थाना माधोराजपुरा जिला जयपुर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया जाकर उसकी निशान देही पर चोरी गई मोटरसाईकिल को बरामद किया गया है। निवाई थानाधिकारी ने बताया कि गत 17 सितम्बर को परिवादी दिलीप कुमार डासवानी पुत्र नरेन्द्र कुमार सिंधी उम्र 52 साल निवासी गली न॰ 5 सिंधी कालोनी निवाई की मोटरसाइकिल अपने घर के सामने स्थित गैरेज पर खडी करके जाने के बाद वापस आने पर मोटरसाइकिल गायब मिलने के बाद परिवादी ने निवाई थाना मे प्रकरण दर्ज कराया।

700 ग्राम गांजा सप्लाई करने वाला आरोपी राजेन्द्र उर्फ पप्पोली गिरफ्तार

भरतपुर (निसं)। थाना बयाना कोतवाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा सप्लाई करने के मामले में वांछित आरोपी राजेन्द्र उर्फ पप्पोली को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर दो आरोपियों को गांजा उपलब्ध कराने का आरोप है। मामले में दो आरोपियों को पुलिस पूर्व में ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार 5 अगस्त 2026 को गश्त के दौरान रेलवे लाइन एवं रीको बयाना के पास एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को पुलिस टीम ने संदिग्ध अवस्था में देखा। पुलिस को देखकर दोनों वापस जाने लगे, जिस पर उन्हें रोककर तलाशी ली गई। पूछताछ में दोनों ने अपने नाम धर्मवीर सिंह पुत्र बहादुर सिंह गुर्जर तथा गणेशपुरी पुत्र सामन्तपुरी गुसाईं बताए।

स्वच्छता का संदेश

कोटा, (निसं)। स्वच्छ सार्वजनिक स्थल थीम के तहत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

नाम परिवर्तन

मैं साजिदा बानो कादरी पत्नि नौशाद अली कादरी ने अपना नाम साजिदा बानो (SAZIDA BANO) से बदल कर साजिदा बानो कादरी (SAZIDA BANO QADRI) रख लिया है। भविष्य में मुझे सभी प्रयोजनों के लिए इसी नाम से जाना पहचाना जाये।

पता आशियाना रोशन रामदेव मन्दिर के पास बड़ी जस्सोलाई बीकानेर

अग्रसेन जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक

निवाई। अग्रवाल समाज के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन महाराज की 5180 जन्म जयंती की तैयारियों को लेकर भंवरलाल सीदडा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। जिसमें महाराजा अठासेन महाराजजी की जयंती की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। प्रधानाचार्य राकेश अग्रवाल व ताराचंद बोहरा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन महाराज जयंती का शुभारंभ 10 अक्टूबर को अठावाल धर्मशाला में सुबह ध्वजा रोहण के साथ होगा। 9 बजे से रक्तदान शिविर का आयोजन होगा एवं सांय काल नसियां जैन मंदिर में महिला मण्डल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसी प्रकार 11 अक्टूबर को महाराजा अठासेन महाराज का अग्रवाल धर्मशाला से विशाल शोभायात्रा का जुलूस रवाना होकर नसियां जैन मंदिर में पहुंचेगी। उसके पश्चात समस्त अग्रवाल समाज का सामूहिक स्नेह भोज का आयोजन होगा।

निवाई पालिका चुनाव में भाजपा के नरेंद्र शर्मा 2 मत से जीते

- भाजपा के 18, कांग्रेस के 19 व 3 निर्दलीयों ने किया मतदान
- परिणाम घोषित होते ही हजारों कार्यकर्ता, गोरक्षक और समर्थक नगरपालिका कार्यालय पहुंचे, जहां सबने मिलकर नरेंद्र शर्मा, विधायक रामसहाय वर्मा और भाजपा के समर्थन में जमकर नारेबाजी की

निवाई। नगर पालिका चुनाव 2026 को लेकर सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव संपन्न हुए। भाजपा के नरेंद्र शर्मा ने जीत दर्ज कर शहर के सबसे युवा चेयरमैन चुने गए हैं। सोमवार की सुबह भाजपा उम्मीदवार नरेंद्र शर्मा और कांठोस उम्मीदवार नगरपालिका कार्यालय पहुंचे। जहां नगर पालिका चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने उम्मीदवारों के समक्ष मतदान पेटी को सील किया। मतदान ठीक 10 शुरू हुआ। सर्व प्रथम कांग्रेस पार्षद दुर्गा लाल सैनी ने अपना मत डाला। इसके बाद भाजपा के 18 पार्षदों व एक निर्दलीय प्रत्याशी ने मतदान किया। इसके बाद कांग्रेस की डोली चौधरी व अनुराधा जाट ने अपने मत का प्रयोग किया। इसके तुरंत बाद शेष सभी पार्षदों ने मतदान किया। मतदान पूर्ण होने के बाद मत गणना हुई। दोपहर करीब 12:40 बजे परिणाम की घोषणा की गई। उन्होंने बताया कि 40 पार्षदों ने मतदान किया। मतगणना में भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र कुमार शर्मा को 21 मत मिले और कांग्रस प्रत्याशी रेखा जैन को 19 मत मिले। रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने भाजपा प्रत्याशी नरेंद्र शर्मा को 2 मतों से को विजयी घोषित कर दिया। चुनाव में कांठोस के 19 पार्षद, भाजपा के 18 पार्षद व तीन निर्दलीय पार्षद जीतकर आए थे। घोषित परिणाम में भाजपा को 18 के मुकाबले 21 मत मिले जबकि कांग्रेस के 19 पार्षद जीतकर आए थे और मतदान के दौरान भी कांग्रेस प्रत्याशी रेखा जैन को 19 वोट ही मिले हैं। परिणाम घोषित होते ही हजारों कार्यकर्ता, गोरक्षक और समर्थक नगरपालिका कार्यालय पहुंच गए। जहां सबने मिलकर नरेंद्र शर्मा, विधायक रामसहाय वर्मा और भाजपा के समर्थन में जमकर नारेबाजी की।

श्रीगोपाल गौशाला के सचिव पवन कुमार मोदी बने सांभर नगरपालिका के चैयरमेन

सांभरझील, (निसं)। सांभर में पांच वर्ष से अधिक समय के बाद शहर की सरकार को आज नया मुखिया मिल गया। भारतीय जनता पार्टी के चैयरमेन पद के लिए अधिकृत उम्मीदवार पवन कुमार मोदी (एम ए समाजशास्त्र) चुनाव जीत गए, उन्होंने प्रतिद्वंदी इंडियन नेशनल कांठोस की उम्मीदवार नमिता शर्मा को हराकर सांभर के प्रथम नागरिक होने का गौरव हासिल किया। भाजपा चुनाव जीतने के बाद पूरी तरह से गदगद है। राजनीति के इतिहास में यह हर्षमिश्रित आश्चर्यपूर्ण अनुभव भी लोगों का रहा कि प्रथम बार मंडल अध्यक्ष बनने के बाद चुनावी मैदान में उतरे, तमाम राजनीतिक बाथाओ को पार करते हुए सांभर के सिरमौर बनने मैं कामयाब हुए। पिछली दफा अपनी ही राजनीतिक गलतियों से सबक लेते हुए भाजपा ने इस बार ठोस रणनीति के साथ फूंक फूंक कर कदम रखा। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने अंत तक इस पर पूरी नजर बनाए रखी। जिला स्तर पर राजनीति की कमान संभाले राजेश गुर्जर की भूमिका सकारात्मक परिणाम के साथ सामने आई। नवनिर्वाचित पार्षदों ने विधिवत प्रक्रिया के जरिए चैयरमेन पद के चुनाव में भाग लिया। भाजपा के उम्मीदवार पवन कुमार मोदी को नगरपालिका चेयरमैन का ताज नसीब हुआ। बताना बेहद जरूरी है कि राजनीतिक दृष्टि और विकास से आहत सांभर को कई दशकों से राहत का इंतजार बना हुआ है। खासकर बीते पांच वर्षों में राजनीति का जिस तेजी से पतन हुआ वह किसी से छिपा नहीं है। निवर्तमान नगर पालिका के बोर्ड पर जो भ्रष्टाचार का धब्बा लगा उसने मतदाताओं के दिलों पर भी चोट पहुंचाने का काम किया। नवनिर्वाचित चैयरमेन और उनकी टीम के सामने अब एक कठिन चुनौती भी है। आगामी 5 सालों मे जनता के मापदंडों पर खरा उतरकर सांभर की दशा और दिशा बदलने मे खुद की सक्षमता साबित करने से कहीं अधिक हजारों मतदाताओं के दिलों में खोए विश्वास को फिर से लौटाना ही उनकी खुद की भविष्य की राजनीति को भी तय करेगा।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांकः3830 दिनांकः15/09/26

जाहिर आम-सूचना सुश्री वन्दना माहेश्वरी पुत्री श्री जी.पी. माहेश्वरी को आवास संख्या 185/201 (LIG), (एरिया 60.000 वर्गमीटर,) प्रताप नगर, सांगानेर जयपुर में आवंटन किया जाकर आंवटन पत्र क्रमांक 1359 दिनांक 30.06.2006 को जारी किया गया। सुश्री वन्दना माहेश्वरी की मृत्यु दिनांक 09.05.2023 को हो जाने के कारण उनकी माता श्रीमती लाजवन्ती माहेश्वरी पत्नी स्व. श्री गिर्राज प्रसाद माहेश्वरी द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम शपथ पत्र, क्षितपूर्ति बन्धक पत्र, घोषणा पत्र एवं आश्वयक प्रपत्रों के आधार पर मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती लाजवन्ती माहेश्वरी पत्नी स्व. श्री गिर्राज प्रसाद माहेश्वरी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरे मकान संख्या 3त 31ए, जवाहर नगर, जयपुर का पॉवर ऑफ़ अटॉर्नी कही खो गयी है। मिलने पर सूचित करे-8107287261- संजीव गाँधी

मेरे मकान का पट्टा कही खो गया है एड्रेसः अजबगढ़ उर्फ़ हाड़ी का बास, पोस्ट नटाटा तहसील जमवारामगढ़ जिला जयपुर जारी दिनांक 24/08/1996 प्लाट साइज़ 40 फीट चोडा 60 फीट लम्बाई जो मेरे पिता के नाम से हैः नाम स्व.श्री तेजमालदान चरण। मिलने पर सूचित करे- इन्द्र दान चरण-9145967926

मेरे मकान नम्बर-61/160, सेक्टर-6, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का ओरिजनल अलाटमेंट लेटर+नियमिति करण एवम् अदेय प्रमाण पत्र+हैंड औवर/ टेकेन ओवर कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें मुन्ना देवी-9314872154

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्र सं-WB-74-W-O/Works/NIT/X दिनांकः- 17.09.2026

मंडल रेल प्रबन्धक, इंजीनियरिंग, उत्तर पश्चिम रेलवे, जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमो के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्रो में निविदा निम्न कार्यो के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सूचना सं. : 148 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Supplying of 65 mm gauge machine crushed railway track ballast in stacks & Loading same ballast into Railway ballast hoppers at Haralaya ballast depot of Jodhpur Division. अनुमानित लागत रूपये : 238302579.60 बयाने की राशि रूपये : 4766100.00 ई-निविदा सूचना सं. : 151 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Replacement of Old/ dilapidated quarters by 17 units Type-II, 1 units Type-IV quarters under ADEN/JSM. अनुमानित लागत रूपये : 45034917.70 बयाने की राशि रूपये : 900700.00 ई-निविदा सूचना सं. : 154 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Zone contract (Masonry & Painting Work) Zone 2:- Service Buildings in the Section of SSE/W/B/JU i.e. RKB Station, Parcel office, HRD Training Centre, Rly. institute, PRS, ORH, SRH, Sr. SRH, MS Office, PWI Office, Loco Office, DRM Office, AOTA Office, BRI Office, water supply, complex and other service building at JU under ADEN/HQ/JU for year 2026-27 & 2027-28. अनुमानित लागत रूपये : 21287012.69 बयाने की राशि रूपये : 425800.00 ई-निविदा सूचना सं. : 155 of 2026-27 कार्य का नाम व स्थान : Updating, reconciling, certification and computerisation of land plans for Station area, Railway colony area & mid section including mutation of lands in favour of Railways of Jodhpur Division, North Western Railway. अनुमानित लागत रूपये : 23483727.51 बयाने की राशि रूपये : 469700.00 निविदा सूचना संख्या 148of2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 12/10/2026, 151of2026-27 निविदा प्रस्तुत करने व तिथि 08/10/2026, 154of 2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 08.10.2026 एवं 155of2026-27 निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 09.10.2026 को 15:00 बजे तक है। वेबसाईट का विवरण जहाँ पर ई-निविदा देखी व भरी जा सकती है **www.ireps.gov.in**

1357-CQ/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

जयपुर विकास प्राधिकरण,जयपुर

रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: F-JDA/Zone 07/2026/D-465 **आम सूचना**

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक **326542** दिनांक **21/08/2026** को निम्नांकित भूखण्ड का **Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)** जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	Satyaketu Thanvi S/o VIJAY KRISHNA THANVI	श्री वी.के. थानवी पुत्र श्री दाउ लाल	C217	-	Cooperative	HANUMAN NAGAR SCHEME NO.5 Sector/Block-C	Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)	आवंटन पत्र

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में **Issue of [Lease/ Free Hold] Deed (E-Patta)** जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर **jda.rajasthan.gov.in** पर जाकर **Objection module** के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। **उपायुक्त जोन-07**

शंकरलाल पालिका अध्यक्ष बने

बौंली- बामनवास । क्षेत्र केदोनों नगर नगर पालिकाओं के लिए अध्यक्ष पद के लिए कराए गए चुनाव के दौरान प्रशासन द्वारा की गई घोषणा के अनुसार बौंली नगर पालिका से वार्डनबर 15 से भारतीय जनता पार्टी के वार्ड पार्षद विजय पार्षद शंकरलाल को नगर पालिका अध्यक्ष घोषित किया गया है, बामनवास नगरपालिका में वार्ड नंबर 14 से विजय पार्षद रेखा मीना को नगर पालिकाअध्यक्ष घोषित किया गया है। नगर पालिका बौंली में भारतीय जनता पार्टी को नगर पालिका बौंली में कुल 25 सीटों मेंसे भाजपा को 12 कांठोस को 11 एवं दो निर्दलीय थे।

भगवान झूलेलाल की चालीहा महोत्सव पर बाल कलाकारों का नाटक मंचन

टोंक में चालीहा महोत्सव के तहत सिंधी नाटक भगवान झूलेलाल का मंचन हुआ।

टोंक। निवाई में राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् नई दिल्ली और सिन्धु वीमेन वेलफेयर सोसाइटी निवाई द्वारा झूलेलाल धर्मशाला में संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान चालीहा महोत्सव के तहत सिंधी नाटक भगवान झूलेलाल का मंचन हुआ। इस नाटक का मकसद हिंदू सिंधी समुदाय द्वारा अपने इष्ट देव भगवान झूलेलाल के प्रति आभार जताना और उनका आशीर्वाद लेना था। चालीहा महोत्सव में 40 दिनों तक खास व्रत और पूजा की जाती है। माना जाता है कि भगवान झूलेलाल ने सिंधी समुदाय को हमलावरों के जुल्म और धर्म बदलने के खतरे से बचाया था। समिति अध्यक्ष ऋचा लखी छतवानी ने बताया कि यह सिंधी नाटक स्थानीय बाल कलाकारों ने पेश किया। इसमें मुंबई के संत ठाकुर नितिन साईं और शिक्षिका योग्यता इसरानी खास मेहमान के तौर पर मौजूद रहे। 60 मिनट के इस नाटक में भगवान झूलेलाल की उत्पत्ति को सजीव रूप से दिखाया गया। प्रस्तुति देखकर दर्शक भावुक हो गए, इस दौरान निवाई की मस्तराम मंडली ने गीत-संगीत का खास कार्यक्रम भी पेश किया। सभी बाल कलाकारों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

नम्बर मिलाइए 8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

मालवीय नगर शाखा, सी-30, हरि मार्ग, करधनी शॉपिंग सेन्टर के सामने मालवीय नगर, जयपुर-302017, ई-मेलः maljai@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-IV-क" [नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को **"जैसी है जहां है", "जो है जैसी है" और "जितनी भी उपलब्ध है"** के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/बंधककर्ताओं/जमानतदारों/प्रतिभूत आस्तियों/बकायों/ आरक्षित मूल्य/ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं./ लोट सं.	ऋणियों/जमानतदारों/ बंधककर्ताओं के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्ति के साथ अचल संपत्ति का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया राशि मांग पत्र के अनुसार	ई-नीलामी की दिनांक / ई-नीलामी का समय प्रारम्भ समय से समाप्ति समय	आरक्षित मूल्य / धरोहर राशि (ईएमडी) / बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (सांकेतिक/ वास्तविक)	संपत्ति निरीक्षण की दिनांक व समय
1.	**मैसर्स बाबा राम देव कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियर्स, प्रोपराईटर श्री दीपक कुमार अग्रवाल पुत्र श्री रामजी लाल अग्रवाल** 71, पटेल नगर, राम मंदिर के पिछे, हवा सड़क, सोडाला, 22 गोदाम, जयपुर, राजस्थान 302006 **जमानतदार- श्री संजीव शर्मा पुत्र स्व. श्री हरी किशन शर्मा** 826, कैलाश मार्ग, शिवाजी नगर, सिविल लाईन्स, जयपुर, राजस्थान 302006	श्री संजीव शर्मा पुत्र स्व. श्री हरि किशन शर्मा के नाम साम्यिक बंधक आवासीय फ्लैट नं. 701, सातवीं मंजिल, हेवन्स गार्डन बालाजी टॉवर-V, प्लॉट नं. सी-2, महल रोड़, जगतपुरा, जयपुर 302026 पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1142.09 वर्ग फीट (निर्मित क्षेत्र) है। **सीमाएं-** पूर्वः गलियारा, पश्चिमः खुली जगह, उत्तरः फ्लैट नं 702, दक्षिणः लिफ्ट **अन्य ऋण भारः ज्ञात नहीं**	रूपये 35,70,771.31 दिनांक 30.11.2025 को बकाया एवं आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	28.10.2026 / दोपहर 02:00 बजे से सांय 06:00 बजे तक	**आरक्षित मूल्य-** रूपये 38,55,000/- **धरोहर राशि-** रूपये 3,85,500/- **बोली वृद्धि राशि-** रूपये 20,000/-	सांकेतिक	22.10.2026 सुबह 11:00 बजे से सांय 04:00 बजे तक **ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि और समय-** दिनांक 27.10.2026 सांय 07:00 बजे तक

विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं ऑनलाईन नीलामी पोर्टल https://baanknet.com देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से मोबाईल नं. 8094018319 पर संपर्क कर सकते है।

हस्ता.

दिनांक: 19.09.2026
स्थान: जयपुर

प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

सार-समाचार

प्रतिभा सम्मान समारोह में 65 प्रतिभाएं सम्मानित

राजगढ़। राजगढ़ वैश्य महिला समिति की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित हुआ। इसमें 65 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। राजगढ़ वैश्य महिला समिति की पदमा गोयल ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रहलाद अठावाल पूर्व जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन युवा, विशिष्ट अतिथि अनिल बंसल,डॉ. मोनिका विजय, लोकेश रावत के आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में नवाचार कर शिक्षा के क्षेत्र में सम्मानित डॉ मोनिका विजय का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि ने समिति के कार्यों की सराहना करते उत्साह वर्धन एवं प्रेरणादाई कार्यों के लिए समिति को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सचिव अनिता गुप्ता, कोषाध्यक्ष अनिता बंसल, कृष्ण अग्रवाल, रश्मि विजय, अग्रवाल, इंदिरा खंडेलवाल, मोहिनी खंडेलवाल,, मीना विजय, सीमा विजय, संतोष विजय, रेखा खुटेटा सहित अन्य मौजूद रही।

पुजारी हनुमान प्रसाद शर्मा का निधन

कोटपूतली। कस्बे के तालाब वाले हनुमान जी व ठाकुर लक्ष्मीनारायण जी मंदिर के पुजारी व व्यवस्थापक हनुमान प्रसाद शर्मा का सोमवार 21 सितम्बर को 78 वर्ष की आयु में स्वर्गवास हो गया। उनके निधन के समाचार से धार्मिक, सामाजिक और शैक्षिणक जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। हनुमान प्रसाद शर्मा एक समर्पित पुजारी होने के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र से भी जुड़े हुए थे। उन्होंने राजकीय पाना देवी महाविद्यालय में लंबे समय तक अपनी राजकीय सेवायें दीं। वर्ष 2008 में सेवानिवृत्ति होने के बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन ठाकुर जी व हनुमान जी की सेवा और मंदिर के प्रबंधन में समर्पित कर दिया था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार इसी वर्ष जुलाई 2026 में उनकी धर्मपत्नी मुन्नी देवी का देहांत हो गया था। जीवनसंगिनी के जाने के बाद से ही वे गहरे सदमे में थे और पिछले करीब एक महीने से लगातार अस्वस्थ चल रहे थे। सोमवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनका अन्तिम संस्कार सोमवार को ही कस्बे के नागाजी की गौर स्थित श्मशान घाट पर किया गया। वे अपने पीछे पुत्र देवेन्द्र पुजारी व एडवोकेट मनोज शर्मा समेत 04 पुत्रियों, 03 पौत्र व 01 पौत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोडकर गए हैं। उनके निधन पर स्थानीय प्रबुद्धजनों, मंदिर से जुडे श्रद्धालुओं व महाविद्यालय स्टॉफ ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षित बताया है। शोक बैठक प्रतिदिन उनके निवास पर आयोजित की जायेगी।

9 नगरीय निकायों में अध्यक्ष निर्वाचित

कोटपूतली-बहरोड़ । नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जिले की 9 नगरीय निकायों में अध्यक्ष/सभापति पद के निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही नए बोर्डों का गठन हो गया है। नगर परिषद कोटपूतली, बृहरोड एवं नगर पालिका बानसूर, बर्डोद, मांढण, नारायणपुर, नीमराना, पावटा-प्रागपुरा एवं विराटनगर नगरीय निकायों में निर्वाचित अध्यक्षों के नेतृत्व में बोर्ड का गठन किया गया है। नगरपालिका बानसूर में गिरिराज प्रसाद सैनी अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। नगरपालिका बर्डोद में साहब कौर अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। नगर परिषद बहरोड़ में कमल कुमार अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। नगर परिषद कोटपूतली में कमल सैनी अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। नगरपालिका मांढण में कपिल कुमार अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। नगरपालिका नारायणपुर में मन्नी देवी अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। नगरपालिका नीमराना में दिलकौर अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा में मीना देवी अध्यक्ष निर्वाचित हुई हैं, जबकि नगरपालिका विराटनगर में देशराज सैनी अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। इस प्रकार नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत जिले की सभी 9 नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद के निर्वाचन के साथ बोर्ड गठन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है।

नगर परिषद के सभापति बने कांग्रेस के मयंक गोयल

टोंक। नगर परिषद के सभापति पद के लिए हुए सोमवार को मतदान में कांग्रेस के मयंक गोयल चेयरमैन घोषित किये गये। मतदान के दौरान उन्हें 38 वोट मिले, जबकि बीजेपी के प्रहलाद सिंह सोलंकी को 21 वोट मिले, इस प्रकार मयंक 17 वोटों से जीते है। सभापति चुनाव में भाजपा की ओर से प्रहलाद सिंह और कांग्रेस की ओर से मयंक गोयल आमने-सामने थे। नगर परिषद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए। जिसमें एपीआरटीएस परिसर में तहसीलदार भू-अभिलेख रामपाल बैरवा, एपीआरटीएस से घंटाघर तक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललित कुमार और पूरे शहर के लिए जिला रसद अधिकारी इंद्रपाल मीणा को ड्यूटी मजिस्ट्रेट बनाया गया। इस मतदान प्रक्रिया में सभापति चुनावों हेतु भाजपा के 19 पार्षद एक साथ वोट देने पहुंचे तथा कांग्रेस के 32 पार्षदों ने मतदान किया, वही निर्दलीय पार्षद अजय सैनी, छोटू गुर्जर, प्रिया सैनी और महावीर यादव ने भी वोट डाला। इस दौरान बीजेपी के पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने मतदान स्थल परिसर में बीजेपी के पार्षदों को कांग्रेस के पार्षद द्वारा गुमराह करने का आरोप लगाते हुए रिटर्निंग अधिकारी सीमा खेतान और डीएसपी मृत्युजंय मिश्रा से की बहसबाजी करते हुए नजर आये। फिर रिटर्निंग अधिकारी सीमा खेतान ने बाहर आकर समझाइश करते हुए बीजेपी पार्षदों को अपने साथ सुरक्षा में मतदान करवाने ले गई। इसी प्रकार नगर पालिका मतदान प्रक्रिया के अन्तर्गत नगर पालिका मालपुरा में भाजपा के प्रत्याशी जिनेन्द्र कुमार जैने, टोडारायसिंह में सन्त कुमार जैन, डिग्गी में अरविंद शर्मा, लाम्बाहरिसिंह में सोनिया कुमारी स्वर्णकार, निवाई में नरेन्द्र कुमार शर्मा, पीपलू में रमेश वर्मा, देवली में कजोडी देवी ,दूनी में अर्चना देवी एवं नगरपालिका उनियारा में कांग्रेस के प्रत्याशी नरेश कुमार गुर्जर नगर पालिका अध्यक्ष घोषित किये गये है। इस प्रकार भाजपा के 8 प्रत्याशी व कांग्रेस के दो प्रत्याशी अध्यक्ष पद पर नियुक्त हुए है।

टोंक में नगर परिषद के सभापति पद के लिए हुए सोमवार को मतदान में कांग्रेस के मयंक गोयल चेयरमैन घोषित किये गये।

■ सभापति चुनाव में भाजपा की ओर से प्रहलाद सिंह और कांग्रेस की ओर से मयंक गोयल आमने-सामने थे

19 करोड़ रुपये लागत की 4 सड़कों के निर्माण में तेजी लाने की मांग

भरतपुर (निसं)। भरतपुर शहर से जुडने वाली 19 करोड रुपये लागत की चार प्रमुख सडकों के निर्माण में अपेक्षित गति नहीं होने के कारण आमजन को परेशानी हो रही है। जिसके निर्माण में अपेक्षित गति की जरुरत है। इस सम्बन्ध में समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने जिला कलक्टर को पत्र लिख कर आठाह किया है कि 3 करोड 13 लाख रुपये लागत की सारस चौराहे से बिजलीघर तक, 5 करोड 24 लाख रुपये की लागत वाली आर बी एम चौराहे से रीको रोड तक, 6 करोड 11 लाख रुपये लागत की कुम्हेर गेट सर्किल से कंजोली वाला एम ई एस तक तथा 4 करोड 44 लाख रुपये लागत की रेडक्रॉस सर्किल से चांदपोल रोड तक की सडकों के निर्माण की गति इतनी धीमी है कि ये समय पर पूरी नहीं हो सकतीं। गुप्ता ने पत्र में कहा है कि यदि समयबद्ध मॉनिटरिंग, निर्माण में आ रही बाधाओं का शीघ्र समाधान करने, पर निश्चय ही इन सडकों के निर्माण में अपेक्षित गति आ सकती है। इनमें कई सडकों का निर्माण अभी शुरू भी नहीं हो सका है और जो शुरू हो गई हैं, उनमें निर्माण गति काफी कम है। उन्होंने पत्र में यह भी कहा है कि कई सडकों के निर्माण में धीमी प्रगति का कारण अतिक्रमण, क्रॉस सेक्शन की डिजाइन को अंतिम रूप नहीं होने, समय पर तकनीकी स्वीकृति जारी नहीं होने जैसी समस्याएं हैं। जिन्हें आपसी समझाइश, विभागों के आपसी समन्वय से दूर किया जा सकता है। उन्होंने जिला प्रशासन से आठाह किया कि संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक बुलाकर प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, लंबित स्वीकृतियों और कार्य में आ रही बाधाओं की प्रगति समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित कर निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर किया जाये। गुप्ता ने नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रगति की समीक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक धन से स्वीकृत विकास कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन प्रशासन की प्राथमिकता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लंबित कार्यों को भी समय पर पूरा करने से शहर में विकास की गति दिखाई देगी और आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत होगा।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध मादक पदार्थ व शराब रोकथाम अभियान के तहत निवाई सदर थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व मे गठित अलग- अलग टीमों ने कार्यवाही करते हुए एक टीम ने आरोपी गिर्राज उर्फ डिप्टी पुत्र प्रहलाद मीणा उम्र 50 साल निवासी मीणा ढाणी बहकवा थाना निवाई सदर को देशी अवैध हथकड शराब परिवहन करते हुए गिरफ्तार कर 2 लीटर शराब जप्त की गई है। इस प्रकार अन्य टीम ने अरोपी सुरेन्द्र पुत्र गेन्दी लाल रैगर उम्र 30 साल निवासी कोहल्या थाना कोटखावदा के कब्जे से 2 लीटर हथकड शराब जप्त की गई । दोनो आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया हैं।

खेजरोली नगरपालिका अध्यक्ष चुनाव में कांग्रेस की सुनीता सैनी निर्वाचित हुई

चौमूं / कालाडेरा । खेजरोली नगरपालिका अध्यक्ष पद के लिए सोमवार को हुए चुनाव में कांठोस ने बाजी मार ली। कांग्रेस पार्षद सुनीता सैनी नगरपालिका की नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुनी गईं। मतदान में सुनीता सैनी को 18 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी कमली देवी के पक्ष में 7 मत पड़े। परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में उत्साह का माहौल नजर आया। अध्यक्ष पद के लिए मतदान निर्धारित प्रक्रिया के तहत कराया गया। नगरपालिका के निर्वाचित पार्षदों ने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों की ओर से आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं और मतगणना के बाद परिणाम घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। परिणाम घोषित होने के बाद चुनाव अधिकारी डॉ. आस्था ने नवनिर्वाचित नगरपालिका अध्यक्ष सुनीता सैनी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के दौरान समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल रहा। अध्यक्ष चुनाव को लेकर नगरपालिका परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान के दौरान भारी पुलिस जाब्ता तैनात रहा। एएसपी संदीप सारस्वत, सामोद थानाधिकारी हेमराज गुर्जर सहित पुलिस अधिकारी और जवान मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों ने मतदान स्थल की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था की निगरानी की। नगरपालिका प्रशासन की ओर से भी मतदान प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए व्यवस्थाएं की गईं।

■ शांतिपूर्ण मतदान के बीच पुलिस का रहा कड़ा पहरा

सार-समाचार

जयपुर ग्रामीण में महिला महासम्मेलन का भव्य आयोजन

जयपुर। पतंजलि विश्वविद्यालय एवं महिला पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को चौमू में महिला महासम्मेलन का आयोजन हुआ। केंद्रीय प्रभारी साध्वी देवप्रिया दीदी के मार्गदर्शन एवं राजस्थान राज्य प्रभारी डॉ. सरिता गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित सम्मेलन में प्रदेशभर से 3,000 से अधिक योग साधिकाओं ने भाग लिया। जयपुर-2 की जिला प्रभारी रंजना शर्मा के नेतृत्व में 200 से अधिक साधिकाओं ने सहभागिता की। इस दौरान ऊषा परिहार, माया राठौड़, प्रमिला जोशी, निर्मल यादव, शशि कंवर एवं इंदु वर्मा सहित अनेक साधिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में साध्वी देवप्रिया दीदी ने रंजना शर्मा को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

देवली में भाजपा की कजोड़ी देवी बैरवा पालिका अध्यक्ष बनी

देवली । यहां नगर पालिका में भाजपा का बोर्ड बन गया है। यहां पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पर कजोड़ी देवी बैरवा विजय घोषित हो गई है। सोमवार को देवली नगर पालिका परिसर में पालिका अध्यक्ष पद को लेकर मतदान हुए है। इस दौरान नगर पालिका चुनाव में नवनिर्वाचित हुए 35 पार्षदों ने अपने-अपने मत का प्रयोग किया है। और पालिका अध्यक्ष का चुनाव लड रहे भाजपा प्रत्याशी और कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में अपना अपना मतदान किया है । इस दौरान प्रातः 10:00 बजे से लेकर दोपहर 1:00 तक नव निर्वाचित पार्षद अपने अपने साधनों से पालिका परिसर में पहुंचे थे। इस दौरान मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्र पर मतगणना शुरू कर दी। मतगणना पूरी होने के बाद निर्वाचन अधिकारी ने पालिका अध्यक्ष पद के परिणामो की सार्वजनिक तौर पर घोषणा कर दी । जिसमें भाजपा प्रत्याशी कजोड़ी देवी बेरवा पालिका अध्यक्ष के रूप में चुनी गई और विजय घोषित हुई। इसी प्रकार कांग्रेस के पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी बनवारी लाल बैरवा को 11 मतो पर ही संतोष करना पडा । सोमवार को पालिका अध्यक्ष पद का चुनाव छुटपुट बीच संपन्न हो गया है। पालिका अध्यक्ष पद के इस चुनाव में पालिका क्षेत्र से नवनिर्वाचित 35 पार्षदों ने अपने मत का प्रयोग करते हुए मतदान किया है । जिसमें भाजपा प्रत्याशी कजोडी देवी बैरवा को 24 मत प्राप्त हुए और कांग्रेस प्रत्यासी बनवारी लाल बैरवा को 11 मतों पर ही संतोष करना पड़ा। पालिका अध्यक्ष पद की मतगणना के बाद आए परिणामों में भाजपा प्रत्याशी की विजय घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ पडी और बीजेपी जिंदाबाद कजोडी देवी जिंदाबाद के नारे गूंज उठे। ऐसे में नगर पालिका अध्यक्ष के लिए भाजपा प्रत्याशी कजोड़ी देवी कि जीत दर्ज हो गई है । तो वही कांग्रेस प्रत्याशी बनवारी बेरवा को 13 मतों के अंतर से हार का सामना करना पडा है । पालिका अध्यक्ष के चुनाव परिणामों की चर्चाओं के साथ-साथ बाजार में चर्चाऐ यह भी गर्म है कि इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता के साथ मारपीट एवं बदसलूकी जैसा मामला भी सामने आया है। हालांकि यह घटना क्यों किस लिए हुई इसकी पुष्टि नहीं की जा सकती है। इसलिए कि पुलिस प्रशासन के अनुसार पुलिस को ऐसी घटना या ऐसे मामले कोई सूचना नहीं मिली है।

निवाई में गांव भांवती में तेजाजी महाराज के मेले में उमड़े श्रद्धालु

निवाई। गांव भांवती में लोकदेवता श्री वीर तेजाजी महाराज के वार्षिक मेले का आस्था व हर्षोल्लास के साथ भव्य आयोजन हुआ। मेले में समूचा क्षेत्र वीर तेजाजी महाराज के जयकारों से गुंजायमान रहा व वातावरण धर्ममय हो गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध अलगोजा पार्टियों व लोकगायकों द्वारा पारंपरिक अलगोजा की मधुर धुनों पर वीर तेजाजी महाराज के जीवन, चरित्र, त्याग व शौर्य गाथाओं पर आधारित मनमोहक भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों की प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। निवर्तमान सरपंच मदनलाल मीणा ने बताया कि सत्यवीर तेजाजी महाराज केऐतिहासिक मेले में आसपास के दर्जनों गांवों से सैंकडों श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान भांवता, भांवती, संग्रामपुरा, नयामोज जयसिंहपुरा व विजयगोविंदपूरा सहित कई गांवों के ग्रामीण श्रद्धा व भारी उत्साह के साथ पदयात्रा करते हुए मेले में सम्मिलित हुए। मंदिर परिसर में सुबह से ही नाग देवता के पूजन के लिए श्रद्धालुओं उमड़ पडे।

सियासी घमासान के बीच कांग्रेस से मीना देवी ने मारी बाजी

पावटा। पावटा नगरपालिका चेयरमैन पद के चुनाव में कांग्रेस की मीना देवी ने भाजपा से मंजू अग्रवाल को हराकर जीत दर्ज कर ली है। कांग्रेस प्रत्याशी मीना देवी को कुल 25 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल को 18 वोट प्राप्त हुए। चेयरमैन पद पर जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल नजर आया। वही पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अध्यक्ष पद का चुनाव सोमवार को सियासी घमासान, आपसी तनातनी और विरोध-प्रदर्शन के बीच बेहद रोचक रहा। सुबह से ही नगरपालिका परिसर में राजनीतिक सरगर्मियां तेज रहीं। मतदान को लेकर पूर्व विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर एवं विधायक कुलदीप धनकड़ व दोनों पक्षों के समर्थकों में जबरदस्त उत्सुकता दिखाई दी, वहीं दोनों पक्षों में विरोध और नोक झोंक के चलते कई बार माहौल गरमाता नजर आया। पुलिस-प्रशासन ने मोर्चा संभालते हुए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। अध्यक्ष पद के चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीना देवी पत्नी अजय सैनी ने 25 मत हासिल कर भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल पत्नी गोपाल अग्रवाल को 18 मतों से पीछे छोडते हुए जीत दर्ज की। मीना देवी ने 7 मतों के अंतर से अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया। वही 2 पार्षदों द्वारा मतदान नहीं किया गया। परिणाम सामने आते ही कांग्रेस खेमे में खुशी की लहर दौड गई और समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया। चेयरमैन चुनाव को लेकर सुबह से ही नगरपालिका परिसर के आसपास राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। पार्षदों के मतदान के दौरान दोनों खेमों की सक्रियता साफ नजर आई। विरोध-प्रदर्शन और आपसी तनातनी के चलते चुनावी माहौल कई बार गरमाया। स्थिति को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। जैसे-जैसे मतदान की प्रक्रिया आगे बढ़ी, वैसे-वैसे परिणाम को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज होता गया। आखिरकार मतगणना के बाद तस्वीर साफ हुई और 25 मतों के साथ मीना देवी के नाम पर अध्यक्ष पद की मुहर लग गई। मीना देवी के अध्यक्ष निर्वाचित होने के साथ ही पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में कांठोस के नेतृत्व में बोर्ड बनने का रास्ता साफ हो गया है। जीत के बाद कांठोस समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। अब नई अध्यक्ष के सामने नगरपालिका क्षेत्र के विकास कार्यों, नागरिक सुविधाओं और बोर्ड में बेहतर तालमेल बनाए रखने की चुनौती रहेगी। चेयरमैन चुनाव ने यह साफ कर दिया कि पावटा प्रागपुरा की सियासत में आने वाले दिनों में भी राजनीतिक गतिविधियां तेज रहने वाली हैं। अब निगाहें इस बात पर रहेंगी कि नई अध्यक्ष मीना देवी के नेतृत्व में नगरपालिका बोर्ड किस तरह अपनी प्राथमिकताएं तय करता है और शहर के विकास को किस दिशा में आगे बढ़ाता है। पावटा नगरपालिका चेयरमैन पद के चुनाव में कांठोस की मीना देवी ने भाजपा से मंजू अग्रवाल को हराकर जीत दर्ज कर ली है। कांग्रेस प्रत्याशी मीना देवी को कुल 25 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल को 18 वोट प्राप्त हुए। चेयरमैन पद पर जीत के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल नजर आया। पूर्व विधायक व कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने नवनिर्वाचित चेयरमैन मीना देवी सहित पार्षदों को बधाई देते हुए कहा कि पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस का बोर्ड बनने के बाद क्षेत्र में चहुंमुखी विकास को गति मिलेगी। उन्होंने मीना देवी सहित पार्षदों को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं नवनिर्वाचित चेयरमैन मीना देवी ने जीत के बाद नगरवासियों एवं सभी समर्थकों का आभार व्यक्त किया व कहा कि चुनाव के दौरान जनता से किए गए वादों को पूरा करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि पेयजल, साफ-सफाई और क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर सभी पार्षदों को साथ लेकर काम किया जाएगा। अब नगरवासियों की निगाहें नगरपालिका की प्रथम नई अध्यक्ष मीना देवी के नेतृत्व में नगरपालिका की आगामी कार्यप्रणाली और शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर रहेंगी। कल मंगलवार को उपाध्यक्ष पद पद का चुनाव होगा।

पावटा नगरपालिका चेयरमैन पद के चुनाव में कांग्रेस की मीना देवी ने भाजपा से मंजू अग्रवाल को हराकर जीत दर्ज कर ली है।

■ 25-18 के आंकड़े से कांग्रेस का बोर्ड, विरोध-प्रदर्शन और तनातनी के बीच चेयरमैन का चुनाव हुआ

■ पावटा प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस का बोर्ड, मीना देवी चेयरमैन बनी

नंदोत्सव पर भजनों की बही गंगा

निवाई। श्री गौतमी महिला मंडल के तत्वावधान में महर्षि गौतम आश्रम में एकादशी की पूर्व संध्या व तेजा दशमी के पावन पर्व पर नंदोत्सव आयोजन किया गया। नंदोत्सव का शुभारंभ मंडल की अध्यक्ष पुष्पा शर्मा व गौतम समाज के अध्यक्ष जगमोहन गौतम ने भगवान लड्डू गोपाल के दीप प्रज्ज्वलित कर के किया। नन्दोत्सव को लेकर भगवान लड्डू गोपाल, श्रीराम दरबार व हनुमान जी महाराज की प्रतिमा की भव्य झांकी सजाई गई। दोपहर 1 से 4 बजे तक भजन संकीर्तन व सत्संग किया गया। इस दौरान नन्द के घर आनन्द भयो जय कन्हैयालाल की गूंज रही।

दूदू में चुनाव परिणाम के बाद गरिमा कंवर नगर पालिका सभापति बनी

दूदू। नगर निकाय के चुनाव परिणाम के बाद आज अध्यक्ष पद के मतदान की तिथि के दौरान नगर पालिका में उपखंड अधिकारी के न्यायालय कक्ष में मतदान की प्रक्रिया शुरू की गई। दोपहर 2:00 बजे बाद चुनाव परिणाम रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी गुलाब सिंह वर्मा ने चुनाव परिणाम घोषित कर कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार गरिमा कंवर को नगर पालिका सभापति के लिए प्रमाण पत्र जारी कर शपथ दिलाई गई। चुनाव परिणाम से पूर्व भाजपा एवं कांग्रेस कार्यकर्ता कयास लगा रहे थे कोई भी क्रॉस वोटिंग कर सकता है 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक समर्थकों की भीड़ लगी रही चुनाव परिणाम के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी के लहर छा गई भाजपा कार्यकर्ताओं की चेहरे उदास नजर आए नगर पालिका के 25 वार्डों में कांग्रेस के 12 भाजपा के 10 निर्दलीय दो एक आरएलपी के उम्मीदवार जीत कर आए थे दिन भर चाय की दुकान एवं चौराहे पर चर्चा चल रही थी कोई भी उम्मीदवार क्रॉस वोटिंग कर सकता है लेकिन सभी अफवाहें साबित हुई कांग्रेस पार्टी ने दो निर्दलीयों के समर्थन के साथ 14 मत हासिल किये रालोपा के प्रत्याशी ने भाजपा को समर्थन दिया सभापति के पद पर गरिमा कंवर का नाम आने के साथ थी सर्व समाज के लोगों ने खुशी का इजहार किया तथा कहा कि सामान्य वर्ग की सीट के लिए सामान्य महिला को जब पद मिला है यह हमेशा इतिहास रहेगा हालांकि कांग्रेस पार्टी ने किसी ब्राह्मण समाज के उम्मीदवार को 25 वार्डों में एक को भी टिकट नहीं दिया का खामियाजा आगामी पंचायत चुनाव के दौरान भुगतना पड़ेगा।

अनुराधा सिंह के मेयर बनने पर भाजपाइयों ने जबरदस्त आतिशबाजी कर जश्न मनाया

भरतपुर (निसं)। भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता अनुराधा सिंह के निर्विरोध भरतपुर का मेयर निर्वाचित होने पर भारतीय जनता पार्टी खेमे में खुशी की लहर दौडी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर पर पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज के नेतृत्व में अनेको भाजपा कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त आतिशबाजी कर जश्न मनाया। एक दूसरे को गले लगा कर एव मिठाई खिलाकर बधाई दी। खुशी का इजहार करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज ने कहा की निगम चुनाव की जीत आमजन की जीत है भाजपा के विकास कार्यों के प्रति जनता का विश्वास है और विश्वास पर जनता ने भाजपा का बोर्ड बनाया है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष गिरधारी गुप्ता ने कहा की एक सामान्य से कार्यकर्ता अनुराधा सिंह को भरतपुर के मेयर पद पर निर्विरोध निर्वाचित होना इस बात का संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी में सभी के रास्ते खुले हुए हैं कोई भी छोटा सा कार्यकर्ता किसी भी पद पर कभी भी पहुंच सकता है। जिला मीडिया प्रभारी डॉ. वीरेंद्र पचौरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं पर नजर रखता है और उनकी मेहनत का तोहफा अवश्य देता है अनुराधा सिंह का मेयर बना इसी बात का परिणाम है। जिला मीडिया प्रभारी डॉ वीरेंद्र पचौरी ने बताया कि इस अवसर पर प्रो. जग्गो सिंह, दीपेंद्र गणेशिया, उत्तम शर्मा ,नेता राम जाटव, उमेश पाराशर, दिनेश भातरा ,आशीष खंडेलवाल ,सौरभ शर्मा,,राहुल चौधरी, कुलदीप पोसवाल, पंकज शर्मा ,बीके मित्तल, विष्णु दत्त शर्मा,जूली सैनी, सी पी शर्मा, चिराग चौधरी , कपिलखोखर, ,अभय गुर्जर सहित अनेको भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भरतपुर में अनुराधा सिंह के मेयर बनने पर भाजपाइयों ने जबरदस्त आतिशबाजी की।

■ भाजपा के विकास कार्यों के प्रति जनता का विश्वास है

वैभव सूर्यवंशी भारत के फ्यूचर हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में शामिल करने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए।
- सनथ जयसूर्या

पूर्व श्रीलंकाई कप्तान, वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जहीर खान

पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने सोमवार को पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल 2027 के लिए अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। जहीर अब स्टीफन फ्लेमिंग की जगह लेंगे, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टीम के लगातार तीसरे सत्र में प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाने के बाद पद छोड़ दिया था। फ्लेमिंग के जाने के साथ सीएसके के साथ उनका करीब 18 साल लंबा जुड़ाव भी समाप्त हो गया। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड की पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद संभाला।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 1951 एशियाई खेल में 51 पदक जीते थे, जिसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल था। एशियाई खेल की पदक तालिका में भारत से आगे सिर्फ जापान था, जिसने 60 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया था।

जूनियर बालिका राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप अनंतपुर में आयोजित

जयपुर, 21 सितम्बर। राजस्थान की जूनियर बालिका फुटबॉल टीम ने अनंतपुर, आंध्र प्रदेश में आयोजित जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में भाग लिया। आज लीग का लास्ट मैच पिछले साल की विजेता बंगाल टीम से खेला गया दोनों टीमों में काफी संघर्षपूर्ण मैच हुआ। मुकाबले में 40 मिनट में बंगाल ने एक मात्र गोल किया जो अंत तक कायम रहा। टूर्नामेंट में राजस्थान का प्रदर्शन इस प्रकार रहा :- राजस्थान बनाम ओडिशा 1-2 से हार, राजस्थान बनाम महाराष्ट्र 0-5 से हार, राजस्थान बनाम पश्चिम बंगाल 0-1 से हार। टीम ने सभी मैचों में संघर्षपूर्ण खेल दिखाया, विशेषकर ओडिशा और गत चैंपियन पश्चिम बंगाल के खिलाफ अंतिम मिनट तक मुकाबला बराबरी पर रखा। हमारी बालिकाओं ने पहली बार इस स्तर पर इतनी मजबूत टीमों के खिलाफ खेला है और यह अनुभव उनके भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल और सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने टीम का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हार-जीत खेल का हिस्सा है, लेकिन बेटियों ने प्रदेश का नाम गर्व से ऊंचा किया है। संघ द्वारा जल्द ही बालिकाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण शिविर लगाया जाएगा।

ग्रीनफिट मैराथन 27 को जयपुर के विद्याधर नगर से होगी

जयपुर, 21 सितम्बर। फिटनेस, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ आधार प्राइम ग्रीनफिट हाफ मैराथन-सीजन 3 का आयोजन 27 सितंबर को विद्याधर नगर स्थित सन एंड मून कॉम्प्लेक्स से किया जाएगा। ग्रीनफिट फाउंडेशन के संस्थापक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि इस साल ग्रीनफिट फाउंडेशन द्वारा आयोजित आधार प्राइम ग्रीनफिट हाफ मैराथन पावर्ड बाय खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट एंड को-पावर्ड बाय जीसीएलड्रीम्स में जयपुर नगर निगम की एक अहम सहभागिता है। 'रन फॉर ग्रीनर अर्थ' के थीम पर आयोजित इस मैराथन में अब तक 8,500 से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं और 10 हजार से अधिक रनर्स के शामिल होने की संभावना है। मैराथन में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री, दीया कुमारी मैराथन मुख्य अतिथि और जयपुर सांसद मंजू शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी कमान के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पी.एस. शेखावत; मेंटोर, अजय अग्रवाल; रेस डायरेक्टर - सेवानिवृत, लेफ्टिनेंट कर्नल, विजयपाल सिंह और फेस ऑफ द इवेंट, राजेश चौधरी भी आयोजन में शामिल होंगे। प्रतिभागियों के लिए 21 किमी टाइम्ड हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी टाइम्ड रन तथा 3 किमी फन रन की श्रेणियां रखी गई हैं। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं के लिए 2.55 लाख से अधिक की पुरस्कार राशि निर्धारित किए गए है। मैराथन का रिपोर्टिंग और फ्लैग ऑफ 27 सितंबर को सुबह 5:30 बजे होगा।

यतीन्द्र सिंह मेमोरियल गोल्फ में मनोविराज विजेता, कमल कुमावत उपविजेता

जयपुर, 21 सितम्बर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब में 19 व 20 सितंबर को आयोजित 2 दिवसीय मासिक मेडल नवें संस्करण के यतींद्र सिंह मेमोरियल गोल्फ प्रतियोगिता में प्रोफेशनल प्रो गोल्फर वर्ग में धमाकेदार प्रदर्शन कर कमल कुमावत ने 143 अंक प्राप्त कर उप विजेता बने। वहीं इसी वर्ग में मनोविराज 139 अंकों के साथ विजेता बने। एमेच्योर वर्ग में अहसास खानेजा 138 अंकों से विजेता एवं अनास शमशी 138 अंकों से उप विजेता रहे। 0 से 9 हैंडीकैप वर्ग में आरव संचेती विजेता 37 एवं युवराज सिंह 36 अंक लेकर उपविजेता बने। 10 से 16 हैंडिकैप संवर्ग में प्रियांशु मुद्गल विजेता 36 और आलोक शर्मा 35 अंकों के साथ उप विजेता रहे। अन्य हैंडिकैप संवर्ग 17 से 24 में विपेश अगनानी 42 अंक विजेता और आर सी देवंदा 38 अंक लेकरवउप विजेता बने। टूर्नामेंट में बेस्ट लीडिंग गोल्फर श्रेणी में डॉ राजेश गुप्ता, बेस्ट सीनियर गोल्फर श्रेणी में धर्मपाल सिंह, बेस्ट लेडी गोल्फर में मिराया यादव विजेता रहे। नीयरेस्ट टू पिन लक्ष्यराज पूनिया, लांगेस्ट ड्राइव के कुणाल सिंह जूनियर, वेटरेन्स लांगेस्ट ड्राइव के जी एस हीरा, लेडीज लांगेस्ट ड्राइव के गाथा जैन, 2 इंच पर स्ट्रेटेस्ट ड्राइव के लिए विजेता जयमाल सिंह ने पुरस्कार प्राप्त किए।

एशियाई खेल : भारतीय महिला हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 17-1 से रौंदा

गिफू, 21 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पूल बी के मुकाबले में इंडोनेशिया को 17-1 से करारी शिकस्त दी। गिफू प्रीफेक्चुरल ग्रीन स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मुकाबले में भारत की ओर से दीपिका, रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने हैट्रिक लगाई। भारत की ओर से सुनीलता टोप्पो, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने दो-दो गोल किए, जबकि इशिका और कप्तान सलीमा टेटे ने भी गोल दागे। इससे पहले भारत ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया था। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने की टीम लगातार दो जीत के साथ अजेय बनी हुई है। भारत का अगला मुकाबला बुधवार को थाईलैंड से होगा।

भारत को शुरुआती क्वार्टर में लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा। टीम ने लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और दीपिका ने आठवें मिनट में चौथे प्रयास पर गोल कर भारत का खाता खोला। इसके बाद भारत ने चार मिनट के भीतर तीन और गोल दागकर पहले क्वार्टर की समाप्ति तक 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा और लालरेमसियामी ने अपना दूसरा गोल करते हुए टीम की बढ़त को और मजबूत किया। मध्यांतर तक भारत 9-0 से आगे था।

तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में खेल की धारा के विपरीत इंडोनेशिया ने अपना एकमात्र गोल किया। इनेस अडितिया ने भारतीय गोलकीपर बिचु देवी को छकाते हुए नजदीकी पोस्ट से गेंद को गोल में पहुंचाया। चौथे क्वार्टर में नवनीत कौर ने दमदार बैकहैंड शॉट के जरिए गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत ने 17-1 की बड़ी जीत के साथ मुकाबला समाप्त किया। दो मैचों में छह अंकों के साथ भारत पूल बी में शीर्ष पर है। टीम का गोल अंतर भी 35 का है। हालांकि, ग्रुप चरण में भारत के सामने अब अपेक्षाकृत कड़ी चुनौतियां होंगी।

आर. प्रज्ञानंद ने अनीश गिरी को दी मात, शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीम 3-1 से जीती

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। समरकंद में चल रहे 46वें शतरंज ओलंपियाड में भारतीय पुरुष टीम ने रविवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में सबसे ज्यादा नजरें प्रज्ञानानंद और अनीश गिरी की बाजी पर थीं। पहले बोर्ड पर उतरे प्रज्ञानानंद ने गिरी को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की, जबकि निचले बोर्ड पर विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने भी जीत दर्ज की है।

भारत और नीदरलैंड्स के बीच रविवार को हुए मुकाबले में शतरंज प्रेमियों की नजरें पहले बोर्ड पर टिकी थीं। यहां भारत के आर. प्रज्ञानानंदा का सामना नीदरलैंड्स के नंबर एक खिलाड़ी अनीश गिरी से हुआ। प्रज्ञानानंदा ने लंबे और कड़े मुकाबले में गिरी को मात देकर 46वें शतरंज ओलंपियाड में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष टीम ने नीदरलैंड्स को 3-1 से हरा दिया है। मौजूद जानकारी के अनुसार प्रज्ञानानंदा को इस ओलंपियाड में पहले बोर्ड की जिम्मेदारी दी गई है।

इसका मतलब है कि उन्हें हर मुकाबले में टीम के सबसे मजबूत संभावित प्रतिद्वंद्वी का सामना करना पड़ सकता है। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को चौथे बोर्ड पर उतारे जाने के बाद शतरंज जगत में इस फैसले को लेकर चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन प्रज्ञानानंदा की मौजूदा शानदार फॉर्म को देखते हुए पहले बोर्ड पर उनकी मौजूदगी पर सवाल नहीं उठे।

डोपिंग टेस्ट में फेल होने के बाद थाई बैडमिंटन स्टार पिचामोन निलंबित

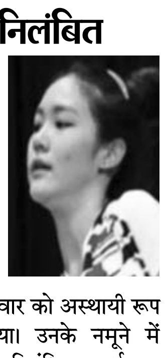

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। एशियाई खेलों में डोपिंग से जुड़ा एक मामला सामने आया है। थाईलैंड की बैडमिंटन खिलाड़ी पिचामोन ओपाथीपुथ को अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने सोमवार को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। उनके नमूने में फ्यूरोसेमाइड नाम का प्रतिबंधित पदार्थ पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है। हालांकि, यह अभी अंतिम फैसला नहीं है और मामले की प्रक्रिया जारी है। थाईलैंड की बैडमिंटन खिलाड़ी पिचामोन ओपाथीपुथ को 2026 एशियाई खेलों के दौरान अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने सोमवार को बताया कि खिलाड़ी के एक नमूने में प्रतिबंधित पदार्थ फ्यूरोसेमाइड पाया गया है। यह नमूना प्रतियोगिता से बाहर की जांच के तहत 17 सितंबर को जापान के नागोया में लिया गया था। मौजूद जानकारी के अनुसार नमूने की जांच में फ्यूरोसेमाइड के सबूत मिले है।

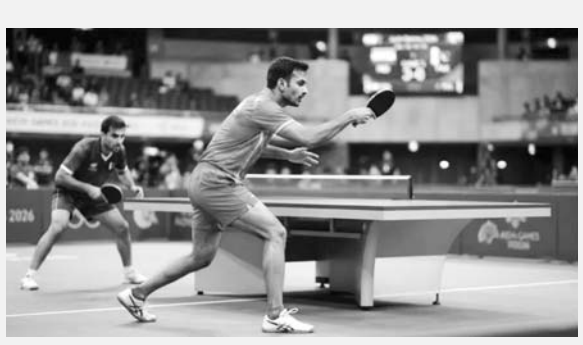

एशियाई खेलों के टेबल टेनिस मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। सोमवार को आइची-नागोया में एशियाई खेलों के पुरुष टेबल टेनिस टीम इवेंट में, ईरान से मिली हार के बाद भारत ने पाकिस्तान पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की। हरमीत देसाई ने भारत को जीत के साथ शुरुआत दिलाई; उन्होंने पहले मैच में खान मुहम्मद को सीधे गेम में 11-4, 11-3, 11-5 से हराया। इसके बाद सथियान ज्ञानसेकरन ने अब्बास खान को 11-1, 11-8, 11-9 से हराकर भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। तीसरे मैच में पायस जैन ने खान मुहम्मद को 11-2, 11-5, 11-7 से हराकर क्लीन स्वीप पूरा किया और भारत ने बिना कोई गेम गंवाए, यह मुकाबला जीत लिया। पिछले मैच में ईरान से मिली चौंकाने वाली हार के बाद भारत ने इस जीत से ज़बरदस्त वापसी की। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया पर जीत के साथ की थी। इस नतीजे से भारत अस्थायी रूप से ग्रुप एफ में तीन मैचों में पांच अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया है। वह ईरान से आगे है, जिसका इंडोनेशिया के खिलाफ एक मैच अभी बाकी है। महिलाओं की टीम इवेंट में, भारत ने सोमवार को अपने दूसरे ग्रुप मैच में पाकिस्तान को बुरी तरह हराने के बाद क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बना ली। भारतीय महिला टीम ने रविवार को सिंगापुर के ख़िलाफ़ कड़े मुक़ाबले में 3-2 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की थी और फिर पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की।

विश्व क्रिकेट के दिग्गज विराट और रोहित के खिलाफ खेलना हमेशा खास : होल्डर

नई दिल्ली, 21 सितंबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 27 सितंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप-2027 की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण होगी। इसी श्रृंखला से भारत के घरेलू सत्र की भी शुरुआत होगी। श्रृंखला से पहले वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने जियोस्टार से बातचीत में भारतीय कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को लेकर अपनी राय साझा की। शुभमन गिल के नेतृत्व में खेलने के अनुभव पर होल्डर ने कहा, मैंने शुभमन के नेतृत्व में खेला है। वह एक लीडर हैं। वह बहुत ज्यादा बोलने वाले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन जब बोलते हैं तो उनकी बात बिल्कुल स्पष्ट होती है और वह टीम से क्या चाहते हैं, इसे पूरी तरह अधिकार के साथ बताते हैं। वह एक तरह की शांति और संतुलन लेकर आते हैं, जो एक कप्तान के लिए अच्छा गुण है। मैं उनके इन गुणों का बहुत सम्मान करता हूं और जब मैंने उनके नेतृत्व में खेला तो मुझे यह बहुत पसंद आया। उन्होंने कहा, वह कप्तान के रूप में अभी अपने कार्यकाल की शुरुआत में हैं और निश्चित रूप से मैदान पर सीख रहे हैं। वह अपने खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें रखेंगे।

एशियाई खेल : पीटी उषा ने नामीबिया ओलंपिक समिति की सीईओ से की मुलाकात

आइची-नागोया, 21 सितंबर। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को नामीबिया राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंटी पार्कर से मुलाकात की। दोनों ने 2026 एशियाई खेलों के दौरान भारत और नामीबिया के बीच खेल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस बीच, सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा की मिश्रित युगल जोड़ी ने एशियाई खेलों के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर की। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 4-1, 4-0, 4-2, 4-1, 4-2 के सेट स्कोर से जीता। इसके बाद आध्या और जय ने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी 5-0 से हराया। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 4-2, 4-1, 4-1, 4-0, 5-3 के सेट स्कोर से जीत दर्ज की।

गंभीर ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अपना समय और मार्गदर्शन देने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। गंभीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के साथ एक सुखद मुलाकात। उनके समय और मार्गदर्शन के लिए आभारी हूँ। उनके अच्छे स्वास्थ्य और कुशलता की कामना करता हूँ।

एशियाई खेल 2026 से पहले ऐतिहासिक टी-20 में से भिड़ने को तैयार है जापान

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। जापान के क्रिकेट 2026 एशियाई खेलों के अभियान से पहले भारत के ख़िलाफ़ एक खास टी 20 इंटरनेशनल मैच खेलने की तैयारी कर रहे हैं। उनका मकसद मौजूदा 20 वर्ल्ड चैंपियन के ख़िलाफ़ जापानी जज़्बा दिखाना है। जापान के ऑलराउंडर बेंजामिन इतो-डेविस, जिन्होंने 25 20 मैचों में 263 रन बनाए हैं और 31 विकेट लिए हैं, ने इस मैच को लेकर उत्साह ज़ाहिर किया। उन्होंने कहा कि वे इस चुनौती को स्वीकार करने और ग्लोबल स्टेज पर गर्व के साथ जापान का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं।

एशियाई खेल बैडमिंटन : लक्ष्य, आयुष और श्रीकांत ने दिलाई भारत को बांग्लादेश पर 3-0 की जीत

आइची-नगोया, 21 सितंबर। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने एशियाई खेल-2026 में शानदार शुरुआत करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सोमवार को पुरुष टीम स्पर्धा में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को आसान जीत दिलाई। लक्ष्य सेन ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाते हुए पहले मुकाबले में अयमान इब्न जमान को 21-4, 21-12 से हराया। लक्ष्य ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए रखा और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इसके बाद आयुष शेट्टी ने गौरव सिंघा को 21-4, 21-13 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारत को मुकाबला जीतने के लिए केवल एक और जीत की जरूरत थी और अनुभवी किदांबी श्रीकांत ने अल अमीन जुमर के खिलाफ 21-15, 21-9 से सीधे गेम में जीत दर्ज कर भारत को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी।

भारत की तीनों एकल मुकाबलों में जीत के बाद युगल मुकाबले कराने की जरूरत नहीं पड़ी। इस जीत के साथ भारतीय टीम पुरुष टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। अगले दौर में भारत का सामना जापान से होने की संभावना है।

एशियाई खेलों में सोमवार का दिन भारत के लिए निशानेबाजी, मिश्रित मार्शल आर्ट, हॉकी, बैडमिंटन, कबड्डी, मुक्केबाजी और टेबल टेनिस में सफलताओं से भरा रहा। निशानेबाजी में हिमांशु ढिल्लों ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत और रुद्रांक्ष पाटिल ने कांस्य पदक जीता। दोनों ने पार्थ माने के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में भी रजत पदक हासिल किया था।

क्वालिफिकेशन में रुद्रांक्ष तीसरे, हिमांशु सातवें और पार्थ 11वें स्थान पर रहे थे। मिश्रित मार्शल आर्ट में सुचिका तारियाल ने महिला पारंपरिक 60 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्हें सेमीफाइनल में सिंगापुर की तेओ हुई हून के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूल बी में इंडोनेशिया को 17-1 से हराया, जबकि पुरुष कबड्डी टीम ने ग्रुप ए में जापान को 49-23 से शिकस्त दी। मुक्केबाजी में सुमित ने पुरुष 70 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में बुनजोंग सिंसिरी को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने ग्रुप एफ में पाकिस्तान को 3-0 से हराया।

तैराकी में श्रीहरि नटराज पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में आखिरी स्थान पर रहे। श्रीहरि चीन के शू जियायू (जिन्होंने गोल्ड जीता) और वांग जिचेंग (जिन्होंने सिल्वर जीता) का मुकाबला नहीं कर पाए। भारतीय खिलाड़ी 25.52 के समय के साथ 10वें और आखिरी स्थान पर रहे। मणि आकाश और गितेश शाह पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल के फाइनल में जगह नहीं बना सके, जबकि धनुष सुरेश पुरुषों की 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक के फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके।

सॉफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीना ने मिश्रित युगल में कंबोडिया की वीवा चाओ-चानरोसेका खुन को 5-0 से हराया और मंगोलिया की बुद न्यामदोरज-एंखखुसलेन गनबातर जोड़ी के खिलाफ भी जीत दर्ज की। हालांकि, भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया की किम योन- 1-जैक्यू पार्क जोड़ी से हार मिली और बाद में फिलीपींस की क्रिस्टी सनीसा-शेरबिन नुगुइट जोड़ी के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में हार के साथ उसका सफर समाप्त हो गया।

वुशु में न्येमान वांगसू महिला चांगक्वान फाइनल में 15वें स्थान पर रहीं। सेपकटकरा के टीम रेगु ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम को जापान के खिलाफ हार मिली। स्कीट निशानेबाजी की महिला व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन में पहले दिन के बाद राइजा ढिल्लों नौवें, परीनाज़ धालीवाल 14वें और माहेश्वरी चौहान 16वें स्थान पर रहीं। पुरुषों की स्कीट क्वालिफिकेशन में अनंतजीत सिंह नरूका 21वें, मेराज अहमद खान 26वें और भवतेग सिंह गिल 27वें स्थान पर रहे।

एशियाई खेल : श्रीलंका के खिलाफ स्वर्ण पदक मुकाबले में स्मृति, शेफाली और हरमनप्रीत पर रहेगी नजरें

आइची-नगोया, 21 सितंबर। एशियाई खेल-2026 के महिला क्रिकेट के स्वर्ण पदक मुकाबले में मंगलवार को भारत का सामना श्रीलंका से होगा। लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश में भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा और कप्तान हरमनप्रीत कौर की बल्लेबाजी अहम भूमिका निभाएगी। दोनों टीमें कुछ ही दिन पहले एशिया कप के फाइनल में भी आमने-सामने हुई थीं। शेफाली वर्मा मौजूदा समय में शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने रविवार को बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। उन्होंने 49 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और नौ छक्के शामिल थे। इसके साथ ही शेफाली महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाली दूसरी भारतीय बनीं। उनके नाम अब 104 छक्के हैं, जो किसी भारतीय बल्लेबाज के सर्वाधिक छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट को मिलाकर टी20 नॉकआउट मुकाबलों में शेफाली ने 12 मैचों की 12 पारियों में 35.40 की औसत और 159.45 के स्ट्राइक रेट से 354 रन बनाए हैं। उनके नाम एक शतक और एक अर्धशतक है, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100 रन है। स्मृति मंधाना ने भी टी-20 नॉकआउट मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन किया है। उन्होंने 13 पारियों में 25.30 की औसत और 132.12 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं। उनके नाम एक अर्धशतक है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इस साल महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए बनाया गया 87 रन है। कप्तान हरमनप्रीत कौर का नॉकआउट मुकाबलों में रिकॉर्ड तीनों बल्लेबाजों में सबसे अधिक निरंतर रहा है। उन्होंने 12 मैचों में 324 रन बनाए हैं। उनके नाम दो अर्धशतक हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 66 रन है, जो उन्होंने 2025 महिला प्रीमियर लीग के फाइनल में मुंबई इंडियंस की ओर से दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बनाया था।

एशियाई खेल कबड्डी : भारत ने जीत के साथ किया अभियान का आगाज, जापान को 49-24 से हराया

आइची-नगोया, 21 सितंबर। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान की जीत के साथ शुरुआत की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने सोमवार को टोकई सिटिजन्स जिम्नेजियम में जापान को 49-24 से हराया। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे अयान लोचब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आशु मलिक के साथ मिलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-9 की मजबूत बढ़त बना ली। एक अन्य पदार्पण कर रहे देवांक दलाल ने भी आक्रमण में प्रभावी प्रदर्शन किया और भारत ने पहले 20 मिनट में जापान पर लगातार दबाव बनाए रखा। दूसरे हाफ की शुरुआत असलम इनामदार ने सफल रेड के साथ की। इसके बाद भी भारत ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि भारत ने 18 अंक जोड़े, लेकिन तब तक भारतीय टीम ने निर्णायक बढ़त बना ली थी। भारत ने 36 आउट अंक, आठ ऑलआउट अंक और दो सुपर टैकल अंक हासिल किए, जबकि जापान के खाते में नौ बोनस अंक रहे। भारत का अगला मुकाबला मंगलवार को ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया से होगा।

जयपुर में 3 से 6 अक्टूबर तक होगी 51वीं सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय योगासन चैम्पियनशिप

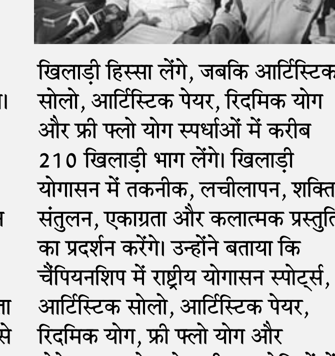

जयपुर, 21 सितम्बर। योग फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 51वीं सब-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप का आयोजन 3 से 6 अक्टूबर तक जयपुर में अलंकार महिला पीजी महाविद्यालय में किया जाएगा। प्रतियोगिता में 29 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 925 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनके अलावा 200 से अधिक राष्ट्रीय रेफरी, तकनीकी अधिकारी और अन्य पदाधिकारी भी प्रतियोगिता से जुड़े रहेंगे। योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के महासचिव एवं योग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव डॉ. अभिनव जोशी ने सोमवार को यहां बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन जयपुर योग लीग की ओर से योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के सहयोग से किया जा रहा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं अलंकार महिला पीजी महाविद्यालय के चेयरमैन लालचंद कटारिया आयोजन समिति के संरक्षक होंगे। आयोजन समिति के संयोजक अनिल व्यास और योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. शेर सिंह सहित तकनीकी अधिकारी, स्वयंसेवक और आयोजन समिति के सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हैं। जोशी ने बताया कि राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में करीब 715 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जबकि आर्टिस्टिक सोलो, आर्टिस्टिक पेयर, रिदमिक योग और फ्री फ्लो योग स्पर्धाओं में करीब 210 खिलाड़ी भाग लेंगे। खिलाड़ी योगासन में तकनीक, लचीलापन, शक्ति, संतुलन, एकाग्रता और कलात्मक प्रस्तुति का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि चैंपियनशिप में राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स, आर्टिस्टिक सोलो, आर्टिस्टिक पेयर, रिदमिक योग, फ्री फ्लो योग और प्रोफेशनल यूमेन योग की छह श्रेणियों में मुकाबले होंगे। राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में 8 से 10, 10 से 12, 12 से 14, 14 से 16 और 16 से 18 वर्ष के बालक-बालिकाओं के अलग-अलग आयु वर्ग होंगे। जोशी ने बताया कि राष्ट्रीय रेफरी एवं अधिकारियों की बैठक 2 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे होगी। प्रतियोगिता का उद्घाटन 3 अक्टूबर को सुबह 10 बजे किया जाएगा। मुख्य योगासन प्रतियोगिता 3 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे शुरू होगी और 4 व 5 अक्टूबर को सुबह 8 से शाम 7 बजे तक मुकाबले होंगे। योग फेडरेशन ऑफ इंडिया की वार्षिक आमसभा भी 3 अक्टूबर को शाम 6:30 बजे होगी, जिसमें संबद्ध राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों के अध्यक्ष और सचिव भाग लेंगे। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह 6 अक्टूबर को सुबह 11 बजे होगा।

1974 से योग खेलों के विकास में जुटा फेडरेशन

योग फेडरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना 1974 में हुई थी और वह पांच दशक से अधिक समय से देश में योगासन को खेल के रूप में बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रहा है। फेडरेशन अब तक 50 राष्ट्रीय योग खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर चुका है। 50वीं गोल्डन जुबली सीनियर राष्ट्रीय योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप अक्टूबर 2025 में मैसूर में और 50वीं सब-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता दिसंबर 2025 में रांची में आयोजित हुई थी। फेडरेशन के अनुसार भारतीय योगासन खिलाड़ियों ने एशियाई देशों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया है। फेडरेशन का एशियन योग फेडरेशन और इंटरनेशनल योग स्पोर्ट्स फेडरेशन से भी जुड़ाव रहा है।

भाजपा निकाय चुनाव के जनादेश को जमीनी सक्रियता से जोड़कर देखती है

अपेक्षाकृत मामूली अंतर के बावजूद वॉर्डों की जीत संगठन की सक्रियता को दर्शाती है

जयपुर, 21 सितंबर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के परिणामों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के लिए शहरी राजनीति में एक महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखी है। भाजपा ने वॉर्ड चुनाव में कांग्रेस से अधिक सीटें हासिल कीं और इसके बाद निकाय प्रमुखों के चुनाव में भी बड़ी संख्या में बोर्ड अपने पक्ष में करने में सफल रही। पार्टी अब इस पूरे जनादेश को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार की नीतियों, विकास के एजेंडे और संगठन की जमीनी सक्रियता से जोड़कर देख रही है। मुख्यमंत्री ने भी चुनाव परिणामों को जनता के भरोसे और भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम बताया है।

भाजपा के लिए यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर शहरी मतदाताओं के बीच सरकार के कार्यकाल को लेकर राजनीतिक परीक्षा हुई।

निकाय चुनाव के बाद भाजपा का राजनीतिक संदेश साफ तौर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व के इर्द-गिर्द दिखाई दे रहा है। पार्टी का कहना है कि विधानसभा में राज्य की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जिम्मेदारी सौंपने के बाद, अब शहरी निकायों में भी जनता ने विकास की उसी दिशा को आगे बढ़ाने के लिए भाजपा को समर्थन दिया है।

निकाय चुनाव में भाजपा ने 4,171 वॉर्ड जीते, जबकि कांग्रेस के खाते में 3,597 वॉर्ड आए। वोट शेयर में दोनों दलों के बीच अंतर एक प्रतिशत से भी कम रहा, लेकिन वॉर्डों की संख्या में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिली। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भाजपा का वोट शेयर 35.18 प्रतिशत और

■ भाजपा के लिये ये चुनाव इसलिये महत्वपूर्ण हैं कि विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार इतने बड़े स्तर पर शहरी मतदाताओं के बीच सरकार के कार्यकाल की राजनीतिक परीक्षा हुई है।

कांग्रेस का 34.24 प्रतिशत रहा।

यही वह आंकड़ा है, जिसे भाजपा अपने संगठन और चुनावी प्रबंधन की सफलता के रूप में सामने रख रही है। पार्टी का तर्क है कि अपेक्षाकृत मामूली वोट अंतर को अधिक वॉर्डों की जीत में बदलना बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता और उम्मीदवारों के पक्ष में वोटों के प्रभावी वितरण को दर्शाता है।

अब मुख्यमंत्री के सामने चुनौती इस राजनीतिक बढ़त को शहरों में दिखाई देने वाले विकास कार्यों और बेहतर नागरिक सुविधाओं में बदलने की है।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पद के लिए चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी।

कांग्रेस नेताओं ने बहुत बड़ी गड़बड़ी कर दी और उस बढ़त को गंवा दिया, जो राहुल गांधी को मोदी और उनकी सरकार के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए जैन ज़ी के धरने के बाद हासिल हुई थी।

कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह दिल्ली युनिवर्सिटी स्टूडेंट यूनियन चुनाव जीत जाएगी, और वहीं एबीवीपी भी इस बात को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थी कि इस चुनाव में उसके जीतने की कोई उम्मीद नहीं है।

लेकिन कांग्रेस नेताओं ने अपनी पसंद-नापसंद और मनमर्जी के हिसाब से फैसले किए।

ए आई सी सी के गलियारों में इस बात की खूब चर्चा है कि इस बार, अतीत के विपरीत, कड़ी कार्रवाई की बात हो रही है, क्योंकि राहुल की छवि को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचा है और मोदी बनाम जैन ज़ी पर उनका पूरा अभियान कमजोर पड़ गया है।

एसआईआर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने दावा किया कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केन्द्रीय विदेश मंत्री, दिल्ली के उपराज्यपाल, राज्यसभा सांसदों तथा अन्य प्रमुख व्यक्तियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत रत्न से सम्मानित एक वैज्ञानिक और पूर्व नौसेना प्रमुख को भी पहले नोटिस दिया जा चुका है।

हत्या की आरोपी सिया ने प्रेमी से खाटूश्याम जी में गुप्त विवाह किया था?

सिया पर, होने वाले पति केतन को लोहागढ़ किले से गिरा कर मारने का आरोप है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की जांच में मुख्य आरोपी सिया गोयल और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी के संभावित गुप्त विवाह का खुलासा हुआ है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ता इस बात की पड़ताल कर रहे हैं कि क्या सिया और चेतन ने दिसंबर 2025 में राजस्थान के विख्यात खाटू श्याम मंदिर में गुप्त रूप से विवाह किया था।

दोनों आरोपियों के बीच मोबाइल फोन पर हुई चैट का विश्लेषण करने के बाद पुलिस को गुप्त विवाह का संदेह हुआ। पुणे ग्रामीण पुलिस की एक विशेष टीम कथित विवाह की पुष्टि करने और सबूत जुटाने के लिए जुलाई में राजस्थान गई थी।

हालांकि, जांचकर्ताओं को अब तक मंदिर में विवाह समारोह होने की पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक पंजीकरण रिकॉर्ड या सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है।

जांच के दौरान, पुलिस ने कथित तौर पर एक मोबाइल फोन से एक

■ पुलिस सूत्रों के अनुसार सिया गोयल व उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने दिसम्बर 2025 में विख्यात खाटूश्याम जी मंदिर में गुप्त रुप से विवाह किया था। पुलिस की विशेष टीम कथित विवाह की पुष्टि व सबूत जुटाने में लगी हुई है।

तस्वीर बरामद की, जिसमें सिया गोयल और चेतन चौधरी फूल माला पहने नज़र आ रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस तस्वीर को आरोप पत्र के साथ साक्ष्य के रूप में पेश किया गया है।

जांचकर्ता सिया और चेतन के बीच संबंधों की प्रकृति तथा यह पता लगाने के लिए डिजिटल साक्ष्यों और तस्वीर की जांच कर रहे हैं कि क्या केतन अग्रवाल के साथ सिया की निर्धारित शादी से पहले दोनों ने विवाह कर लिया था। कथित गुप्त विवाह इस मामले में जांच की एक प्रमुख कड़ी बना हुआ है। पुलिस तस्वीर और दोनों के राजस्थान जाने से जुड़े घटनाक्रम की परिस्थितियों की लगातार पुष्टि कर रही है।

पुलिस को अभी तक खाटू श्याम मंदिर में कथित विवाह की पुष्टि करने वाला कोई स्वतंत्र दस्तावेज या सीसीटीवी साक्ष्य नहीं मिला है।

18 जून को लोहागढ़ किले से धक्का दिए जाने के बाद केतन अग्रवाल की मौत हो गई थी। इसके बाद उनकी मंगेतर सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया था।

मोढेरा सूर्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1000 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति को समर्पित होगा। इस निर्णय को गुजरात की सांस्कृतिक विरासत और मेहसाणा जिले के मोढ ेरा की ऐतिहासिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एनएसयूआई की हार पर एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी राहुल ने

राहुल हैरान हैं कि ''छात्रों की गूंज'' कार्यक्रम की भारी सफलता के बाद भी दिल्ली छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस के छात्र संगठन की इतनी बुरी हार क्यों हुई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। अगस्त को पुणे के एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' के चौथे संस्करण में कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी छात्र संपर्क अभियान के लिए हजारों युवा महिलाएं जुटी थीं।

असामान्य रूप से नियोन पीली रंग की लिनेन शर्ट पहने राहुल ने केवल महिलाओं के लिए आयोजित इस सभा को पितृसत्ता के खिलाफ जोरदार हमले में बदल दिया। उन्होंने मनुस्मृति का हवाला दिया, महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा अपशब्दों के इस्तेमाल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ''सांस्कृतिक हैरानी'' को लेकर उन पर हमला किया और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मौजूद महिलाओं से कहा, ''मिलकर हमें इस पितृसत्ता को खत्म करना है। पितृसत्ता को ध्वस्त कर दीजिए।''इस बीच, दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनावों में एनएसयूआई के पूरी तरह साफ हो जाने से राहुल गांधी नाराज हैं। उन्होंने एनएसयूआई की करारी हार पर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगी है, क्योंकि वे इस बात से काफी परेशान हैं कि कांग्रेस का छात्र संगठन प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जैन ज़ी के साथ जुड़ नहीं पाया।

■ अभी कुछ अर्सा पहले ही जिस तरह से राहुल ने पुणे में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों व लड़कियों के मुद्दे उठाए और पितृ सत्तात्मक समाज की व्यवस्था पर हमला बोला था, उसने उन्हें जैन ज़ी का बेहद प्रिय बना दिया था।

■ राहुल हैरान हैं कि आखिर गलती कहां हुई, जो एनएसयूआई की शर्मनाक हार हुई।

भारत की पर्यटन क्रांति ने ''एआई युग'' में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युवा भारतीय खास तौर पर अनुभवों पर खर्च करने को तैयार हैं, जबकि परिवार छुट्टियों के साथ शिक्षा, संस्कृति और स्वास्थ्य एवं कल्याण को भी जोड़ रहे हैं।

विदेश यात्रा भी महत्वपूर्ण बनी हुई है। पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 2025 में भारतीय नागरिकों ने विदेश जाने के लिए 3.283 करोड़ यात्राएं कीं। लेकिन घरेलू पर्यटन के तेजी से विस्तार का मतलब है कि भारतीय अब अपने ही देश को छुट्टियां बिताने के एक प्रमुख स्थान के रूप में तेजी से खोज रहे हैं।

कनेक्टिविटी इसे संभव बना रही है। नए हवाई अड्डे, राजमार्ग और एक्सप्रेसवे, बेहतर रेल सेवाएं और क्षेत्रीय हवाई संपर्क छोटे शहरों और पहले दूर माने जाने वाले पर्यटन स्थलों को भी पर्यटन नेटवर्क से जोड़ रहे हैं। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन बुकिंग और ऐप आधारित परिवहन ने भी यात्रा की मुश्किलों और झंझटों को काफी कम कर दिया है।

इसका परिणाम पर्यटन के भौगोलिक विस्तार के रूप में सामने आ रहा है। जो स्थान पहले छोटी छुट्टी के लिए बहुत दूर माने जाते थे, वे अब वीकएंड या तीन दिन की यात्रा के गंतव्य बन सकते हैं। छोटे शहर, हिल स्टेशन, तीर्थस्थल, वन्यजीव क्षेत्र, हैरिटेज शहर और तटीय पर्यटन स्थल नए मार्केट हासिल कर रहे हैं।

इससे अर्थव्यवस्था के लिए असामान्य रूप से व्यापक अवसर पैदा हो रहा है। पर्यटन से केवल एयरलाइंस और होटल ही लाभान्वित नहीं होते। इससे रेस्तरां, टैक्सी, खुदरा विक्रेता, गाइड, हस्तशिल्प निर्माता, फोटोग्राफर, आयोजन कंपनियां, स्वास्थ्य एवं कल्याण सेवाएं देने वाले, किसान, सांस्कृतिक कलाकार और होमस्टे भी लाभ पाते हैं। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा छोटे शहरों के लिए पर्यटन, उपभोक्ताओं के खर्च को बड़े महानगरों से बाहर पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

हालांकि, अगला बड़ा बदलाव कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस/ एआई) से आ सकता है।

एआई पर्यटन को बड़े पैमाने पर सर्च -एंड-बुक इंडस्ट्री से बदलकर एक तेजी से पर्सनलाइज़्ड, प्रैडिक्टिव और इंटैलिजैंस सर्विस इंडस्ट्री में बदल रहा है। डब्ल्यूटीटीसी ने एआई को उन तकनीकों में शामिल किया है, जो यात्रा और पर्यटन के स्वरूप को मूल रूप से बदल सकती हैं, जिसमें व्यक्तिगत सुझाव, मांग के अनुसार कीमत तय करना, मांग का अनुमान लगाना, कामकाज की दक्षता बढ़ाना और ग्राहक सेवा जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

यात्री के लिए सबसे बड़ा बदलाव एआई ट्रैवल एजेंट के रूप में सामने आ सकता है। दर्जनों वेबसाइटों पर खोज करने के बजाय, यात्री केवल अपना बजट, पसंदीदा तारीखें, रुचियां, यात्रा की गति, खाने-पीने से जुड़ी जरूरतें और साथ यात्रा करने वाले लोगों के बारे में जानकारी देगा और उसे परिवहन, ठहरने, घूमने की जगहों, रेस्तरां और गतिविधियों को शामिल करते हुए अपनी जरूरत के अनुसार यात्रा योजना (कस्टमाइज़्ड आईटिनररी) मिल सकती है।

एआई इस आइटिनररी को बदलती परिस्थितियों के अनुसार तुरंत अपडेट भी कर सकता है। अगर कोई फ्लाइट लेट हो जाती है, बारिश के कारण घूमने की योजना प्रभावित होती है या किसी पर्यटन स्थल पर बहुत अधिक भीड़ हो जाती है, तो एआई सिस्टम रियल टाइम में दिन की योजना को रीऑर्गनाइज़ कर सकता है। परिवारों, बुजुर्ग यात्रियों या विशेष शारीरिक और खान-पान संबंधी जरूरतों वाले लोगों के लिए ऐसी व्यक्तिगत सुविधा यात्रा के अनुभव को काफी बेहतर बना सकती है।

एआई पर्यटन स्थलों की खोज को भी अधिक लोगों तक पहुंचा सकता है। कम प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को सही यात्रियों से मिलाकर, इंटैलिजैंट रिकमैंडेशन सिस्टम कुछ जाने-माने सर्किट में पर्यटकों की भीड़ कम करने और डिमांड को छोटे जगहों तक फैलाने में मदद कर सकते हैं।

पर्यटन कारोबार पर भी इसका बहुत बड़ा असर पड़ सकता है। होटल एआई का इस्तेमाल करके डिमांड का अंदाज़ा लगा सकते हैं और कमरों की कीमत सही कर सकते हैं। एयरलाइंस अपनी समय-सारणी और ग्राहक सेवा में सुधार कर सकती हैं। पर्यटन बोर्ड यात्रा के नए रुझानों की पहचान कर सकते हैं। रेस्तरां मांग का अनुमान लगाकर खाने की बर्बादी कम कर सकते हैं। छोटे होटल, गाइड और टूर ऑपरेटर, बड़ी टीम रखे बिना, कई भाषाओं में प्रचार सामग्री और ग्राहकों से संवाद तैयार कर सकते हैं।

डब्ल्यूटीटीसी और ट्रिप डॉट कॉम ने भी एआई एजेंटों को उन तकनीकों में शामिल किया है, जो यात्रा की खोज और बुकिंग के तरीके को बदल सकती हैं। साथ ही, उनकी व्यापक तकनीकी रिसर्च एक तेजी से बदलते इकोसिस्टम की ओर इशारा करती है, जिसमें डिजिटल तकनीक, परिवहन के नए सिस्टम और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि टैक्नॉलजी यात्रा के मानवीय अनुभव की जगह ले लेगी। इसके विपरीत, एआई की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका यात्रा से जुड़ी प्रशासनिक परेशानियों और झंझटों को कम करना हो सकती है, ताकि लोगों को किसी पर्यटन स्थल का अनुभव लेने के लिए अधिक समय मिल सके।

इसलिए भारत अब एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है। महामारी के बाद पर्यटन का पहला चरण वापसी का था। अगला चरण विस्तार, विविधता और समझदारी भरे पर्सनलाइज़ेशन का है। 2036 तक 527 अरब डॉलर की यात्रा एवं पर्यटन अर्थव्यवस्था बनने का डब्ल्यूटीटीसी का अनुमान बताता है कि यह मौका सिर्फ अधिक पर्यटकों को संभालने तक सीमित नहीं है।

भारत एक नए उपभोक्ता उद्योग का निर्माण कर रहा है, जिसमें बढ़ती आय, इंफ्रास्ट्रक्चर, मोबिलिटी, डिजिटल प्लेटफॉर्म और एआई एक साथ आ रहे हैं। इस बदलाव से केवल होटल और एयरलाइंस को ही फायदा नहीं होगा, इसमें एमएसएमई, एंटरप्रेन्योर, छोटे शहर, स्थानीय समुदाय और यात्रा से जुड़ी विशाल आर्थिक चेन में शामिल लाखों कर्मचारी भी होंगे।

इसलिए भारत की पर्यटन क्रांति अब अगले चरण में प्रवेश कर रही है: अधिक भारतीयों के यात्रा करने से लेकर भारत को और ज्यादा जानने -समझने तक, और अब तेजी से एआई हर यात्री को यह तय करने में मदद कर रहा है कि कहां जाना है, क्या करना है और यात्रा का अधिकतम लाभ कैसे उठाना है।

ट्रंप अब प्रैस को कंट्रोल करने की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में उन्होंने इस कदम की निंदा की। उन्होंने एकजुटता का दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए अपने पूल असाइनमैंट की जगह दूसरे पत्रकारों को भेजने से इनकार कर दिया।

यह व्यवस्था कई वर्षों में इसलिए विकसित हुई थी, क्योंकि राष्ट्रपति की कवरेज पर भारी खर्च आता है और एक ही समय में सभी समाचार संस्थानों के पत्रकारों के लिए पर्याप्त जगह भी नहीं होती। वाइट हाउस का प्रेस और टेलीविजन पूल बाकी सभी के लिए कार्यक्रमों को कवर करता है। वाइट हाउस के प्रेस पूल के किसी एक सदस्य को मना करने का मतलब है कि तय किया गया पूल सदस्य इन कार्यक्रमों को कवर नहीं करेगा।

तय किए गए पूल सदस्यों की कवरेज को वाइट हाउस टेलीविजन प्रेस पूल के अन्य सदस्यों के साथ-साथ, देशभर के समाचार संगठनों और अखबारों के साथ भी शेयर किया जाता है। अगर प्रेस पूल के अन्य सदस्य भी कवरेज करने से इनकार कर दें, तो इसका मतलब होगा कि पूरे देश के लिए वाइट हाउस की कवरेज नहीं हो पाएगी।

इस प्रतिबंध को चुनौती देते हुए, तीन प्रैस पूल आउटलैट्स ने ''फर्स्ट अमैंडमैंट'' (संविधान के प्रथम संशोधन) के तहत मुकदमा दायर किया है। अमेरिका में प्रथम संशोधन से जुड़े मामलों के विशेषज्ञ वकीलों की एक बड़ी संख्या है, क्योंकि यह अमेरिकी संविधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, किसी समाचार संगठन द्वारा प्रथम संशोधन के तहत मुकदमा दायर करने का यह पहला मामला नहीं है।

रिपोर्टों के अनुसार, जब भी किसी पत्रकार ने प्रथम संशोधन के सिद्धांतों के तहत अदालत से राहत मांगी है, तो कई मामलों में पत्रकारों ने उस समय की सरकार के खिलाफ मुकदमा जीता है। ऐसे अनेक फैसले हैं, जिनमें पत्रकारों के उस अधिकार को सही ठहराया गया है, जिसके तहत वे अमेरिकी राष्ट्रपति और वाइट हाउस की गतिविधियों और वाइट हाउस की ब्रीफिंग की रिपोर्टिंग करते हैं, खासकर तब, जब सरकार ने इन आज़ादियों पर रोक लगाने की कोशिश की हो।

प्रतिबंधित तीनों समाचार संगठनों ने ''व्यू-पॉइंट डिस्क्रिमिनेशन'', यानी विचारों या दृष्टिकोण के आधार पर भेदभाव के खिलाफ शिकायत की है। कानून के तहत इस तरह का भेदभाव प्रतिबंधित है। इसका अर्थ है कि किसी समाचार संगठन या पत्रकार को उसके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के कारण हटाया या प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कहा है कि इन संगठनों ने सरकार या राष्ट्रपति के कामकाज के बारे में नकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया है। डॉनल्ड ट्रंप कई मौकों पर कह चुके हैं कि उन्हें अपने बारे में नकारात्मक कवरेज पसंद नहीं है।

प्रभावित न्यूज़ मीडिया ने तर्क दिया है कि लोगों को सरकार के कामकाज और राष्ट्रपति क्या कर रहे हैं, इसके बारे में जानने का अधिकार है। उनका कहना है कि सरकार को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि प्रेस सरकार के कामकाज के बारे में कैसे लिखे तथा सरकार यह तय नहीं कर सकती कि प्रैस को क्या लिखना चाहिए।

'पुलिस केकडी वॉर्ड सदस्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऑफिसर, अजमेर, को बोर्ड अध्यक्ष का चुनाव स्थगित करने की गुहार की है और साथ ही कांग्रेस वार्ड सदस्य, अनिल मित्तल, को अयोग्य घोषित करने की मांग भी करी है।

आर.पी. सिंह ने कहा 21 सितम्बर की रात 12 बजे पुलिस के कर्मचारी अनिल मित्तल के घर आये थे। आर. पी. सिंह का कहना था कि यह पुलिस अधिकारी संभवतः भाजपा के स्थानीय विधायक और वार्ड सदस्य की शिकायत पर कार्रवाई करने के लिए अनिल मित्तल को गिरफ्तार करने आये थे। उन्होंने अदालत को यह भी तथ्य उजागर करा कि निर्वाचन आयोग के रिर्टर्निंग ऑफिसर को कांग्रेस के वार्ड सदस्य ने 20 सितम्बर की रात को ही भाजपा विधायक द्वारा फेसबुक पोस्ट में बताये गये आरोपों के संबंध में अपना बयान व पक्ष पेश कर दिया था, परंतु उन्हे रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से कोई भी जवाब या प्रतिक्रिया नहीं मिली।

उल्लेखनीय है कि पुलिस के जाब्ते को देख देर रात अनिल मित्तल की ओर से वकील को तलब किया गया, जिन्होंने रात्रि 3 बजे अदालत के समक्ष याचिका दायर की और महाधिवक्ता को भी इस संदर्भ में सूचित किया गया।

याचिका में कहा गया कि यह शिकायत केवल याचिकाकर्ता को अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने से रोकने के लिए की गई है। इसके अलावा उसके घर के बाहर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि उसे चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने से रोका जा सके। जिसका विरोध करते हुए महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि याचिका केवल आशंका के आधार पर दायर की गई है। उन्हें याचिकाकर्ता के खिलाफ निर्वाचन अधिकारी को दी शिकायत या एफआईआर दर्ज होने की जानकारी नहीं है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में पर्याप्त रिकॉर्ड पेश नहीं किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए रिटर्निंग अधिकारी को लंबित शिकायत पर कार्रवाई की छूट दी है।

ओवैसी ने सपा और कांग्रेस को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सपा के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगा सकती है, जहां मुस्लिम वोट निर्णायक होता है। कांग्रेस के सामने भी ऐसी ही दुविधा है। उत्तर प्रदेश में प्रासंगिक बने रहने के लिए उसे मुस्लिम मतों के एकजुट होने की जरूरत है, लेकिन एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करना, उसकी धर्मनिरपेक्ष ताकत वाली छवि के अनुरुप नहीं है, जिस रूप में वह स्वयं को प्रस्तुत करती रही है। साथ ही, 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ मिली बढ़ त के बाद कांग्रेस ने स्वतंत्र रूप से अपना आधार फिर से मजबूत करने की कोशिश की है।

ओवैसी को साथ लेने से, लगभग निश्चित रूप से भाजपा के लंबे समय से चले आ रहे इस नैरेटिव को मजबूती मिलना लगभग सुनिश्चित है कि विपक्ष मूल रूप से एक मुस्लिम गठबंधन है। सत्तारूढ़ पार्टी बार-बार एआईएमआईएम को एक ध्रुवीकरण करने वाली ताकत के रूप में पेश करती रही है, जिसकी मौजूदगी से हिंदू मतों के एकजुट होने में मदद मिलती है। ओवैसी को औपचारिक रूप से विपक्षी गठबंधन में शामिल करने से भाजपा को जवाबी ध्रुवीकरण के लिए तैयार मुद्दा मिल जाएगा, जिससे अल्पसंख्यकों के बीच भाजपा विरोधी वोटों की एकजुटता से मिलने वाला संभावित लाभ प्रभावित हो सकता है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने कहा है कि ओवैसी भले ही ''4-5 सीटें जीतें, लेकिन अंत में वे भाजपा की सरकार बनने में ही मदद करते हैं।'' इससे पहले उन्होंने कहा था कि सांप्रदायिकता से लड़ने का मतलब दोनों तरह की सांप्रदायिकता का विरोध करना है और चेतावनी दी थी कि साम्प्रदायिकता के एक रूप के खिलाफ हमला करते हुए, उसके दूसरे रूप के साथ चुनिंदा तरीके से गठबंधन नहीं किया जा सकता।

एआईएमआईएम को साथ लेने का फैसला मुस्लिम वोटों को एकजुट करने के बजाय उन्हें विभाजित कर सकता है। बहुत से मुस्लिम मतदाता पहले से ही सपा को भाजपा के खिलाफ मुख्य राजनीतिक विकल्प मानते हैं। एआईएमआईएम के साथ गठबंधन करने से वे मतदाता दूर हो सकते हैं, जो ओवैसी को बांटने वाली राजनीति करने वाला मानते हैं। इसके विपरीत, एआईएमआईएम को बाहर रखने से पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में वही बहुकोणीय मुकाबले पैदा होने का जोखिम है, जिनका ऐतिहासिक रूप से भाजपा को लाभ मिलता रहा है।

एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद आसिम वकार का हाल ही में कांग्रेस में शामिल होना इन तनावों को रेखांकित करता है। वकार ने अपनी पुरानी पार्टी पर आरोप लगाया है कि वह भाजपा को हराने की सिर्फ बातें करती है, जबकि, असलियत में जमीन पर कांग्रेस और सपा से लड़ती है और एक तरह से सत्ताधारी पार्टी की ''बी-टीम'' की तरह काम करती है। ओवैसी के ताजा संपर्क प्रयासों से कुछ दिन पहले उनका पार्टी छोड़ना, एआईएमआईएम के भीतर के तनाव को दर्शाता है और कांग्रेस को यह कहने का आधार देता है कि वास्तविक भाजपा विरोधी राजनीति के लिए ओवैसी के संगठन से दूरी बनाना जरूरी है, न कि उसे साथ लेना।

भाजपा विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसे गाना बंद कर दिया था। सोनिया गांधी को खुश करने के लिए, मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने इसे कैबिनेट में पेश किया और कहा कि हम केवल दो पैराग्राफ गाएंगे, पूरा गीत नहीं।

गुजरात से सैकड़ों टन ''हिल्सा'' मछली निर्यात होती है बांग्लादेश को

बंगाली परिवारों के लिये ''हिल्सा'' का धार्मिक व सांस्कृतिक परंपराओं में विशेष स्थान है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 सितम्बर। हिल्सा मछली का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक बांग्लादेश अब गुजरात से सैकड़ों टन ''हिल्सा'' मछली आयात कर रहा है।

बांग्लादेश की पद्मा नदी की हिल्सा मछली ''पद्मार इलिश'' को सभी हिल्सा मछलियों की रानी माना जाता है। लेकिन इसे हासिल करना लगभग असंभव होता है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा निवासी पल्लब करार कहते हैं, ''जब भी यह कोलकाता के बाजारों में पहुंचती है, तो अपने आप में एक बड़ी घटना होती है।''

63 वर्षीय कारोबारी करार बताते हैं कि मछली विक्रेता बांग्लादेश की हिल्सा को कितना अधिक सम्मान देते हैं। वे कहते हैं, ''वे इसे बड़ी सावधानी से हरे प्लास्टिक के थैले में लपेटते हैं और बाकी सभी मछलियों से अलग रखते हैं। इनकी कीमत 3,000 रुपये किलो तक होती है।''

''टेनुअलोसा इलिशा'', जिसे आम तौर पर हिल्सा या इलिश के नाम से जाना जाता है, बंगाली परिवारों की खाने की मेज का गौरव मानी जाती है और धार्मिक समारोहों तथा सांस्कृतिक परंपराओं में भी इसका महत्वपूर्ण स्थान है। बंगालियों का हिल्सा के प्रति लगाव और इसका सांस्कृतिक महत्व इस मछली को लगभग पौराणिक दर्जा (मिथिकल स्टेटस) दे चुका है।

यह ऐसी मछली है जो खारे समुद्र में रहती है, लेकिन अंडे देने के लिए मीठे पानी वाली नदियों के मुहानों तक तैरकर आती है। जिस तरह फसल में उस मिट्टी का स्वाद और सुगन्ध होती है, जिसमें वह उगती है, उसी तरह हिल्सा का स्वाद भी उस पानी के अनुसार अलग एवं विशिष्ट अलग होता है, जहां से उसे पकड़ा गया हो। इसका मांस बहुत नाजुक, स्वादिष्ट एवं उत्कृष्ट होता है और इसकी खुशबू उंगलियों पर लंबे समय तक बनी रहती है।

पद्मा नदी गंगा की एक शाखा है और बांग्लादेश में मेघना नदी से मिलकर बंगाल की खाड़ी में जा गिरती है।

हालांकि हिल्सा देशभर में, पश्चिम बंगाल से लेकर ओडिशा, आंध्र प्रदेश और गुजरात तक पाई जाती है, लेकिन भारत में लाखों लोग, खासकर बंगाली, पद्मा नदी की हिल्सा के लिए तरसते हैं। ऐतिहासिक रूप से हिल्सा का सबसे बड़ा उत्पादक बांग्लादेश भारत को इसका निर्यात करता रहा है।

हालांकि, अब एक दिलचस्प स्थिति सामने आई है। जहाँ बांग्लादेश भारत को सीमित मात्रा में हिल्सा निर्यात कर रहा है, खासकर दुर्गा पूजा के समय, वहीं वह भारत से, विशेष रूप से गुजरात से, सैकड़ों टन हिल्सा आयात भी कर रहा है। जहां पद्मा और मेघना की हिल्सा भारत में ऊंची कीमतों पर खरीदी जा रही है, वहीं गुजरात, खासकर भरूच, की हिल्सा ढाका, सिलहट और चटगांव की थालियों तक पहुंच रही है।

बांग्लादेश ने पिछले दो महीनों में भारत से लगभग 500 टन हिल्सा आयात की है और अगले दो सप्ताह में 150 से 200 टन और मंगाने की प्रक्रिया में है।

तो इस विरोधाभास की वजह क्या है? भारतीय लोग बांग्लादेशी हिल्सा के लिए इतनी ऊंची कीमत चुकाने को तैयार क्यों हैं, जबकि बांग्लादेशी भारतीय उपमहाद्वीप के दूसरे छोर से इसी मछली का आयात कर रहे हैं?

ढाका के ऐक्टिविस्ट और शिक्षाविद् रेजाउर रहमान लेनिन ने ''इंडिया टुडे डिजिटल'' से कहा, ''बांग्लादेश गुजरात से हिल्सा का आयात अपनी खास पद्मा और मेघना की हिल्सा के विकल्प के तौर पर खाने के लिए नहीं करता, बल्कि स्थानीय आपूर्ति की कमी को पूरा करने और औद्योगिक प्रसंस्करण (इण्डस्ट्रियल प्रोसेसिंग) के लिए आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए करता है।''

■ यह ऐसी मछली है जो खारे समुद्र में रहती है लेकिन अंडे देने मीठे पानी वाली नदियों के मुहाने तक आती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर. एन. आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908